



विश्व के सरी

सिर्फ पत्रकारिता...

@vishwakesariTV

@vishwakesari

vishwa kesari official

@VishwaKesari

@ खेल नीरज चोपड़ा को ढूँढनी होगी श्रीलंकाई छमेश...

@ साहित्य केसरी आजादी का अर्थ...

@ व्यापार एफसीएनआर(बी) जमा राशि 65.4 अरब डालर तक...

संक्षिप्त खबर

हरसिमरत कौर का भगवंत मान की पत्नी पर हमला चंडीगढ़। पंजाब में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले राज्य के मुख्यमंत्री भगवंत मान की पत्नी पर 5 करोड़ रुपए के भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं।

इस संबंध में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआर) के दखल के बाद राजनीति भी तेज हो गई है। इसी कड़ी में शिरोमणि अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर बादल ने आम आदमी पार्टी और मुख्यमंत्री भगवंत मान पर निशाना साधा। हरसिमरत कौर बादल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा, 'मुख्यमंत्री भगवंत मान की पत्नी पर 5 करोड़ रुपए के भ्रष्टाचार के आरोप इतने गंभीर हैं कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को इसमें दखल देना पड़ा।'

बैवटीरिया 'फॉरएवर केमिकल्स' को लेकर जापानी शोध में बड़ा खुलासा टोक्यो। जापान में एक शोध दल ने नदी की तलछट में ऐसे बैक्टीरिया की पहचान की है, जो पानी और पर्यावरण में मौजूद बेहद टिकाऊ प्रदूषक पीएफएएस को हटाने में सक्षम हैं। शोधकर्ताओं के मुताबिक, यह खोज इन तथाकथित 'फॉरएवर केमिकल्स' से होने वाले प्रदूषण से निपटने का कम लागत वाला तरीका विकसित करने की उम्मीद जगाती है। जापानी विश्वविद्यालय के नेतृत्व में किए गए अध्ययन में पाया गया।



भूपेश बघेल: संघर्ष की राजनीति का बेमिसाल चेहरा

विशेष संवाददाता ■ नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ की राजनीति में यदि पिछले दो दशकों के सबसे प्रभावशाली नेताओं की चर्चा होगी तो भूपेश बघेल का नाम अग्रिम पंक्ति में लिया जाएगा। किसान परिवार से निकलकर कांग्रेस संगठन की सीढ़ियां चढ़ने वाले बघेल ने स्वयं को ऐसे नेता के रूप में स्थापित किया, जिसने सत्ता में रहते हुए भी सड़क की राजनीति नहीं छोड़ी और विपक्ष में आने के बाद भी आक्रामक तेवर बरकरार रखे। कांग्रेस के समर्थक उन्हें ऐसा नेता मानते हैं जो कठिन राजनीतिक परिस्थितियों में भी पीछे हटने के बजाय संघर्ष का रास्ता चुनता है।

भूपेश बघेल का राजनीतिक जीवन लगभग चार दशक पुराना है। युवा कांग्रेस से शुरुआत करने के बाद वे कई बार विधायक बने, मध्य प्रदेश और बाद में छत्तीसगढ़ सरकार में मंत्री रहे, प्रदेश

कांग्रेस अध्यक्ष बने और वर्ष 2018 में कांग्रेस को ऐतिहासिक जीत दिलाकर मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचे। 2013 के झोरम घाटी हमले में कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की क्षति के बाद जिस दौर में पार्टी को संगठनात्मक संकट का सामना करना पड़ा, उस समय प्रदेश संगठन को संभालने और कार्यकर्ताओं का मनोबल बनाए रखने का श्रेय भी उनके समर्थक उन्हें देते हैं।

भूपेश बघेल की सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत उनकी जनसंपर्क शैली मानी जाती है। वे लगातार गांवों, किसानों, आदिवासियों और ग्रामीण समाज के बीच सक्रिय रहे हैं। मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि और स्थानीय संसाधनों पर आधारित कई योजनाओं को प्राथमिकता दी। उनके समर्थकों का दावा है कि इन्होंने पहलों ने कांग्रेस को ग्रामीण



क्षेत्रों में मजबूत सामाजिक आधार प्रदान किया।

सत्ता परिवर्तन के बाद भी बघेल का राजनीतिक आक्रामकपन कम नहीं हुआ।

विधानसभा से लेकर सड़क तक वे राज्य सरकार के खिलाफ लगातार मुखर रहे हैं। साथ ही अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने उन्हें पंजाब जैसे महत्वपूर्ण राज्य का प्रभारी बनाकर संगठनात्मक जिम्मेदारी सौंपी, जिसे पार्टी नेतृत्व का उन पर भरोसा माना जाता है।

खनिज संपदा से समृद्ध छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की वापसी की संभावनाओं पर चर्चा होती है तो पार्टी के भीतर भूपेश बघेल को प्रमुख चेहरों में गिना जाता है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राज्य में उनका व्यापक जनाधार, संगठन पर पकड़ और कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद उन्हें कांग्रेस की चुनावी रणनीति का केंद्रीय स्तंभ बनाता है। हालांकि यह भी उतना ही सच है कि उनके कार्यकाल और राजनीतिक शैली को लेकर विपक्ष लगातार सवाल उठाता रहा है तथा कई

मुद्दों पर तीखी आलोचना भी करता है। यही लोकतांत्रिक राजनीति का स्वाभाविक पक्ष है।

राजनीति में लोकप्रियता केवल पद से नहीं, बल्कि संघर्ष करने की क्षमता से भी तय होती है। भूपेश बघेल के समर्थकों का विश्वास है कि वे प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मैदान नहीं छोड़ते। शायद यही कारण है कि कांग्रेस के अनेक कार्यकर्ता उन्हें छत्तीसगढ़ में पार्टी के सबसे बड़े जननेता और भविष्य की सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक उम्मीद के रूप में देखते हैं। आने वाले चुनाव यह तय करेंगे कि यह विश्वास जनादेश में कितना बदलता है, लेकिन इतना स्पष्ट है कि छत्तीसगढ़ की राजनीति में भूपेश बघेल की भूमिका अभी समाप्त नहीं हुई है; वह राज्य की राजनीतिक दिशा तय करने वाले प्रमुख चेहरों में बने हुए हैं।

बिहार में तेज रफ्तार बस का कहर 5 लोगों की मौके पर मौत, कई घायल

एजेंसी ■ बेतिया

बिहार के पश्चिम चंपारण जिले के लौरिया थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। हादसा एनएच-727 पर बेतिया-लौरिया मार्ग के बनकटवा के समीप हुआ। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार और अनियंत्रित शाही ट्रेवल्स की बस सड़क किनारे मौजूद लोगों की भीड़ में जा चुसी।

जानकारी के अनुसार, बनकटवा में एक घर छटियार



समारोह का आयोजन किया गया था। समारोह में शामिल लोगों के मनोरंजन के लिए आर्केस्ट्रा का कार्यक्रम चल रहा था। सड़क किनारे पंडाल लगाकर डीजे और आर्केस्ट्रा का कार्यक्रम कराया जा रहा था। इसी दौरान गोरखपुर से बेतिया जा

रही शाही ट्रेवल्स की तेज रफ्तार बस अचानक अनियंत्रित हो गई और वहां मौजूद लोगों को कुचलते हुए आगे निकल गई।

हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। मृतकों की

पहचान देवेंद्र दुबे, संजय महतो, बहादुर महतो, भोला दुबे और खंगुर राम के रूप में हुई है। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने घायलों को तत्काल इलाज के लिए भेजने का प्रयास किया। सूचना मिलते ही लौरिया थाना पुलिस सहित कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने स्थानीय लोगों को समझाकर शांत कराया तथा सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए बेतिया स्थित जीएमसीएच भेज दिया।

नितिन नवीन की नई टीम की पहली बैठक संगठन और पीएम मोदी के 25 साल एजेंडे में

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में पार्टी के नवनियुक्त पदाधिकारियों के साथ अपनी पहली बैठक कर रहे हैं।

दिनभर चलने वाली इस संगठनात्मक कवायद में तीन अलग-अलग बैठकें होंगी। इनमें नए पदाधिकारियों का परिचय, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में देशभर में आयोजित होने वाले कार्यक्रम और अन्य संगठनात्मक मुद्दों पर चर्चा की



जाएगी। नितिन नवीन व्यक्तिगत रूप से नवनियुक्त पदाधिकारियों का एक-दूसरे से परिचय कराएंगे और उनसे पार्टी की अपेक्षाओं पर चर्चा करेंगे। यह बैठक भाजपा पदाधिकारियों के तौर पर उनकी नई जिम्मेदारियों की औपचारिक शुरुआत होगी। पार्टी सूत्रों के अनुसार, नए पदाधिकारियों को उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी।

सुरेन्द्र वर्मा वंदना राजपूत अजय साहू सलाम रिज़वी सत्यप्रकाश सिंह नितिन भंसाली अजय गंगवानी परवेज अहमद मणि वैष्णव दीपक पाण्डे ऋषभ चंद्राकर सोमेश चटर्जी सौरभ साहू

सुशील आनंद शुक्ला (संचार प्रमुख : प्रदेश कांग्रेस कमेटी एवं AICC मेम्बर)

1904-05 का भूमि रिकॉर्ड कामाख्या की शाश्वत विरासत का प्रमाण : सीएम सरमा

विश्व केसरी ■
गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमांता बिस्वा सरमा ने शनिवार को 1904-05 के एक ऐतिहासिक भूमि रिकॉर्ड को मां कामाख्या और सनातन सभ्यता की र्थायी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण प्रमाण बताया।
 सोशल मीडिया पर सौ साल से ज्यादा पुराने दस्तावेज की जानकारी शेरार करते हुए सरमा ने कहा कि यह रिकॉर्ड सिर्फ जमीन का एक पुराना कागज नहीं है, बल्कि कामाख्या धाम से जुड़ी गहरी आस्था, इतिहास और परंपराओं का सबूत है।
 मुख्यमंत्री ने एक पोस्ट में कहा, ‘यह दस्तावेज सिर्फ जमीन का पुराना रिकॉर्ड नहीं है, बल्कि मां कामाख्या की अनंत शक्ति और सनातन सभ्यता की जीवित विरासत का प्रमाण है।’



मुख्यमंत्री ने ऐसे ऐतिहासिक रिकॉर्ड को सुरक्षित रखने और यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि कामाख्या मंदिर से जुड़ी विरासत आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रहे। उन्होंने कहा, ‘शक्तिपीठ मां कामाख्या की इस अमूल्य विरासत को सुरक्षित रखना और इसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हमारा संकल्प है।’
 गुवाहाटी में नीलाचल पहाड़ी पर स्थित कामाख्या मंदिर हिंदू शक्ति परंपरा के सबसे प्रमुख तीर्थ स्थलों में से एक है। यहां देश-विदेश से श्रद्धालु आते हैं। यह मंदिर विशेष रूप से शक्ति की पूजा से जुड़ा है और असम के धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक परिदृश्य में एक खास स्थान रखता है।
 राज्य सरकार असम की सांस्कृतिक विरासत, धार्मिक स्थलों और ऐतिहासिक परंपराओं को सुरक्षित रखने पर जोर दे रही है। इसके साथ ही प्रमुख तीर्थ स्थलों के आसपास बुनियादी ढांचे और विकास के काम भी कर रही है।

कर्नाटक के आईएस अधिकारी के लापता होने की खबर, खड़गे ने दी जानकारी

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। कर्नाटक के आईएस अधिकारी ज्ञानेंद्र कुमार गंगवार के कथित तौर पर लापता होने की खबर सामने आई है। राज्य के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे ने खबर पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।
 खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कर्नाटक में एक आईएस अधिकारी के लापता होने की खबरें आई हैं। अधिकारी ने सरकार से संपर्क कर स्पष्ट किया है कि पारिवारिक आपात स्थिति के कारण उन्हें छुट्टी लेनी पड़ी और अपने गृह नगर जाना पड़ा।
 उन्होंने कहा कि इस दौरान उनका आधिकारिक फोन संपर्क में नहीं आ पाया, जिससे उनके ठिकाने को लेकर कुछ भ्रम और अटकलें पैदा हुईं। उन्होंने सरकार से संपर्क कर स्थिति स्पष्ट कर दी है।
 जानकारी के अनुसार, 20 अगस्त से ज्ञानेंद्र कुमार गंगवार परिवार और अन्य लोग उनसे संपर्क नहीं कर पा रहे हैं। प्रियांक खरगे ने



घटना की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि सरकार को इसकी जानकारी मिली है, फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। हालांकि, अभी तक परिवार या किसी अन्य व्यक्ति की ओर से कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।
 सूत्रों के अनुसार, आईएनएस ज्ञानेंद्र कुमार गंगवार 20 अगस्त से ही संपर्क से बाहर हैं। खबर मिली है कि उन्होंने दिल्ली जाने के लिए फ्लाइट का टिकट भी बुक कराया था।
 फिलहाल उनकी लोकेशन की कोई जानकारी नहीं मिल रही है

एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर सीएम योगी ने दिए निर्देश, अधिकारियों ने बैठक कर बनाई रणनीति

विश्व केसरी ■
लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एनसीआर क्षेत्र में बढ़ते वायु प्रदूषण पर चिंता व्यक्त करते हुए प्रभावी रोकथाम के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। अभी हाल ही में मुख्य सचिव ने पराली प्रबंधन को प्रभावी बनाने की प्रबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ अहम बैठक की। बैठक में वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए किए जा रहे उपायों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से



आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में विशेष रूप से पराली प्रबंधन के लिए उपलब्ध संसाधनों और कृषि मशीनरी की समीक्षा की गई।

अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि किसानों को पराली प्रबंधन में किसी प्रकार की समस्या न हो, इसके लिए आवश्यक बेलर एवं अन्य कृषि मशीनों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मशीनरी की कमी को दूर करने के लिए लॉजिस्टिक प्रक्रियाओं को जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों से कहा गया कि पराली जलाने की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए खेत स्तर पर निगरानी बढ़ाई जाए और किसानों को पराली न जलाने के

लिए जागरूक किया जाए। इसके साथ ही पराली प्रबंधन के उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए। बैठक में वायु प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को कहा गया कि प्रदूषण मानकों का उल्लंघन करने वाली औद्योगिक इकाइयों की नियमित जांच की जाए तथा नियमों का पालन न करने वाले उद्योगों के विरुद्ध निचयमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

बिहार: संजय झा के फरक्का बयान पर भड़के लालू प्रसाद यादव, बोले- पहले इतिहास और भूगोल समझें

विश्व केसरी ■
पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने फरक्का जलसंधि को लेकर जनता दल (यूनाइटेड) के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार झा पर तीखा हमला बोला है। लालू यादव ने संजय झा का नाम लिए बिना उन्हें ‘नौसिखिया’ बताते हुए कहा कि फरक्का बैराज के मुद्दे पर बोलने वालों को इसके इतिहास और भूगोल की जानकारी नहीं है।
 लालू यादव ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर जारी पोस्ट में कहा कि राजद ने संसद से लेकर राज्य सरकार तक हर मंच पर फरक्का बैराज का कड़ा विरोध किया था। उन्होंने



दावा किया कि उनकी दूरदृष्टि ने पहले ही पहचान लिया था कि पश्चिम बंगाल में गंगा नदी पर बने फरक्का बैराज से बिहार को गंभीर नुकसान और

खतरा हो सकता है।
 राजद अध्यक्ष ने कहा कि नीतीश कुमार ने संसद में फरक्का बैराज के मुद्दे पर काफी एक शब्द नहीं बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार ने अपने राजनीतिक जीवन में दीर्घकालिक मुद्दों के बजाय तत्काल और क्षणिक लाभ वाली राजनीति को प्राथमिकता दी।
 लालू यादव ने कहा कि नीतीश कुमार के राजनीतिक सहयोगी बने लोगों को इस विषय पर बोलने से पहले बिहार के जल संसाधन विभाग जाकर गंगा में जल उपलब्धता की स्थिति, बांग्लादेश के साथ हुई अंतरराष्ट्रीय संधि के प्रभाव और तत्कालीन राज्य सरकार द्वारा किए गए।

नोएडा: फर्जी एविएशन जॉब और एडमिशन रैकेट का खुलासा, वांछित आरोपी गिरफ्तार

नोएडा। साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना साइबर क्राइम पुलिस ने फर्जी एविएशन जॉब और एडमिशन रैकेट संचालित करने वाले गैंग के एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है।
 पुलिस ने अधिसूचना संकलन और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के विश्लेषण के आधार पर शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए आरोपी डॉक्टर अजय पुत्र धर्मपाल सिंह को गाजियाबाद से गिरफ्तार किया।
 जानकारी के मुताबिक, इस मामले में गैंग के पांच आरोपियों को पहले ही 8 जुलाई को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी सेक्टर-22, नोएडा स्थित लम्बोदर इंस्टीट्यूट के नाम से फर्जी कॉल सेंटर संचालित कर रहे थे।

	कॉर्पोरेट नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन ६ - ६) :- आई.एस.वी.टी., कर्पुल तल, रायमान, रायपुर:- Email ID - rmczone6@gmail.com पत्र क्रं /..34695...../ न. पा. नि. जोन क्रं 6/2026 रायपुर, दिनांक 22-08-2026 इशतिहार नामांतरण प्र.क्र. 34695 वाई का नाम 63 चन्द्रशेखर उमान वाई एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 63 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR449100024 जो की निगम अधिलेख श्री / श्रीमती MOHAN DALOI S/O SUBAL DALAI, SUKUMAR पिता / पति श्री/श्रीमती SUBAL PORE के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती SOURAV SANA पिता / पति श्री/श्रीमती KARTICK SANA ने मूल्य प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि परचता प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। सूचना जारी करें ' (जोन कमिश्नर) जोन (6) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
--	--

	कॉर्पोरेट नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन ६ - ६) :- आई.एस.वी.टी., कर्पुल तल, रायमान, रायपुर:- Email ID - rmczone6@gmail.com पत्र क्रं /..34697...../ न. पा. नि. जोन क्रं 6/2026 रायपुर, दिनांक 22-08-2026 इशतिहार नामांतरण प्र.क्र. 34697 वाई का नाम 60 चन्द्रशेखर आजाद वाई एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 60 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR652G0354B जो की निगम अधिलेख श्री/श्रीमती BALDAU RAM PAL पिता / पति श्री श्रीमती HEMLAL PAL के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती SHAGINA BEGUM पिता / पति श्री/श्रीमती SIKANDAR KHAN ने मूल्य प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि परचता प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। सूचना जारी करें ' (जोन कमिश्नर) जोन (6) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
--	--

	कॉर्पोरेट नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन ६ - ६) :- आई.एस.वी.टी., कर्पुल तल, रायमान, रायपुर:- Email ID - rmczone6@gmail.com पत्र क्रं /34698...../ न. पा. नि. जोन क्रं 6/2026 रायपुर, दिनांक 22-08-2026 इशतिहार नामांतरण प्र.क्र. 34698 वाई का नाम 60 चन्द्रशेखर आजाद वाई एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 60 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR652A0064A जो की निगम अधिलेख श्री/श्रीमती HARILAL KANARKAR पिता / पति श्री/श्रीमती LATE T.S. KANTKAR के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती MALEKA KAUSHAR पिता / पति श्रीमती ABDUL RAFI AHAMAD ने मूल्य प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम /अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि परचता प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। सूचना जारी करें ' (जोन कमिश्नर) जोन (6) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
--	--

	कॉर्पोरेट नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन ६ - ६) :- आई.एस.वी.टी., कर्पुल तल, रायमान, रायपुर:- Email ID - rmczone6@gmail.com पत्र क्रं /..34699...../ न. पा. नि. जोन क्रं 6/2026 रायपुर, दिनांक 22-08-2026 इशतिहार नामांतरण प्र.क्र. 34699 वाई का नाम 60 चन्द्रशेखर आजाद वाई एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 60 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR652B0671A जो की निगम अधिलेख श्री / श्रीमती ZEENAT KAUSAR पिता / पति श्री श्रीमती SHEIKH TABREJ AHMAD के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती DEEYA MULCHANDANI पिता / पति श्री श्रीमती NARESH KUMAR MULCHANDANI ने मूल्य प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम /अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि परचता प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। सूचना जारी करें ' (जोन कमिश्नर) जोन (6) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
--	--

	कॉर्पोरेट नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन ६ - ६) :- आई.एस.वी.टी., कर्पुल तल, रायमान, रायपुर:- Email ID - rmczone6@gmail.com पत्र क्रं /..34696...../ न. पा. नि. जोन क्रं 6/2026 रायपुर, दिनांक 22-08-2026 इशतिहार नामांतरण प्र.क्र. 34696 वाई का नाम 59 मोरेश्वर राव गढ़े वाई एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 59 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR651F00297 जो की निगम अधिलेख श्री / श्रीमती KAMLESH KUMAR BAGHEL पिता /पति श्री SHOBHARAM BAGHEL के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती UMESH KUMAR SAHU पिता / पति श्री/श्रीमती TIHARU RAM SAHU ने मूल्य प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि परचता प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। सूचना जारी करें ' (जोन कमिश्नर) जोन (6) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
--	--

	कॉर्पोरेट नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन ६ - ६) :- आई.एस.वी.टी., कर्पुल तल, रायमान, रायपुर:- Email ID - rmczone6@gmail.com पत्र क्रं /..34711...../ न. पा. नि. जोन क्रं 6/2026 रायपुर, दिनांक 22-08-2026 इशतिहार नामांतरण प्र.क्र. 34711 वाई का नाम 60 चन्द्रशेखर आजाद वाई एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 60 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR663Q01135 जो की निगम अधिलेख श्री / श्रीमती RACHANA SINHA पिता/पति श्री श्रीमती SONU KUMAR के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती KARNIKRIPA POWER PVT LTD DIRECTOR ANKIT CHOWDHARY पिता / पति श्री/श्रीमती RAMESH KUMAR CHOWDHARY ने मूल्य प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि परचता प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। सूचना जारी करें ' (जोन कमिश्नर) जोन (6) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
--	--

	कॉर्पोरेट नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन ६ - ६) :- आई.एस.वी.टी., कर्पुल तल, रायमान, रायपुर:- Email ID - rmczone6@gmail.com पत्र क्रं /..34710/ न. पा. नि. जोन क्रं 6/2026 रायपुर दिनांक 22-08-2026 इशतिहार नामांतरण प्र.क्र. 34710 वाई का नाम 60 चन्द्रशेखर आजाद वाई एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 60 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. RPR652G00611 जो की निगम अधिलेख श्री श्रीमती DHARMENDRA KUMAR DHANGAR, RAM KUMAR THOTE पिता/ पति श्री श्रीमती LATE NANIK RAM DHIRE के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती DHARMENDRA KUMAR DHANGAR पिता/पति श्री श्रीमती NANIK RAM DHANGAR ने मूल्य प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्ररण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि परचता प्राप्त दावा/ आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। सूचना जारी करें ' (जोन कमिश्नर) जोन (6) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
--	---

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने 32 करोड़ के कार्यों का किया भूमिपूजन

नए बस स्टैंड के लिए 6.50 करोड़ और नगर पालिका कार्यालय के लिए 3.50 करोड़ की घोषणा

विश्व केसरी ■ रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने आज महासमुंद में 31 करोड़ 60 लाख रुपए के कार्यों का भूमिपूजन किया। वे शहर के लोहिया चौक में आयोजित विभिन्न विकास कार्यों के भूमिपूजन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम में महासमुंद के नए बस स्टैंड को सुविधायुक्त और आधुनिक बस स्टैंड के रूप में विकसित करने 6 करोड़ 50 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने नगर पालिका के नए कार्यालय भवन के निर्माण के लिए 3 करोड़ 50 लाख रुपए की भी घोषणा की।

उप मुख्यमंत्री साव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार शहरों के समग्र और संतुलित विकास के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार ने पिछले ढाई वर्षों में प्रदेश की दशा और दिशा बदलने का कार्य किया है। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के



सभी शहर स्वच्छ, सुंदर और विकसित बनें। उन्होंने कहा कि राज्य के छह जिलों की स्वच्छता के क्षेत्र में पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। सरकार बिना किसी भेदभाव के विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि युवाओं के बेहतर भविष्य को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में 38 नालंदा परिसर स्वीकृत किए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक-एक गारंटी को पूरा करने की दिशा में सरकार निरंतर कार्य कर रही है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की राशि घर बैठे मिल रही है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में

नगरीय निकायों को एल्टरमैन निधि के 9.44 करोड़ जारी

रायपुर। राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने नगरीय निकायों हेतु कुल 9 करोड़ 44 लाख 25 हजार रुपए की एल्टरमैन निधि जारी की है। चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत एल्टरमैन निधि की प्रथम किस्त की 50 प्रतिशत राशि विभाग द्वारा जारी की गई है। इस मद से मनोनीत पार्षदों (एल्टरमैन) की अनुशंसा पर विकास कार्य किए जाते हैं। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने नगरीय निकायों को ये राशि जारी कर दी है। साव ने नगरीय निकायों को इस निधि का सदुपयोग करते हुए राज्य की शहरी आबादी तक योजनाओं का समुचित लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए हैं।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा राज्य के 10 नगर निगमों में एल्टरमैन निधि के कुल 2 करोड़ 7 लाख रुपए जारी किए गए हैं। 53 नगर पालिकाओं में कुल 3 करोड़ 93 लाख रुपए और 102 नगर पंचायतों में कुल 3 करोड़ 44 लाख 25 हजार रुपए की एल्टरमैन निधि विभाग द्वारा जारी की गई है।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय पेपर लीक मामले में प्रोफेसर समेत 6 गिरफ्तार



विश्व केसरी ■

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय की बीएससी कृषि द्वितीय वर्ष की कीटशास्त्र परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक करने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी प्रोफेसर समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 36 घंटे के भीतर मामले का खुलासा किया। पुलिस के अनुसार भारती एग्रीकल्चर कॉलेज, दुर्ग के प्रोफेसर योगेश सोनकेसरिया ने 20 अगस्त को होने वाली एजीसीएच-221 परीक्षा का प्रश्नपत्र लिफाफे में छेद कर मोबाइल से रिकॉर्ड किया और इसकी सामग्री छात्रों को 11 हजार रुपये में बेची। इसके बाद प्रश्नपत्र कई छात्रों तक पहुंचा और सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

जांच के दौरान पुलिस ने दुर्ग, रायपुर, कबीरधाम, बिलासपुर समेत अन्य जिलों में टीमें भेजीं। गिरफ्तार



आरोपियों के कब्जे से 11 हजार रुपये, छह मोबाइल फोन, वीडियो रिकॉर्डिंग डिवाइस, सुई, सुजा, कॉपी, केबल और अन्य सामग्री जब्त की गई। मामले में दो आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है।

‘रक्षा सूत्र’ अभियान के तहत पुलिस जवानों के लिए भेंट की गई राखियां



विश्व केसरी ■

रायपुर। सुरक्षा व्यवस्था और सशस्त्र पर तैनात वीर जवानों के प्रति सम्मान और अर्पण करने के लिए ‘रक्षा सूत्र’ जैसे विशेष अभियान चलाए जाते हैं। इस अनूठी पहल के तहत देश के आम नागरिक, महिलाएं, स्कूली छात्र और सामाजिक संगठन मिलकर सैनिकों के लिए राखियां भेजते हैं।

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर सुधमा जिला प्रशासन ने सुरक्षा में तैनात जवानों के प्रति सम्मान और अपनत्व की अमूल्य पहल की है। जिला महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिले में ‘रक्षा सूत्र’ अभियान चलाया गया। अभियान के तहत शुक्रवार को पुलिस जवानों के लिए राखियां भेंट की गई, जिन्हें जिले के सुदूर और दुर्गम क्षेत्रों में तैनात जवानों तक पहुंचाया जाएगा।

साइबर जागृति अभियान के अंतर्गत संत हरकेवल शिक्षा महाविद्यालय में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरगुजा के नेतृत्व में आयोजित हुआ जागरूकता कार्यक्रम

विश्व केसरी ■

अंबिकापुर। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल (भा. पु. से.) के दिशा निर्देशन में साइबर अपराधों के प्रति युवाओं को जागरूक करने तथा सुरक्षित डिजिटल व्यवहार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित साइबर जागृति अभियान के अंतर्गत आज संत हरकेवल शिक्षा महाविद्यालय, अंबिकापुर में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरगुजा रितेश चौधरी के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरगुजा ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को साइबर



अपराधों के बदलते स्वरूप एवं उनसे बचाव के उपायों की सतर्क रहने के संबंध में जानकारी देकर सतर्क रहने की अपील की गई। अनजान कॉल एवं संदेश तथा अन्य ऑनलाइन धोखाधड़ी से सतर्क रहने के संबंध में जानकारी देकर सतर्क रहने की अपील की गई। उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ OTP, PIN, पासवर्ड अथवा बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी साझा न करें तथा संदिग्ध लिंक, कॉल या मैसेज

पर बिना सत्यापन के भरोसा न करें। साइबर अपराध की स्थिति में घबराने के बजाय तत्काल संबंधित माध्यम से शिकायत करने और आवश्यक सहायता प्राप्त करने के लिए भी प्रेरित किया गया। वहीं महिला थाना प्रभारी सुनीता भारद्वाज द्वारा साइबर जागृति अभियान के उद्देश्य एवं कार्यक्रम की रूपरेखा के संबंध में जानकारी दी गई। उन्होंने विद्यार्थियों को साइबर अपराधों से बचाव के लिए जागरूक एवं सतर्क रहने की समझाइश देते हुए स्वयं जागरूक रहने के साथ अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया।

मानव-हाथी द्वंद्व कम करने में ‘हाथी मित्र दल’ की भूमिका महत्वपूर्ण : केदार कश्यप



विश्व केसरी ■

रायपुर। छत्तीसगढ़ में हाथी-मानव द्वंद्व को रोकने और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए वन विभाग द्वारा ‘हाथी मित्र दल’ (हाथी मित्रान) के सदस्यों को कोरबा प्रवास के दौरान पुरका मोटरसाइकिल और सुरक्षा किट (सुरक्षा उपकरण) प्रदान किए जा रहे हैं। राज्य में वन्यजीवों के संरक्षण और जंगल से लगे इलाकों

में जनसुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वन विभाग लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने (हाथी मित्रान) के सदस्यों को कोरबा प्रवास के दौरान पुरका मोटरसाइकिल और सुरक्षा किट (सुरक्षा उपकरण) प्रदान किए जा रहे हैं। राज्य में वन्यजीवों के संरक्षण और जंगल से लगे इलाकों (किट) वितरित किए।

नेत्रदान को बढ़ावा देने राज्य स्तरीय कार्यशाला स्वास्थ्यकर्मियों को दिया गया प्रशिक्षण

विश्व केसरी ■

रायपुर। क्षेत्रीय नेत्र अनुसंधान संस्थान एवं नेत्र रोग विभाग, पं. जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर द्वारा ‘नेत्रदान प्रक्रियाओं पर नवीनतम जानकारी’ विषय पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन टेलीमेडिसिन हॉल, डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर में किया गया।

यह कार्यशाला प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए नेत्र स्वास्थ्य अधिकारियों एवं सहायक नेत्रदान अधिकारियों के लिए आयोजित की गई। स्वास्थ्य सेवाएं संचालनालय द्वारा 32 जिलों से प्रतिभागियों का नामांकन



किया गया तथा नामांकन अनुसार प्रदेश के विभिन्न जिलों से 100 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण में भाग लिया। स्वास्थ्य मंत्री की प्रेरणा से शुरू हुई पहल कुछ माह पूर्व चिकित्सा महाविद्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने श्रीलंका में नेत्रदान की उच्च दर का उल्लेख करते हुए प्रदेश में नेत्रदान को और अधिक बढ़ावा देने की

आवश्यकता पर जोर दिया था। उन्होंने विभाग को इस दिशा में ठोस पहल करने के लिए प्रेरित किया था। इसी प्रेरणा को आगे बढ़ते हुए क्षेत्रीय नेत्र अनुसंधान संस्थान द्वारा यह कार्यशाला आयोजित करने की पहल की गई। राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े (25 अगस्त से 8 सितम्बर) के प्रारंभ होने से पहले नेत्रदान से जुड़े स्वास्थ्यकर्मियों को व्यापक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण देने का निर्णय लिया गया।

रक्षाबंधन के अवसर पर रायपुर संभाग में रविवार को खुले रहेगे विशेष डाकघर काउंटर

विश्व केसरी ■

रायपुर। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए डाक विभाग ने रायपुर संभाग के अंतर्गत आने वाले डाकघरों के संचालन को लेकर विशेष व्यवस्था की है।दिनांक 23 अगस्त 2026 (रविवार) को रायपुर संभाग के सभी विभागीय डाकघरों—जिसमें प्रधान डाकघर, मुख्य डाकघर और उप-डाकघर शामिल हैं—के काउंटर आम जनता के लिए खुले रहेंगे, ताकि रक्षाबंधन के लिए राखियों की बुकिंग और प्रेषण का कार्य सुचारु रूप से किया जा सके। इसके अतिरिक्त, नागरिकों को प्रशासनिक सुविधाओं का लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से 23 अगस्त 2026 (रविवार) को रायपुर प्रधान डाकघर (जीपीओ) में कार्यालयीन समय के दौरान आधार पंजीयन एवं अद्यतनीकरण (अपडेशन) का कार्य भी नियमित रूप से चालू रहेगा। डाक विभाग ने जन सामान्य से अपील की है कि वे रविवार को अपने निकटतम विभागीय डाकघर जाकर इन विशेष सुविधाओं का लाभ उठाएं।

शक्कर 30-40 रुपये से बढ़कर 70 रुपये किलो, चावल एक साल में 11.5% महंगा, रसोई पर महंगाई की दोहरी मार : सुशील सन्नी अग्रवाल

विश्व केसरी ■

रायपुर। आम आदमी की थाली पर महंगाई की मार लगातार बढ़ती जा रही है। इसकी पुष्टि अब सरकारी आंकड़े भी कर रहे हैं। थोक से लेकर खुदरा बाजार तक चावल और शक्कर के साथ साथ अन्य खाद्य पदार्थ के दामों में बेतहाशा उछाल आया है। 11.5 फीसदी बढ़ गए :- सरकारी रिपोर्ट के अनुसार बीते एक साल में चावल के दाम औसतन 11.5 फीसदी बढ़ गए हैं, जबकि अकेले पिछले एक महीने में ही 3 फीसदी की तेजी आई है। 70 रुपये किलो तक पहुंच गई :- वहीं शक्कर के दाम तो आसमान छू रहे हैं। जो शक्कर एक महीने पहले तक 30 से 40 रुपये किलो बिक रही थी, वही अब 70 रुपये किलो तक पहुंच गई है। पिछले 30



दिनों में ही शक्कर में करीब 17 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे आम रसोई का बजट पूरी तरह बिगाड़ गया है। वहीं महंगाई को लेकर किसी भी तरह की कोई आंदोलन नहीं किया जा रहा है या यू कहें कि महंगाई को लेकर सब ने चुप्पी साध ली है।

मध्यम वर्ग की कमर तोड़ दी:- बढ़ती महंगाई को लेकर कांग्रेस ने सरकार को घेरा है। कांग्रेस नेता पूर्व कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त सुशील सन्नी अग्रवाल ने कहा कि महंगाई ने गरीब और मध्यम वर्ग की कमर तोड़ दी है। उन्होंने यह भी कहा कि ‘सरकारी आंकड़े खुद बता रहे हैं कि महंगाई चरम पर है। चावल साल भर में 11.5% महंगा हो गया और शक्कर जो 30-40 रुपये थी वो आज 70 रुपये हो गई है। केन्द्र और राज्य कि सरकार सो रही है और जनता महंगाई से जूझ रही है।’ नियंत्रण किया जाए :- उन्होंने सरकार से मांग की है कि जल्द से जल्द शक्कर और चावल के बढ़ते दामों के साथ साथ अन्य खाद्य पदार्थों पर नियंत्रण किया जाए। अगर सरकार इस ओर ध्यान नहीं देगी तो फिर उग्र आंदोलन किया जाएगा।

दूध उत्पादन बढ़ाने और लागत घटाने गरियाबंद में ‘रेड नेपियर’ का अभिनव प्रयोग

विश्व केसरी ■

गरियाबंद (हेमंत तीरपुड़े)। डेयरी पालन में अब सिर्फ दूध उत्पादन बढ़ाना ही लक्ष्य नहीं, बल्कि दूध की लागत कम कर पशुपालकों की आमदनी बढ़ाना भी जरूरी हो गया है। इसी दिशा में गरियाबंद विकासखंड में हरे चारे को लेकर किए जा रहे नए प्रयोग डेयरी क्षेत्र के लिए उम्मीद की नई किरण बनकर सामने आए हैं। विभाग की तकनीकी सहायता से शहर और आसपास के डेयरी पशुपालकों ने अत्याधुनिक रेड नेपियर चारे की खेती शुरू की है।

पिछले 4-5 वर्षों में विभाग की महत्वाकांक्षी डेयरी उद्यमिता विकास योजना के चलते गरियाबंद शहर और आसपास के क्षेत्रों में लघु डेयरियों की संख्या में वृद्धि हुई है। इससे लोगों को शुद्ध एवं ताजा दूध उपलब्ध होने के साथ ही अन्य पशुपालकों का



रझान भी डेयरी व्यवसाय की ओर बढ़ा है। हालांकि पशुपालकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती पशुओं के दाना और अन्य खुराक पर होने वाला खर्च है। डेयरी फार्म की कुल लागत में पशुओं की खुराक का बड़ा हिस्सा

होता है। ऐसे में यदि पशुपालक अपने खेत में पर्याप्त मात्रा में पौष्टिक हरा चारा तैयार कर लें तो बाजार से दाना एवं चारा खरीदने पर होने वाला आर्थिक दबाव कम किया जा सकता है। इसी सोच के साथ गरियाबंद में हरा चारा उत्पादन को बढ़ावा दिया जा

रहा है। गरियाबंद क्षेत्र के पशुपालकों ने विभागीय तकनीकी मार्गदर्शन से रेड नेपियर चारा लगाया है। बताया गया है कि इस चारे में लगभग 20-22 प्रतिशत तक प्रोटीन पाया जाता है तथा इसमें गन्ने जैसी मिठास होती है।

यह पौष्टिक चारा दुधारु पशुओं की आहार व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है और संतुलित पशु आहार के साथ इसके उपयोग से पशुपालकों को आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। यह रेड नेपियर ओडिशा के संबलपुर जिले स्थित सेंट्रल कैटल ब्रीडिंग फार्म से मंगाया गया है। राज्य में इस अत्याधुनिक चारे को पशुपालकों के स्तर पर लगाने का यह शुुरुआती और उल्लेखनीय प्रयास है।

गरियाबंद की एक और खास पहल मक्का और नेपियर के क्रॉस से तैयार हाइब्रिड चारे को लेकर है। पशु चिकित्सायुग गरियाबंद सहित कुछ अन्य पशुपालकों द्वारा वर्तमान में इस फसल को बीज उत्पादन के उद्देश्य से लगाया गया है। इसे प्रदेश में हरे चारे के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण नवाचार के रूप में देखा जा रहा है।

हरे चारे का स्थानीय स्तर पर उत्पादन पशुपालकों के लिए कई मायनों में फायदेमंद साबित हो सकता है। इससे बाजार से चारा खरीदने की निर्भरता घटेगी, पशुओं को पौष्टिक आहार उपलब्ध होगा और डेयरी संचालन की लागत में कमी आने की संभावना रहेगी। परिणामस्वरूप दूध उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ पशुपालकों की शुद्ध आय में वृद्धि का रास्ता भी खुल सकता है। गरियाबंद विकासखंड में शुरू हुए रेड नेपियर और मक्का-नेपियर हाइब्रिड चारे के प्रयोग को सस्टेनेबल डेयरी फार्मिंग की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यदि इन प्रयोगों के सकारात्मक परिणाम सामने आते हैं तो आने वाले समय में प्रदेश के अन्य क्षेत्रों के पशुपालक भी इसे अपनाकर डेयरी व्यवसाय को अधिक लाभकारी और टिकाऊ बना सकते हैं।

दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर में शांतिधारा स्वाध्याय व दीक्षार्थियों का भव्य बिंदोला



विश्व केसरी ■

रायपुर। समयोपदेश वर्षायोग (चातुर्मास) 2026 के अंतर्गत मालवीय रोड स्थित दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर में शनिवार का दिन अत्यधिक भक्ति, संयम और उत्साह के वातावरण में संपन्न हुआ। मुनिसंघ के पावन सानिध्य में प्रातःकाल से लेकर संध्या तक विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान, स्वाध्याय, आहारदान, दीक्षार्थी सम्मान एवं संस्कार कार्यशालाओं का आयोजन

किया गया। समयोपदेश वर्षायोग 2026 समिति के कार्यकारी अध्यक्ष संजय नायक जैन एवं उपाध्यक्ष श्रद्धेय जैन विक्की,मोडिया प्रभारी प्रणीत जैन ने संयुक्त रूप से बताया कि आज प्रातः 7:30 बजे बड़ा मंदिर में मूलनायक भगवान की बेदी के समक्ष जिनैन्द्र प्रभु का अधिषेक एवं बृहद शांतिधारा का आयोजन किया गया। मुनि पुनीत सागर के मुखारविंद से उच्चरित पावन मंत्रोच्चार के बीच शांतिधारा संपन्न हुई।

कहानी



लोकेन्द्र सिंह

दोपहर हो गई है। सूरज ठीक नीम के विशाल और घने वृक्ष के ऊपर आ गया है। नीम चौपाल के ठीक बीच में है। नीम इतना विशाल-घना है कि उसकी शाखाओं ने पूरी चौपाल और आसपास के रास्ते को ढक रखा था। इस वक्त चौपाल पर सूरज की एक-दो किरणें ही नीम की शाखाओं से जिरह करके आ पा रही हैं वरना तो पूरी चौपाल नीम की शीतल छांव के आगोश में है। इधर-उधर कुछ बच्चे कंचे खेल रहे हैं और कुछ बुजुर्ग नित्य की तरह ताश की बाजी में भाग्य आजमा रहे हैं। रामसिंह कक्का अपनी चिलम बना रहे हैं। उनका एक ही ऐब है, चिलम पीना। यह भी उम्र के साथ आया। चौपाल पर इस वक्त लोगों का आना शुरू हो जाता है। बारेलाल भी अपने पशुओं को इसी वक्त पानी पिलाकर सीधे चौपाल पर आता है। आज उसे आने में थोड़ी देर हो गई है।

आज बारेलाल गांव के शासकीय स्कूल के प्राचार्य हरिबाबू के साथ चौपाल आया है।

हरिबाबू ने आते ही कक्काजी को राम-राम कहा। कक्का ने पूछा- काहे बड़े बाबू कैसे हो? भोत दिनन में इतकी आए हो, काहा बात है? सब खेरियत तो है?

मास्साब ने कहा- बस दादा सब ईश्वर की कृपा और आपका सहयोग है। बात यह है कि दो दिन बाद 15 अगस्त है। सो आपको न्योता देने आया हूँ।

कक्का की चिलम अब तक तैयार हो चुकी थी। उन्होंने एक दम लगाकर कहा- अरे मास्टर जी जा काम में न्योता की का जरूरत है, हम तो हरसाल अपए आप ही चले आत हैं। सब बच्चा लोगन का नाटक, गीत-संगीत सुनत हैं।

मास्साब ने सहमति में सिर हिलाते हुए निवेदन किया- कक्काजी वो तो हम भी जानते हैं आप स्कूल को लेकर बड़े संजीदा रहते हैं। बीच-बीच में भी बच्चों की पढ़ाई की जानकारी लेते रहते हैं। इस बार हम आपको स्वाधीनता दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में न्योता देने आए हैं।

कक्का ने हंस्ते हुए कहा- अरे सरकार रहन दो आप। अतिथि और काहू को बनाए लो, हम तो ऐसेई आ जाएंगे।

बारेलाल ने भी हां में हां मिलाई। मास्साब चाहते थे कि इस बार कक्का जी को ही मुख्य अतिथि बनाया जाए। असल में वह कक्का के विचारों और बच्चों की पढ़ाई को लेकर उनकी सजगता से काफी प्रभावित थे। कक्का की मदद से ही जर्जर स्कूल भवन का जीर्णोद्धार हो सका था। जब से गांव में शराब का प्रचलन बढ़ा है, बुराइयों का जमावड़ा गांव में हो गया है। शराबी बोतल की जुगाड़ के लिए स्कूल के गेट-खिड़की तक उखाड़ ले गए थे। वह तो कक्का ही थे जिन्होंने पहल करके स्कूल की सुरक्षा व्यवस्था चौकस की।

एक दिन की बात है, भीकम दारू पीकर स्कूल चला आया था। भीकम गांव के चौधरी खानदान का बिगड़ेल लड़का है। हट्टा-कट्टा जवान लेकिन काम-धाम कुछ नहीं करना। आवारगी

आज़ादी का अर्थ..



आजादी की वर्षगांठ पर कक्काजी से ही ध्वजारोहण कराने का निर्णय स्कूल के प्राचार्य हरबाबू कर चुके थे। इसलिए आज वे कैसे भी करके कक्काजी की सहमति ले लेना चाहते हैं। हरिबाबू ने ज़िद करके उनसे कहा- नहीं इस बार तो आपको ही झंडा फहराना है।

आखिर हरिबाबू कक्काजी को राजी करने में सफल हो गए। आत्मसंतोष और खुशी की भाव लेकर हरिबाबू चल दिए थे।

और मटरगस्ती करना उसकी जीवनचर्या बन गई है। चौधरी खानदान का वर्षों में कमाया सब नाम डुबा दिया है भीकम ने। वह स्कूल की शिक्षिका और शिक्षकों के साथ बदतमीजी कर रहा था। कक्का उस रोज पंचायत भवन में बैठे थे। बारेलाल पहले उन्हें ढूंढ़ते हुए चौपाल पर पहुंचा, जब कक्का चौपाल पर नहीं मिले तो वह दौड़ता हुआ पंचायत भवन की ओर गया। यहां उसने स्कूल में चल रही भीकम की हरकत कक्का को सुना डाली। कक्काजी उसी क्षण अपनी लाठी लेकर अकेले ही स्कूल भवन की ओर तेज-तेज कदमों से चल दिए थे। बारेलाल भी पीछे-

पीछे चला आ रहा था।

स्कूल पहुंचते ही कक्काजी ने भीकम को ललकारा- ओ हरामजादे, इतें देख। तेरी सगरी खाल खींच लेंगे कमीने, अगर तूने एक भी मास्टरनी और मास्टर से तू करके भी बात की तो। परे हट जा यहां से। आगे कबहूँ स्कूल के आसपास न फटकियो वरना हम भूल जांगे के तू हम्राए दोस्त चौधरी वीर सिंह की औलाद है।

भले ही भीकम गांव में दादागिरी और रसूख झाड़ता था लेकिन कक्काजी के सामने आंख उठाने की ही उसकी हिम्मत नहीं थी। कक्काजी की फटकार सुनकर, दांत पीसते हुए भीकम वहां से निकल गया। लेकिन, कक्काजी की चेतावनी को उसने आज तक नजरअंदाज नहीं किया।

इस घटना के बाद शिक्षिकाओं में डर बैठ गया था। उन्होंने तत्काल ही कक्काजी से कह दिया था कि अब हम महिलाएं यहां नहीं पढ़ा सकेंगे।

तब कक्काजी ने ही कहा था कि आप जेहीं पढ़ाएंगी, आपसे निवेदन हैं। आपको भरोसा देत हैं कि अब कबहूँ आपके मान-सम्मान में कोउ कमी न आएगी। जो कोई तुम्हें परेशान कर दे तो अपनी मूंडे नीचें रखेंगे जीवनभर। कक्काजी से भरोसा मिलने के बाद शिक्षिकाएं स्कूल आती रहीं।

आजादी की वर्षगांठ पर कक्काजी से ही ध्वजारोहण कराने का निर्णय स्कूल के प्राचार्य हरबाबू कर चुके थे। इसलिए आज वे कैसे भी करके कक्काजी की सहमति ले लेना चाहते हैं। हरिबाबू ने ज़िद करके उनसे कहा- नहीं इस बार तो आपको ही झंडा फहराना है।

आखिर हरिबाबू कक्काजी को राजी करने में सफल हो गए।

आत्मसंतोष और खुशी की भाव लेकर हरिबाबू चल दिए थे। मास्सब के जाने के बाद व्याकुल बारेलाल ने कक्काजी से कहा-कक्का ये 15 अगस्त का होत है और ये 15 अगस्त को ही काए आतो है। तब कक्का ने उसे भारत के इतिहास की कहानी विस्तार से सुनाई। कक्काजी रामसिंह स्वतंत्रता सेनानी थे, भले ही सरकारी कागजों में उन्होंने आजादी की जंग न लड़ी हो। कक्काजी जवानी के दिनों में क्रांतिकारी दल के सदस्य थे। अंग्रेजी सेना की एक टुकड़ी से लड़ाई में वे गंभीर घायल हो गए थे। इसके बाद वे चाहकर भी क्रांति नहीं कर सकते थे इसलिए अहिंसक आंदोलनों की ओर मुड़ गए। कक्काजी गांधीजी के आंदोलनों में जोश के साथ भाग लेने लगे थे।

कक्काजी ने काफी देर तक आजादी की कहानी सुनाई और आजादी के समारोहों का महत्व बताया, तब जाकर बारेलाल को कुछ पल्ले पड़ा। उसने सिर खुजाते हुए कहा-धत् तेरे की ! मैं तो अब तक जो सब जानत ही नहीं हतो। मैं तो बस जई जानतो हतो कि जा दिना पुराने स्कूल और पंचायत की पीली बिल्डिंग पर झंडा लहराओ जात है। और सही बताईं तो मैं जा दिना स्कूल में सिर्फ दो लडुआ लेवे ही जात हतो। अब समझ में आई जै दिन तो हमें बड़े जतन के बाद नसीब हुआ था। जै हो उन वीरां लोगन की जिनकी बंदौलत हमें आजादी मिली है।

बालकथा

रक्षाबंधन की नीली राखी



वीरेंद्र बहादुर सिंह

फैली हुई थी, जो उसकी मां द्वारा बनाई जा रही पारंपरिक घेवर और जलेबी का संकेत दे रही थी।

उसका आठ साल का भाई तुषार कुछ अलग हो था। वह दैविका से बहुत प्यार करता था, लेकिन उस दिन दूसरी कालोनी से क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल था और उसकी टीम देवनगर वॉरियर्स का मुकाबला

मजबूत स्टेशन रोड स्टाड्कर्स से था।

दैविका ने तुषार के लिए एक खास राखी बनाने में कई सप्ताह बिताए थे। साधारण धागे या किसी कार्डून वाले डिजाइन के बजाय उसने पुराना नीला रेशमी धागा जुटाया था, जो देवनगर वॉरियर्स की टीम के रंग का था और उस पर छोटे-छोटे चांदी के सितारे बहुत सावधानी से चिपकाए थे। वह राखी बहुत सुंदर दिखाई दे रही थी, मानो एक छोटी-सी आकाशगंगा चमक रही हो।

अपनी भाग्यशाली नीली वॉरियर्स जर्सी पहने तुषार पहले से ही बरामदे में उछलकूद कर रहा था। कह रहा था, ‘दीदी, जल्दी करो। मैच एक घंटे में शुरू हो जाएगा।’

दैविका हंस्ते हुए अपनी नई हरी कुर्ती ठीक करती हुई बोली, ‘पहले जरूरी काम, तुम्हें मेरी रक्षा करने का वादा करना होगा और फिर आरती होगी।’

तुषार ने नाटकीय ढंग से कराहते हुए कहा, ‘तुम्हारी रक्षा? दीदी, तुम तो मुझसे बड़ी हो। और अगर मैं तोंस के लिए देर से पहुंचा तो हम हार सकते हैं।’

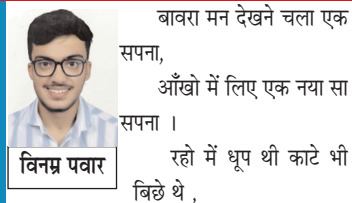
उनकी मां हंस्ते हुए दोनों को पूजा के छोटे-से स्थान पर बुलाने लगीं। तुषार अधीर होकर बैठ गया और उसके पैर लगातार हिल रहे थे। दैविका ने आरती की, उसके माथे पर लाल कुमकुम और अक्षत का तिलक करना होगा और फिर बहुत सावधानी से उसके दाहिने हाथ पर नीली आकाशगंगा जैसी राखी बांध दी। ‘रूको दीदी, देखो।’ तुषार ने इशारा किया।

राखी के बीच में उसने तीन छोटे-छोटे चांदी के सितारे एक सीधी पंक्ति में लगाए थे, जो तुषार, दैविका और उनकी मां का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। इस बात ने तुषार के हिलते हुए पैरों को रोक दिया। उसे अहसास हुआ कि दैविका ने राखी बनाने में कितनी मेहनत की थी। उसने दैविका को कसकर गले लगाते हुए कहा, ‘धन्यवाद दीदी। मुझे यह बहुत पसंद है। और हाँ, मैं हमेशा तुम्हारा ध्यान रखने का वादा करता हूँ।’

फिर उसने उस चमकीले रंग का एक छोटा-सा लिफाफा दिया, जिसमें उसकी बचाई हुई जेब खर्च की रकम और उसका बनाया हुआ दैविका का एक छोटा-सा चित्र था।

विश्व केसरी

कविता



बावरा मन देखने चला एक सपना,
आँखों में लिए एक नया सा सपना ।
रहो में धूप थी कांटे भी बिछे थे ,
फिर भी कदम उम्मीद के संग थे ॥

चाँद को छूने की क्षिद लिए चला,
तारो से अपने हिस्से का उजाला मांग चला ।
कुछ ख्वाइशें अधूरी रही कुछ पूरे हो गईं ।
मगर उम्मीद की लौ कभी कम न हुई॥

बस एक अनकही सी पुकार थी ,
जो हर धड़कन के साथ सुनाई देती थी ।
शायद वह मेरी ही रूह थी,
को मुझे मुझ तक बुला रही थी ॥

मैंने हवाओ की उँगली थामी ,
और बादलों से बातें करने लगा ।

बावरा मन...

पहाड़ों की खामोशी में
अपने दिल का शोर सुनने लगा ॥
मैं गिरा भी टूटा भी
कई बार खुद से रूठा भी ,
लेकिन हर बार किसी नई सुबह ने मुझे फिर
जीना सिखाया भी और उठाया भी ॥

मैं मंजिल नहीं
सफ़र से मोहब्बत करने लगा ,
हर हर में भी जीत का कारण ढूँढ़ने लगा ।
जो बिखरा था वही फिर से सवारने लगा ,
जो खो गया था वही खुद से मिलाने लगा ॥

जब आईने ने पूछा- क्या पाया ?
होठ मुस्कुराये,आँखें नम थीं ।
बस इतना कहा - बावरा मन
देखने चला एक सपना
(एच्.बी.बी. एस. छात्र)

लघुकथा

संतान का सुख!



संतोष खन्ना

मोहन बाबू दफ्तर से घर आए। पत्नी रसोई में चाय बना रही थी। चाय के साथ ब्रेड के दो पीस खाकर वह फिर घर से चले जाएंगे और आधी रात तक सड़कों पर किराए का थ्री व्हीलर दौड़ावेंगे। देखा जाए तो उनका वेतन घर चलाने के लिए भी पर्याप्त नहीं पड़ता. ऊपर से सीमा और सूर्य की कॉलेज की पढ़ाई का खर्चा। तभी अपने छोटे-से पुराने टीवी के एक विजुअल में उन्हें अपना बेटा सूर्य दिख गया?। उसके हाथ में पत्थर था,जो उसने पुलिस की ओर चला मारा, वह एक पुलिस वाले के माथे पर

लगा। उसके सर से खून बहने लगा।
‘अरे.. अरे.. सूर्य, यह क्या कर रहा है?..यह आंदोलन है कि हिंसा का अखाड़ा?’ तब तक टीवी विजुअल बदल गया। भीड़ में गुंडे से दिखने वाले कई लोग बराबर वहां पत्थरबाजी कर रहे थे। तभी स्क्रीन पर उन्हें सीमा भी दिख गई, जो मंत्रियों को गालियां बक रही थी, ‘हरामियों, तुम्हारी तो मां को.....,!’ अपनी ही बेटी के मुंह से शर्मिंदा कर देने वाली गाली सुनकर उन्होंने अपने कानों पर हाथ रख लिया, ‘हे भगवान..!’
वह अपना माथा पकड़ कर वहीं कुर्सी पर धराशायी हो गये। पत्नी उन्हें बार-बार हिला रही है पर मोहन बाबू तो शर्मिंदगी की धरती में समा चुके थे।

सम्पादक, विधि भारती, नई दिल्ली

लघु कहानी

सच्चा रक्षाबंधन

डॉ. निरंकार श्रीवास्तव

राखी का त्योहार की यूं तो एक तिथि नियत है, परंतु उसका उत्साह और इतिज्ञात महीनों पूर्व शुरू हो जाता है। बाजार भी रंगबिरंगी रथियों से साज जाते हैं , और हर उम्र की लड़कियां व महिलायें राखी खरीदीती दिख जाती हैं। इधर घरों में परिवारों में भी एक उल्लास का वातावरण हो जाता है, मौसम भी इन दिनों में सुहावना हो जाता है।

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी राखी आने के कुछ दिन ही बचे हैं। पिछले सप्ताह मैं भी अपनी पत्नी के भाइयों के लिए राखी वाले लिफाफे स्पीड पोस्ट करने पोस्ट ऑफिस पहुंचा। क्या देखता हूँ कि स्पीडपोस्ट विंडो पर एक लंबी कतार है। करीब 14–15 लोग मेरे आगे खड़े अपनी बारी आने का बेसब्री से इंतिज़ार कर रहे हैं। उनमें से अधिकतर महिलायें अपने मेहंदी लगे हाथों में अपने भाइयों को राखी पोस्ट करने के लिए खड़ी हैं. तभी एक सफेद साड़ी पहने वृद्ध महिला एक हाथ में लिफाफा व दूसरे हाथ में छड़ी लिए का आगमन हुआ. आते ही लंबी लाइन देख कर लग्गें बड़ बड़ करने । ‘मुझे लाइन में खड़े होना बिल्कुल भी ठीक नहीं लगता । कम से कम आजकल के भीड़ वाले दिनों में पोस्ट ऑफिस वालों को 2 –3 और काउन्टर खोलने चाहियें ’या वरिष्ठ नागरिकों के लिए हाथ लाइन होनी चाहिए ’।

उन्हे हैरान परेशान देख मेरे पीछे लाइन में खड़े व्यक्ति ने उन्हे पास में रखी बेंच पर बैठने को कहा। दूसरे ने उन्हे अपनी वाटर बोतल से पानी पीने को दिया। तभी उनसे भी पीछे खड़े सज्जन ने कहा, ‘ क्यों न आप हम से आगे जाकर अपनी राखी पहिले पोस्ट कर दें ’ । मेरे साथ औरों ने भी समवेत स्वर से कहा, कि पहिले आप पोस्ट करदें। आखिरकार थोड़ी झिझक के साथ उन महिला ने अपनी राखी पोस्ट कर दी।

उसके बाद उन्होंने अपनी छड़ी पास की बेंच पर रख कर हम सब के सामने हाथ जोड़ कर भाव विहल सी खड़ी हो गई। कुछ पल तक वे कुछ ना बोल सकीं । फिर एक गहरी सांस ले कर बोली, ‘जिन मेरे दो छोटे सगे भाइयों को अभी दो राखी पोस्ट की है, वो इसे मिलने की सूचना भी नहीं भेजेंगे, और राखी वाले दिन जब मैं उनको फोन करूंगी, तब ही पूछने पर बताएंगे कि राखी उन्हे मिल गई है ’। एक आप लोग हैं, मेरा इतना ध्यान व मान रखा। आप सब मेरे सगे भाई बहिनों से भी ऊपर हो। भाई तो वही है जो आड़े वक्र्त बहिन के काम आए। मेरी तो रक्षा बंधन आज ही मन गई। उन्हे अपनी साड़ी की कोर से अपनी आखें पोंछते देख हम में से कइयों के नेत्र सजल हो गए ।

मुझे भी उनमें अपनी इकलौती छोटी बहिन की छवि दिखी, जिसे आज से पच्चीस वर्ष पूर्व भगवान ने अपने पास बुला लिया।

94/157, मानसरोवर, जयपुर –302020

लघुकथा

अनोखा उपहार



शोभा गोयल

बात पिछले रक्षाबंधन की थी। सुरभि खरीदारी की लिस्ट बना रही थी। राखी, मिठाई, चॉकलेट और उपहार लम्बी फेहरिस्त थी। मगर अभी भी असंजस में थी कि बुआजी ने एक क्या खरीदे। बुआ जी कई सालों बाद राखी पर घर आ रही थी । पापाजी ने कहा, ‘उसे क्या देना है, मैं जानता हूं बहूँ, तुम परेशान मत हो। जाओ, रक्षाबंधन मनाने की तैयारी करो।’ तय समय पर बुआजी घर आ गयीं। उनके आते ही घर में रौनक हो गयी। रौली, चावल और राखी रखकर थाली सजाई गई। बुआजी जैसे ही राखी बांधने को हुई पापाजी ने उनकी नाक खींच दी। ‘भइया! शैतानी नहीं...चुपचाप राखी बंधवाओ।’ बुआजी की डांट सुनकर पापाजी ने शालीनता से राखी बंधवाने के लिए हाथ आगे सव्हा दिया। राखी बांधकर बुआजी ने अपना उपहार लेने के लिए हाथ आगे बढ़ाया। पापाजी ने खड़ी-मीठी गोलियां मुट्ठी में दिखाई मगर दी नहीं। इन गोलियों के चक्कर में दोनों में भागम-भाग शुरू हो गयी। आगे-आगे पापाजी और पीछे पीछे बुआजी। थोड़ी देर बाद दोनों उन गोलियों का स्वाद लेकर बचपन की यादों में खो गये। बच्चे उन दोनों के बचपन के किस्से बड़े चाव से सुन रहे थे। उनके लिए आज दोनों कौतुहल थे। थोड़ी देर बाद दोनों ने कैरम की बाजी लगाई और खेल खेल में बेइमानी करने लगे। दोनों एक दूसरे के कान पकड़कर लड़ने लगे। इसके बाद कपड़े की बाँल से पकड़ा पकड़ीं खेलने लगे। ऐसा लगा जैसे वे दोनों छोटे बच्चे हो। शाम को पापा जी बुआ की पसंद की कुल्फी लेकर आए। दोनों ने बड़े चाव से खाई। एल्बम में बचपन की फोटो देखते हुए दोनों भावुक हो गए। शाम की चाय तक दोनों की नोक झोंक खत्म नहीं हुई थी। एकाएक बुआजी भावुक होकर बोली, ‘इस रक्षाबंधन पर भैया आपने मुझे बचपन लौटाकर अनोखा उपहार दिया है।

प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर

स्कूल बस की चपेट में आने से मासूम की मौत

विश्व केसरी■
बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। खंडसरा पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम सेमरिया में शनिवार सुबह लगभग 7:00 बजे डी ए वी पब्लिक स्कूल जाता की स्कूल बस की चपेट में आने से 3 वर्षीय बालिका सीबी उर्फ फाल्गुनी साहू पिता खेमराज साहू की घटना स्थल पर ही मौत हो गई घटना के संबंध में खण्डसरा पुलिस चौकी प्रभारी कवल सिंह नेताम ने बताया कि प्रतिदिन की तरह डी ए वी पब्लिक स्कूल जाता की बस ग्राम सेमरिया में सेवा सहकारी समिति सेमरिया के अध्यक्ष संतोष साहू के घर के सामने आकर खड़ी हुई थी संतोष साहू अपने बड़ी नातिन साधना को बस में बिठाकर लौट रहे थे इसी दौरान संतोष साहू की 3 वर्षीय नातिन सीबी उर्फ फाल्गुनी साहू अपने दादा संतोष साहू की ओर दौड़ कर जा रही थी कि अचानक बस की चपेट में आ गई जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई।

खंडसरा पुलिस चौकी प्रभारी कवल सिंह नेताम ने बताया कि सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचकर मासूम को इलाज के लिए खंडसरा सीएससी सेंटर लाया गया जहां डॉक्टरों ने बालिका को मृत घोषित कर दिया मासूम की डेड बाँड़ी को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल बेमेतरा लाया गया पोस्टमार्टम के



बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है खंडसरा पुलिस चौकी प्रभारी कवल सिंह नेताम ने बताया कि डी ए वी पब्लिक स्कूल जाता की बस क्रमांक सीजी 07 डीएफ 3669 के चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है और एक्सीडेंट का मामला कायम कर विवेचना की जा रही है। मासूम की मौत के मामले को लेकर अब सवाल लिया है कि आखिरकार यह घटना हुई कैसे प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार मासूम सीबी उर्फ फाल्गुनी बस के पिछले पहिए में आने के कारण घटनास्थल पर ही उसकी मौत

हो गई गांव के कुछ लोगों का कहना है की बच्ची खेल रही थी और बस की चपेट में आ गई वहीं कुछ अन्य लोगों का कहना है कि बस में मासूम की बड़ी बहन साधना को बस बिठाने गए मासूम के दादा के पीछे-पीछे बच्ची दौड़ रही थी तब बस की चपेट में आई बालिका के संबंध में वाहन चालक को जानकारी ही नहीं हो पाई क्योंकि वह पिछले चक्के की चपेट में आ गई और चालक को जानकारी ही नहीं मिल पाई। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच पड़ताल कर रही है। इस संबंध में डीएवी पब्लिक स्कूल जाता के प्रिंसिपल पी एल जायसवाल ने बताया कि घटना की जैसी ही जानकारी मिली अपने स्कूल स्टॉप के साथ तत्काल घटना स्थल पहुंचकर घटना की जानकारी लिए

जायसवाल ने बताया कि डी ए वी पब्लिक स्कूल में एग्रीमेंट पर पांच स्कूल बस आसपास के बच्चों लाने ले जाने के लिए किराए पर लगाया गया है बस मालिक घनश्याम साहू नवागढ़ घटना के बाद ग्राम सेमरिया पहुंच गए उन्होंने बताया कि मासूम की बड़ी बहन यूकेजी में 5 वर्ष की है जो की जाता स्कूल में पढ़ती है छोटी बच्ची अचानक घर से निकलकर सीधे बस के पिछले पहिए के टायर में घुस गई घटना के संबंध में चालक को किसी प्रकार की कोई जानकारी नहीं मिल पाई।

महतारी वंदन योजना की राशि से प्रफुल्लित है कांति चंद्राकर

गौरिला पेंड्रा मरवाही। महतारी वंदन योजना की 30वीं किश्त प्राप्त होने से हाजसिंग बोर्ड कालोनी पेंड्रा की कांति चंद्राकर प्रफुल्लित है। रक्षाबंधन से पहले खाते में राशि आने से त्यौहार और भी खास हो गया है। कांति ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह राशि उनके लिए आर्थिक सहाय होने के साथ भाई-बहन के पवित्र रिस्ते को और भी यादगार बनाने का अवसर लेकर आई है। उनका कहना है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार द्वारा महिलाओं की बेहतरी के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। अपनी खुशियां व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन से पहले विष्णु भैया से बहनों को संबल मिला है। कांति चंद्राकर ने बताया कि महतारी वंदन योजना के तहत प्राप्त राशि का उपयोग वह अपने भाई के लिए रक्षामृत (राखी) खरीदने और रक्षाबंधन की अन्य तैयारियों में करेंगी। उन्होंने कहा कि त्योहार के अवसर पर मिलने वाली यह आर्थिक सहायता उनके लिए बेहद उपयोगी है। इससे वे अपनी जरूरतों और पारिवारिक जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से पूरा कर पा रही हैं। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के स्नेह और विश्वास का पर्व है। ऐसे समय में महतारी वंदन योजना की किश्त मिलना उनके लिए खुशी को दोगुना करने वाला है।

टीईटी अनिवार्यता से राहत और पूर्व सेवा अवधि की गणना की मांग

शिक्षक साझा मंच ने सौंपा ज्ञापन



विश्व केसरी■
अंतागढ़ (डम्पी खान)। छत्तीसगढ़ के शासकीय स्कूलों में लंबे समय से सेवाएं दे रहे सहायक शिक्षकों एवं शिक्षकों की विभिन्न मांगों को लेकर शिक्षक साझा मंच छत्तीसगढ़ ने मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन के माध्यम से सेवारत शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से राहत देने, सेवा सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा सहायक शिक्षकों की वेतन विसंगति दूर करने की मांग की गई है। शिक्षक साझा मंच के पदाधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ के शासकीय विद्यालयों में शिक्षक संवर्ग के अंतर्गत सहायक शिक्षक एवं शिक्षक लंबे समय से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। ऐसे में उनकी सेवा से जुड़ी महत्वपूर्ण समस्याओं का शीघ्र निराकरण किया जाना आवश्यक है। ज्ञापन में प्रमुख रूप से मांग की गई है कि छत्तीसगढ़ में सेवारत शिक्षकों को अन्य राज्यों की तुर्ज पर विशेष टीईटी के प्रावधान में राहत देते हुए सेवा सुरक्षा प्रदान की जाए। साथ ही विरिध्ता के आधार पर पूर्व प्रचलित नियमानुसार पदोन्नति प्रक्रिया पूरी करने की मांग की गई है। इसके अलावा मोरती/मर्ज के मामले में सहायक शिक्षकों की वेतन विसंगति दूर कर शिक्षक संवर्ग में नियुक्ति तिथि से पूर्व की सेवा की गणना करते हुए क्रमोन्नति एवं पेंशन सहित समस्त लाभ प्रदान करने की मांग भी

ज्ञापन में प्रमुखता से रखी गई है। शिक्षक साझा मंच ने शासन से मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह किया है। मंच का कहना है कि वर्षों से स्कूल शिक्षा विभाग में सेवाएं दे रहे शिक्षकों को न्याय एवं सेवा सुरक्षा मिलने से उनका मनोबल बढ़ेगा और वे अधिक बेहतर ढंग से अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकेंगे। ज्ञापन में मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री के अलावा शिक्षा विभाग के सचिव, संचालक लोक शिक्षण, संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग तथा जिला शिक्षा अधिकारी को भी प्रतिलिपि प्रेषित की गई है। ज्ञापन में छत्तीसगढ़ की ओर से सौंपा गया।

पुलिस दे रही साइबर सुरक्षा के मंत्र

विश्व केसरी■
सक्ती। एसपी सक्ती प्रफुल्ल कुमार ठाकुर भापुसे द्वारा आमजन को साइबर सुरक्षा एवं साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में जागरूक करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे साइबर जागृति अभियान के तहत थाना बाराद्वार पुलिस द्वारा शैक्षणिक संस्थान में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। एशियन वर्ल्ड स्कूल बाराद्वार थाना - बाराद्वार, जिला - सक्ती (छ.ग.) में साइबर जागृति जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया जहां प्रफुल्ल कुमार ठाकुर भापुसे पुलिस अधीक्षक शक्ति द्वारा उपस्थित लोगों एवं छात्र- छात्राओं को छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा साइबर उगी और अपराधों से बचाव के लिए एक विशेष 'साइबर जागृति अभियान' चलाया जा रहा है इस अभियान के



बारे में बताते हुए इका मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को डिजिटल धोखाधड़ी के प्रति जागरूक करना और उन्हें सुरक्षित इंटरनेट उपयोग की जानकारी देना है, अभियान की मुख्य बातें संचालन अवधि अभियान 15 अगस्त से 2 अक्टूबर तक पूरे प्रदेश में सक्रिय है इसका लक्ष्य: छात्र-छात्राएं, युवा, महिलाएं, वरिष्ठ नागरिक और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को यह समझाना कि ऑनलाइन धोखाधड़ी कैसे होती है और उससे बचाव कैसे किया जाए साथ ही साइबर उगी से बचने के जरूरी उपायों ओटीपी साझा न करने, बैंक खाता, पासवर्ड या ओटीपी

संत शिरोमणि रविदास जी की 650वीं जयंती पर देवरी में निकली भव्य कलश यात्रा, महापौर रामू रोहरा ने किया शुभारंभ

विश्व केसरी■
धमतरी (राजशेखर नायर)। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती के पावन अवसर पर ग्राम देवरी में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह से भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर पालिक निगम धमतरी के महापौर श्री रामू रोहरा कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर संत रविदास जी का स्मरण किया और कलश यात्रा के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं को अपनी शुभकामनाएं दीं। महापौर रामू रोहरा ने कलश यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं एवं ग्रामीणजन श्रद्धा और उत्साह के



साथ शामिल हुए। मिर पर कलश धारण किए महिलाओं की सहभागिता से पूरा वातावरण भक्तिभय एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत नजर आया। श्रद्धालुओं ने संत रविदास जी के जयकारों के साथ सामाजिक समरसता, समानता और भाईचारे का संदेश दिया। इस अवसर पर महापौर श्री रामू रोहरा ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी ने अपने

जीवन और विचारों के माध्यम से समाज को समानता, मानवता, प्रेम और सामाजिक समरसता का मार्ग दिखाया। उन्होंने जात-पात, भेदभाव और ऊंच-नीच की भावना से ऊपर उठकर सभी मनुष्यों को समान मानने का संदेश दिया। उनके विचार आज भी समाज को एकजुट करने और नई पीढ़ी को सही दिशा देने के लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं। महापौर ने कहा कि संत

वातावरण के बीच निकली यात्रा ने ग्राम देवरी में एकता, श्रद्धा और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। इस अवसर पर अन्य पिछड़ा आयोग के अध्यक्ष नेहरु निषाद, केशव साहू, दयाराम साहू, डेवीश चन्द्राकर, मिश्रीलाल पटेल, शिरेन्द्र साहू, यतीश भूषण श्रीवास्तव,धन जांगदे, तारेन्द्र चन्द्राकर, रामाधार साहू, रुपचंद साहू, खिलावन प्रजापति,याद राम साहू,नीराम साहू, ममता निषाद, पूर्णिमा बनपेला, रेणुका साहू, राधिका साहू, नंदिनी साहू, महेश चन्द्राकर, ओमप्रकाश सिन्हा,शंकरसिंह साई संकराम धीवर, केशव, रमेश,नीराम सिन्हा, हजारी, मिश्रवर साहू, परस लाल साहू, कमलेश साहू सहित जनप्रतिनिधियों, सामाजिकजनों, ग्रामीणों एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही।

संकल्प सेवा संस्थान आनंद धाम में ध्वजारोहण दिव्यांग बच्चों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां



विश्व केसरी■
नवापारा-राजिम (अंशुल मिश्रा)। नवागांव बुलेटी स्थित छत्तीसगढ़ हैंडिकेप्ट वेलेफेयर सोसायटी द्वारा संचालित संकल्प सेवा संस्थान आनंद धाम नवागांव में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला साहू संध गरियाबंद के अध्यक्ष प्रवीण साहू ने ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष योगेश ठाकुर ने की। इस अवसर पर दिव्यांग बच्चों ने देशभक्ति से ओतप्रोत भाषण, कविता, गीत एवं

नाटक सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित अतिथियों का मन मोह लिया। बच्चों के उत्साह और प्रयाग राजिम की सभी ने सराहना की। कार्यक्रम में उज्जवल दिव्यांग कल्याण संध के जिला अध्यक्ष जागेरवर साहू, सुजान चंद पारक, केशव साहू, सखी शुप नवापारा की बहनें तथा सखी सेवा संस्थान की संचालिका सुनीता साहू सहित सारिका साहू, पूजा साहू, रूपाली शर्मा, कृष्ण साहू, अवध राम सोनी, आशा अग्रानी, रानी, मनीषा, ऋतु जैन, पप्पू गौर, गायत्री ठाकुर, वीरका कुकरेजा, गुंजन, कुंती इसरानी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

माखन चोरी की लीला में छिपा था कंस के विरुद्ध क्रांति का संदेश

विश्व केसरी■
राजिम (शेखर मिश्रा)। छत्तीसगढ़ के प्रयाग राजिम स्थित श्री राजीव लोचन मंदिर में सावन झुला पर्व की धार्मिक छटा बिखरी हुई है। मंदिर ट्रस्ट की ओर से मंदिर प्रांगण में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के पंचम दिवस कथा व्यास पंडित वरुण तिवारी ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का अत्यंत रोचक, भावपूर्ण और आध्यात्मिक वर्णन किया। कथा के दौरान श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का श्रवण कर भाव-विभोर हो उठे। कथा व्यास पंडित वरुण तिवारी ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण 24 अवतारों में पूर्ण पुरुषोत्तम हैं और 16 कलाओं से परिपूर्ण हैं। उनका बाल स्वरूप जितना सहज, प्रेम और वात्सल्य से परिपूर्ण है, वहीं अधर्म और अत्याचार के विरुद्ध उनका स्वरूप उतना ही प्रभावशाली है। माता यशोदा के साथ उनकी बाल लीलाएं वात्सल्य का भाव



जगाती हैं, तो राक्षसों का संहार धर्म की स्थापना का संदेश देता है। माखन चोरी की लीला में बड़ा संदेश छिपा है। श्रीकृष्ण की माखन चोरी की कथा का वर्णन करते हुए पंडित तिवारी ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण अपने सखाओं के साथ मिलकर माखन चुराते थे। राह चलते गोपियों की दूध-दही से भरी मटकियां भी फोड़ देते थे। इसकी शिकायत लेकर गोपियां माता यशोदा के पास पहुंचती थीं। उन्होंने कहा कि नंद बाबा स्वयं गोकुल के संपन्न व्यक्ति थे। उनके घर में दूध, दही और मक्खन की कोई कमी नहीं थी। ऐसे में प्रश्न उठता है कि श्रीकृष्ण माखन चोरी क्यों करते थे? पंडित तिवारी ने कहा कि श्रीकृष्ण बचपन से ही अन्याय और अत्याचार के विचारों के प्रतीक थे। उन्होंने कंस के अत्याचार से परेशान गोकुलवासियों के बीच विरोध की भावना जगाई। श्रीकृष्ण लोगों को समझाते थे कि वे अपनी मेहनत से उत्पादित दूध-दही को कर के रूप में मथुरा भेजना बंद करें।

नगरी से यूरिया उड़ीसा बस्तर जा रहा

विश्व केसरी■
नगरी (राजशेखर नायर)। स्थानीय किसानों को यूरिया खाद के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जबकि कृषि केंद्रों के संचालक बिना दस्तावेजों के थोक में खाद ओडिशा और बस्तर के तस्करों को बेच रहे हैं। सरकारी नियम और पंश मशीनें केवल मजबूर किसानों के लिए कागजी साबित हो रही हैं, जिससे कालाबाजारी तेजी से बढ़ रही है। **266 का यूरिया बेचा जा रहा 500 में** कागजों में 266 रुपये प्रति बोरी मिलने वाली यूरिया को तस्करों को 500-500 रुपये प्रति बोरी के हिसाब से खुलेआम बेचा जा रहा है। बेलर से घुरावड़ मार्ग इन दिनों तस्करों और अवैध परिवहन का सबसे सुरक्षित गलियारा बन चुका है, जहां से योजना भारी वाहन धड़ल्ले से गुजर रहे हैं। **नियमों का ढोंग और माफिया की मौज** कृषि विभाग के तमाम दावों के विपरीत



धमतरी के नगरी ब्लॉक में सरकारी निबंधन पूरी तरह कागजी साबित हो रहा है। किसानों को खाद खरीदने के लिए बी-वन, ऋण पुस्तिका और तमाम दस्तावेजों के साथ पंश मशीन में अंगुठा लगाने की शर्त पर उलझाया जाता है। इसके विपरीत, नियम को ताक पर रखकर कृषि केंद्र संचालक माफिया को बिना किसी कागजात के 75 से 200 बोरी तक यूरिया थोक में बेच रहे हैं।

महिला शौचालय तोड़े जाने पर फूटा बच्चों का गुस्सा स्कूल में तालाबंदी के बाद सड़क पर चक्काजाम

विश्व केसरी■
नवापारा (अंशुल मिश्रा)। समीपस्थ ग्राम पंचायत पारागांव में महिला शौचालय तोड़े जाने का मामला अब उग्र रूप लेता जा रहा है। सरपंच द्वारा स्कूल परिसर में उप स्वास्थ्य केंद्र निर्माण के लिए महिला शौचालय तुड़वाए जाने से नाराज जेन अल्फा यानी 7वीं और 8वीं कक्षा के छात्र-छात्राएं अब आंदोलन की राह पर उतर आए हैं। बच्चों ने पहले स्कूल में तालाबंदी कर धरना दिया और इसके बाद सड़क पर उतरकर मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। पहले स्कूल के मुख्य गेट पर जड़ा ताला, फिर सड़क पर बैठ गए बच्चे गुस्साए छात्र-छात्राओं ने सरकारी मिडिल स्कूल के मुख्य गेट पर ताला जड़कर विरोध प्रदर्शन शुरू किया। इसके बाद बच्चों का आक्रोश और बढ़ गया तथा वे स्कूल परिसर से निकलकर मुख्य मार्ग पर बैठ गए



और चक्काजाम कर दिया। बच्चों के आंदोलन से क्षेत्र में हलचल मच गई। बोले बच्चे पढ़ाई के बीच नहीं चाहिए उप स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण आंदोलन कर रहे छात्र-छात्राओं का कहना है कि स्कूल परिसर में उप स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण किए जाने से उनकी पढ़ाई और शैक्षणिक वातावरण प्रभावित हो रहा है। बच्चों

ने साफ कहा कि स्कूल शिक्षा का मंदिर है और यहां निर्माण कार्य तथा अन्य गतिविधियों से उनकी पढ़ाई बाधित हो रही है। **महिला शौचालय टूटने से छात्राओं को हो रही भारी परेशानी** छात्राओं में महिला शौचालय तोड़े जाने को लेकर विशेष आक्रोश देखने को मिला। उनका कहना है कि

निर्माण तत्काल स्कूल परिसर से हटाकर किसी अन्य उपयुक्त स्थान पर किया जाए। साथ ही तोड़े गए महिला शौचालय का जल्द से जल्द पुनर्निर्माण कराया जाए, ताकि छात्राओं को फिर से किसी प्रकार की परेशानी न हो। **तालाबंदी और चक्काजाम के बाद भी नहीं पहुंचे जिम्मेदार अधिकारी** सबसे बड़ी बात यह रही कि बच्चों द्वारा स्कूल में तालाबंदी और सड़क पर चक्काजाम किए जाने के बावजूद खबर लिखे जाने तक कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। इससे बच्चों और ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति और अधिक नाराजगी देखी गई। लोगों का कहना है कि जब स्कूली बच्चे सड़क पर उतरकर आंदोलन करने को मजबूर हो गए हैं, तब भी जिम्मेदारों का मौके पर नहीं पहुंचना गंभीर लापरवाही है।

महिला सम्मान से खिलवाड़ का आरोप, सरपंच के खिलाफ बढ़ा आक्रोश ग्रामीणों का आरोप है कि सरपंच द्वारा उप स्वास्थ्य केंद्र निर्माण के लिए सरकारी मिडिल स्कूल परिसर में महिला शौचालय तुड़वाकर महिला सम्मान के साथ खिलवाड़ किया गया है। इस कार्रवाई को लेकर ग्रामीणों में पहले से ही नाराजगी थी, लेकिन अब बच्चों के आंदोलन ने पूरे मामले को और अधिक गंभीर बना दिया है। **राष्ट्रीय वृक्ष बगरद की टहनियां काटने का भी आरोप** मामले में स्कूल परिसर में स्थित राष्ट्रीय वृक्ष बगरद की टहनियां काटे जाने का आरोप भी सामने आया है। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण कार्य के दौरान पर्यावरण और स्कूल परिसर की हरियाली की भी अनदेखी की गई है। इसे लेकर भी ग्रामीणों ने कड़ी नाराजगी जताई है।

फर्जी दस्तावेजों से 40 लाख रुपये की धोखाधड़ी का खुलासा



विश्व केसरी■
धमतरी (राजशेखर नायर)। पुलिस अधीक्षक धमतरी भावना पांडेय के निदेशन में जिले में धोखाधड़ी, कूटरचारा एवं अपराधिक षडयंत्र के मामलों में प्रभावी कार्रवाई हेतु दिए गए निर्देशों के तहत थाना मगरलोड पुलिस द्वारा अपराध क्रमांक 77/2026, धारा 318(4), 336(3), 338, 340(2), 61(2), 238 बीएनएस के प्रकरण में त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही करते हुए मुख्य आरोपी सहित 02 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। प्रार्थी सचिन बगानी, निवासी गोवरा नवापारा द्वारा थाना मगरलोड में शिकायत प्रस्तुत की गई थी कि आरोपी ठाकुर राम साहू द्वारा मृतक विष्णु प्रसाद साहू के नाम ग्राम सांगा में स्थित लगभग 4.5 एकड़ कृषि भूमि को अपना बताकर फर्जी दस्तावेज तैयार किए गए तथा उक्त भूमि को बेचने के नाम पर प्रार्थी से विभिन्न माध्यमों से नगद एवं चेक के जरिए लगभग 40 लाख रुपये प्राप्त किए गए। शिकायत पर थाना मगरलोड में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

सोना इस हफ्ते 8 हजार रुपए से अधिक महंगा हुआ, चांदी 2.46 लाख के पार

एफसीएनआर(बी) जमा राशि 65.4 अरब डॉलर तक पहुंची: आरबीआई

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शनिवार को बताया कि अधिकृत डीलर बैंकों ने केंद्रीय बैंक की विशेष स्वैप सुविधा के तहत 21 अगस्त तक कुल 72.848 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा जुटाई है, जिसमें सबसे बड़ा योगदान विदेशी मुद्रा गैर-निवासी (बैंक) जमा एफसीएनआर(बी) का रहा, जिसके माध्यम से 65.397 अरब डॉलर जुटाए गए।
आरबीआई के अनुसार, केंद्रीय बैंक की विशेष स्वैप सुविधा के तहत बाह्य वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) और विदेशी मुद्रा उधार (ओएफसीबी) के जरिए भी 7.451 अरब डॉलर की अतिरिक्त विदेशी मुद्रा प्राप्त हुई है।
केंद्रीय बैंक ने 8 जून 2026 को एफसीएनआर(बी) जमा, ईसीबी और ओएफसीबी से आने वाले निवेश के लिए विशेष अमेरिकी डॉलर-रुपया स्वैप सुविधा शुरू की थी। इस योजना का उद्देश्य रुपए पर



दबाव कम करना और देश में विदेशी मुद्रा प्रवाह बढ़ाना था।
आरबीआई ने कहा कि पहले घोषित कार्यक्रम के अनुसार एफसीएनआर(बी) जमा योजना 31 अगस्त 2026 तक खुली रहेगी, जबकि ईसीबी और ओएफसीबी के लिए यह सुविधा 31 दिसंबर 2026 तक उपलब्ध रहेगी।
यह बड़ी विदेशी मुद्रा आमद ऐसे समय हुई है जब भारतीय बैंकों ने एफसीएनआर(बी) जमा आकर्षित करने के लिए ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है।

आरबीआई ने हाल ही में इस योजना की अंतिम तिथि 30 सितंबर से घटाकर 31 अगस्त कर दी थी। केंद्रीय बैंक ने कहा था कि योजना को उम्मीद से बेहतर प्रतिक्रिया मिली है और विदेशी मुद्रा जुटाने का लक्ष्य तेजी से पूरा हो रहा है।
इस सप्ताह जारी एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि एफसीएनआर(बी) योजना के तहत डॉलर जुटाने का लक्ष्य संभवतः पहले ही हासिल किया जा चुका है। रिपोर्ट के अनुसार, अगस्त के शेष दिनों में भी 25 से 30 अरब डॉलर तक का अतिरिक्त प्रवाह आने की संभावना थी, जिससे कुल संग्रह लगभग 85 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।
रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि स्वैप सुविधा की लागत कोई बड़ी बाधा नहीं है। एसबीआई रिसर्च के अनुमान के अनुसार, योजना की कुल लागत लगभग 10.5 अरब डॉलर या कुल कोष का लगभग 15 प्रतिशत हो सकती है।



विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। सोने और चांदी में इस हफ्ते तेजी देखने को मिली, जिससे दोनों कीमतों धातुएं क्रमशः 8 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम और 12 हजार रुपए प्रति किलो से अधिक महंगी हो गई हैं।
इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम इस हफ्ते 8,257 रुपए बढ़कर 1,60,620 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जबकि पहले यह 1,52,363 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। 22 कैरेट सोने की कीमत बढ़कर 1,47,128 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,39,565 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 18 कैरेट सोने का दाम बढ़कर 1,20,465 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,14,272 रुपए प्रति 10 ग्राम था।
इस हफ्ते सोने में सबसे न्यूनतम दाम 19 अगस्त को सुबह के सत्र में 1,52,884 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। वहीं, उच्चतम दाम 21 अगस्त को शाम के सत्र में 1,60,620 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा

गया।
सोने के साथ चांदी की कीमत में भी तेजी देखने को मिली है।
चांदी का दाम 12,788 रुपए बढ़कर 2,46,630 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,33,842 रुपए प्रति किलो था।
इस हफ्ते चांदी में उच्चतम दाम 21 अगस्त को शाम के सत्र में 2,46,630 रुपए प्रति किलो देखा गया। वहीं, न्यूनतम दाम 19 अगस्त को सुबह के सत्र में 2,27,392 रुपए प्रति किलो देखा गया।
आईबीजेए की ओर से दिन में दो बार सुबह और शाम के सत्र में सोने और चांदी की कीमतों को जारी किया जाता है।
अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने का दाम 4,600 डॉलर प्रति औंस और चांदी का दाम 69 डॉलर प्रति औंस के करीब पहुंच गया है।
एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सोने और चांदी में तेजी की वजह बॉन्ड यील्ड में गिरावट और बड़े स्तर पर सुरक्षित निवेश की मांग है। इससे दोनों कीमतों धातुओं में खरीदारी को सहारा मिल रहा है।

चीनी की बढ़ती कीमतों के पीछे एथेनॉल नहीं है कारण, गन्ने का कम उत्पादन और रिकवरी का है असर : कृषि विशेषज्ञ

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। देश भर में चीनी की कीमतों में आई तेजी को लेकर चल रही बहस के बीच कृषि और चीनी उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया है कि इसकी मुख्य वजह चीनी को एथेनॉल उत्पादन के लिए डायवर्ट करना नहीं, बल्कि गन्ने के उत्पादन और चीनी रिकवरी में आई कमी है। उनका कहना है कि सरकार चीनी, एथेनॉल और निर्यात के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी करती है और उपभोक्ताओं की जरूरत को प्राथमिकता दी जाती है।
नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट, कानपुर के पूर्व निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने न्यूज एजेंसी आईएनएस से बात करते हुए कहा कि हाल के दिनों में चीनी की कीमतों में जो तेजी देखने को मिली है, वह कुछ हद तक अप्रत्याशित जरूर है, लेकिन इसके लिए सीधे तौर पर एथेनॉल उत्पादन को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।



उन्होंने कहा कि सरकार हर साल चीनी उत्पादन का आकलन करते समय यह सुनिश्चित करती है कि देश की भरपूर जरूरतों के लिए पर्याप्त चीनी उपलब्ध रहे।
उन्होंने कहा कि देश में सालाना करीब 280 लाख टन चीनी की आवश्यकता होती है। इसके बाद ही अतिरिक्त चीनी को एथेनॉल उत्पादन या निर्यात के लिए अनुमति दी जाती है। उन्होंने बताया कि चालू वर्ष में लगभग 31 लाख टन चीनी

का बफर स्टॉक रहता है, ताकि किसी अप्रत्याशित स्थिति में बाजार में आपूर्ति प्रभावित न हो। ऐसे में केवल एथेनॉल डायवर्जन को चीनी महंगी होने का कारण बताना उचित नहीं होगा।
‘उन्होंने कहा कि भारतीय चीनी उद्योग के लिए एथेनॉल एक ‘गेम चेंजर’ साबित हुआ है। पहले जब देश में चीनी का उत्पादन जरूरत से कहीं अधिक हो जाता था, तब बाजार में कीमतें गिर जाती थीं और चीनी मिलों को नुकसान उठाना पड़ता था, जिसका सीधा असर किसानों के भुगतान पर पड़ता था।
उन्होंने बताया कि पहले अतिरिक्त चीनी को निर्यात करने का विकल्प था, लेकिन वैश्विक प्रतिस्पर्धा और अंतरराष्ट्रीय कीमतों के कारण यह हमेशा लाभकारी नहीं रहता था। ऐसे में सरकार ने अतिरिक्त चीनी को एथेनॉल उत्पादन में उपयोग करने की नीति अपनाई, जिससे न केवल चीनी उद्योग को स्थिरता मिली।

केंद्र सरकार उड़ान योजना के विस्तार के लिए 28,840 करोड़ का निवेश कर रही : राम मोहन नायडू

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू की अध्यक्षता में नागरिक उड्डयन मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति ने शुक्रवार को कर्नाटक के मैसूर में बैठक की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रीय हवाई कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए उड़ान के अगले चरण, फ्लाईंग ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन इकोसिस्टम में सुधार और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी (आईजीआरयूए) में बदलाव पर चर्चा की।
समिति को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा, ‘पिछले 10 वर्षों में, हमने हवाई अड्डों के विकास और एयरलाइंस के लिए ‘वायबिलिटी गैप फंडिंग’ (वीजीएफ) में लगभग 10,000 करोड़ रुपए का निवेश किया है। अब हम ‘उड़ान’ के अगले चरण के तहत 28,840 करोड़ रुपए के आवंटन के साथ इस लक्ष्य को एक नए स्तर पर ले जा रहे हैं।’



हैं।
नायडू ने कहा कि भारत का एविएशन (हवाई सेवा) क्षेत्र अब केवल प्रमुख शहरों और हवाई अड्डों के विकास तक ही सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसका दायरा बढ़ रहा है। मंत्री ने कहा, ‘प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उड़ान विजन से प्रेरित होकर, एविएशन क्षेत्र क्षेत्रीय विकास और समावेशी आर्थिक विकास का एक अहम जरिया बन

ऑर्गनाइजेशन’ (एफटीओ) इकोसिस्टम में किए गए सुधारों के बारे में भी जानकारी दी गई, जिनका उद्देश्य सुरक्षा और प्रशिक्षण के उच्च मानकों को बनाए रखते हुए प्रशिक्षित पायलटों की उपलब्धता बढ़ाना है।
एफटीओ इकोसिस्टम का विस्तार हुआ है; 2020 में जहां 32 एफटीओ थे, वहीं 2026 में इनकी संख्या बढ़कर 41 हो गई है, और इसी दौरान फ्लाईंग बेस की संख्या 32 से बढ़कर 63 हो गई है।
एफटीओ रैंकिंग फ्रेमवर्क की शुरुआत से जवाबदेही में पारदर्शिता आई है, जिससे युवाओं को अपने पायलट करियर की शुरुआत में ही सही और जानकारीपूर्ण फैसले लेने में मदद मिलती है। एविएशन सेक्टर में मौजूद अवसरों पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने कहा, ‘भारतीय एयरलाइंस ने दुनिया में कहीं भी न देखे गए पैमाने पर विमानों के ऑर्डर दिए हैं।’

इस सप्ताह निफ्टी में गिरावट के बीच एफआईआई ने निकाले 1,602 करोड़ रुपए, घरेलू निवेशकों ने संभाला मोर्चा



विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। ऊंची कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिका-ईरान तनाव के बीच भारतीय शेयर बाजार में लगातार दूसरे सप्ताह दबाव देखने को मिला। इस दौरान विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने भारतीय बाजार से 1,602 करोड़ रुपए की शुद्ध निकासी की, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने खरीदारी जारी रखते हुए बाजार को सहारा दिया।
बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, एफआईआई तीन सप्ताह की लगातार खरीदारी के बाद फिर से बिकवाली के रुख में लौट आए। पूरे सप्ताह के दौरान उनका निवेश व्यवहार मिश्रित रहा। सप्ताह के पहले कारोबारी सत्र में उन्होंने बिकवाली की, इसके बाद अगले

डीआईआई ने 17,320 करोड़ रुपए की शुद्ध खरीदारी की।
अगस्त महीने के अब तक के आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनों श्रेणियों के निवेशक कुल मिलाकर खरीदार बने हुए हैं। इस अवधि में एफआईआई ने 2,510 करोड़ रुपए और डीआईआई ने 34,370 करोड़ रुपए का निवेश किया है।
सप्ताह के दौरान प्रमुख सूचकांकों में सीमित दायरे में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 92 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी रही और अमेरिका-ईरान के बीच जारी तनाव ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया।
निफ्टी ने सप्ताह की शुरुआत कमजोरी के साथ की और मध्य सप्ताह में 24,026 का निचला स्तर छुआ। हालांकि अंतिम दो कारोबारी सत्रों में रिकवरी देखने को मिली, जिससे सूचकांक निचले स्तरों से उबर गया। इसके बावजूद सप्ताह के अंत में निफ्टी 24,252 के स्तर पर बंद हुआ, जो पिछले सप्ताह की तुलना में लगभग 0.5 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है।
व्यापक बाजार का प्रदर्शन अपेक्षाकृत बेहतर रहा। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स लगभग सपाट स्तर पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स ने नया सर्वकालिक उच्च स्तर छूते हुए सप्ताह में 1 प्रतिशत से अधिक की बढ़त दर्ज की। इससे संकेत मिलता है कि निवेशकों की रुचि अभी भी मध्यम और छोटी कंपनियों के शेयरों में बनी हुई है।

हैदराबाद रियल एस्टेट में नया रिकॉर्ड, एक एकड़ जमीन 264 करोड़ रुपए में बिकी

विश्व केसरी ■
हैदराबाद। हैदराबाद के रियल एस्टेट मार्केट में एक नया रिकॉर्ड बनते हुए, शुक्रवार को सरकारी जमीन का एक एकड़ हिस्सा 264 करोड़ रुपए की भारी-भरकम कीमत पर नीलाम हुआ। इसने 237 करोड़ रुपए के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।
तेलंगाना इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर कॉर्पोरेशन (टीजीआईआईसी) ने इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी कॉरिडोर के बीचों-बीच रेडुर्ग में 5.25 एकड़ की बेहतरीन मल्टी-यूज जमीन की ई-नीलामी में एक नया रिकॉर्ड बना।
इस बेहतरीन मल्टी-यूज जमीन की नीलामी से 1,386 करोड़ रुपए की कमाई हुई। टीजीआईआईसी के अनुसार, 175 करोड़ रुपए प्रति एकड़ की रिजर्व प्राइस (न्यूनतम कीमत) पर 5.25 एकड़ जमीन की नीलामी



को गई, जिससे प्रति एकड़ 264 करोड़ रुपए की अंतिम कीमत मिली, जो रिजर्व प्राइस से 50.9 प्रतिशत ज्यादा है। अधिकारियों ने कहा

कि यह नतीजा दिखाता है कि हैदराबाद भारत के सबसे तेजी से बढ़ते रियल एस्टेट बाजारों में से एक के तौर पर उभरा है और यह

इंफ्रास्ट्रक्चर-आधारित विकास के लिए तेलंगाना की रणनीतिक सोच की पुष्टि करता है। टीजीआईआईसी ने कहा कि यह नतीजा बड़े डेवलपर्स के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा और हैदराबाद के रणनीतिक कॉरिडोर को लेकर बाजार के बढ़ते सकारात्मक नजरिए को दर्शाता है, जिससे संस्थागत रियल एस्टेट कैपिटल के लिए तेजी से विकास करने वाले डेस्टिनेशन के तौर पर तेलंगाना की स्थिति मजबूत होती है।
इस नतीजे से रेडुर्ग में जमीन की कीमतों में भी जबरदस्त उछाल का पता चलता है। टीजीआईआईसी की पिछली नीलामी में मई में प्रति एकड़ 237 करोड़ रुपए मिले थे। इससे इस कॉरिडोर के बेहतरीन प्लॉट के लिए निवेशकों की लगातार बढ़ती मांग का पता चलता है।

कनाडा का जवाब, ‘अमेरिकी टैरिफ के बदले डॉलर फॉर डॉलर शुल्क पर होगा काम’

विश्व केसरी ■
ओटावा। कनाडा की अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की समयसीमा शुक्रवार आधी रात तक थी। ये बिना किसी अंतिम नतीजे पर पहुंचे समाप्त हो गई। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिकी टैरिफ का ‘डॉलर फॉर डॉलर’ जवाब देने का ऐलान किया है।
कार्नी ने इसे लेकर बयान जारी किया। विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ये बयान पोस्ट किया गया। उन्होंने कहा, ‘कनाडाई अधिकारियों ने बातचीत में पूरी ईमानदारी से काम किया, लेकिन

अंतिम समय में अमेरिका की ओर से प्रस्तावित शर्तों में किए गए बदलाव अनुचित और आर्थिक रूप से नुकसानदेह थे। इन बदलावों से किसी भी संभावित समझौते की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा हो गया।’
अमेरिका की ओर से लगाए जा रहे 50 प्रतिशत टैरिफ का जिक्र करते हुए कार्नी ने कहा कि कनाडा अपने श्रमिकों और कारोबारों की सुरक्षा के लिए उतने ही मूल्य का जवाबी शुल्क लगाएगा।
अमेरिकी टैरिफ से कनाडा के करीब 20 अरब डॉलर मूल्य के

उत्पाद प्रभावित होंगे। इनमें हॉकी स्टिक से लेकर चिकित्सा उपकरणों तक कई तरह के सामान शामिल हैं। दोनों देशों के बीच पिछले साल करीब 880 अरब डॉलर का वस्तुओं की और सेवाओं का कारोबार हुआ था।
वहीं, अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमिसन ग्रीर ने बातचीत विफल होने को कनाडा के लिए ‘गंवाया हुआ अवसर’ बताया।
उन्होंने आरोप लगाया कि कनाडा ने पहले जिन प्रतिबद्धताओं पर सहमति जताई थी, उनसे पीछे हटते हुए नई मांगें रखीं, जिससे दोनों पक्षों के बीच बना संतुलन बिगड़

गया।
कनाडा ने स्टील, एल्युमीनियम, वाहन और लकड़ी जैसे प्रमुख क्षेत्रों में अमेरिकी रियायतों की मांग की थी, लेकिन ट्रंप प्रशासन इन पर सहमत नहीं हुआ।
इस टकराव का आर्थिक असर भले सीमित हो, लेकिन इसका राजनीतिक प्रभाव बड़ा माना जा रहा है। इससे अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको के बीच उत्तर अमेरिकी व्यापार समझौते के भविष्य को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।
कनाडा के ओटारियो प्रांत के

प्रिमियर डग फोर्ड ने कार्नी के फैसले का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि कनाडा को अमेरिकी कदम का ‘टैरिफ के बदले टैरिफ, डॉलर के बदले डॉलर’ जवाब देना चाहिए।
कनाडाई चैंबर ऑफ कॉमर्स की अध्यक्ष कैटेंडा लांग ने अमेरिकी टैरिफ को ‘उत्तर अमेरिकी प्रतिस्पर्धा पर बड़ा प्रहार’ बताया। उन्होंने चेतावनी दी कि इससे अमेरिकी उपभोक्ताओं की लागत बढ़ेगी और कनाडा में ग्राहक, निवेश तथा छोटे कारोबार प्रभावित होंगे।

क्या आप दोनों साथ रहते हुए भी अकेले हैं? रिश्ते में ‘Roommate Phase’ के ये संकेत पहचानें

एक ही घर में रहकर भी अगर बातचीत, प्यार, साथ का समय और भावनात्मक जुड़ाव लगातार कम हो रहा है, तो रिश्ता ‘Roommate Phase’ में हो सकता है. इन संकेतों को पहचानकर समय रहते संवाद और साथ के छोटे प्रयास शुरू किए जा सकते हैं.

कभी-कभी एक ही घर में रहने वाले दो लोग धीरे-धीरे इतने अलग हो जाते हैं कि रिश्ता पति-पत्नी या पार्टनर का कम और रूममेट्स का ज्यादा लगने लगता है. सुबह की भागदौड़, ऑफिस, घर के काम और फोन के बीच बातचीत सिर्फ ‘खाना खा लिया?’ , ‘बिल भर देना’ या ‘कल कितने बजे निकलोगे?’ तक सिमट जाती है. बाहर से सब सामान्य दिखता है, लेकिन भीतर कहीं साथ होने का एहसास कम होने लगता है. रिश्तों में इस स्थिति को अक्सर ‘Roommate Phase’ कहा जाता है.

यह जरूरी नहीं कि इसका मतलब रिश्ता खत्म होने की ओर है. कई बार लंबे समय तक साथ रहने, जिम्मेदारियों के बढ़ने या लगातार व्यस्त रहने से भावनात्मक दूरी चुपचाप बढ़ जाती है. अच्छी बात यह है कि इसे पहचान लिया जाए, तो रिश्ते में दोबारा अपनापन लाने की कोशिश की जा सकती है.

क्या होता है ‘Roommate Phase’ ?

रिश्ते में ‘Roommate Phase’ वह स्थिति है जब कपल एक साथ रहते हुए भी भावनात्मक रूप से एक-दूसरे से कटने लगते हैं. घर, खर्च, काम और जिम्मेदारियां साझा होती हैं, लेकिन बातचीत, प्यार और निजी समय कम हो जाता है.



अगर आपको बातचीत ज्यादातर घर के काम, पैसों, बच्चों, ऑफिस या रोजमर्रा की जिम्मेदारियों तक सीमित हो गई है, तो यह एक संकेत हो सकता है. पहले दिनभर की छोटी-बड़ी बातें साझा करने की इच्छा होती थी, लेकिन अब सामने वाला कुछ बताए भी तो ध्यान देने का मन नहीं करता. रिश्ते में बातचीत की मात्रा से ज्यादा उसकी गुणवत्ता मायने रखती है. दस मिनट की सच्ची बातचीत कई बार पूरे दिन की औपचारिक बातों से ज्यादा करीब ला सकती है.

साथ में समय है, लेकिन जुड़ाव नहीं कई कपल एक ही कमरे में बैठकर घंटों फोन चलाते रहते हैं. टीवी चलता रहता है, खाना भी साथ खाया जाता है, लेकिन दोनों के बीच वास्तविक संवाद नहीं होता इसे केवल व्यस्तता समझकर छोड़ देना आसान है. अगर आपको याद ही नहीं कि आखिरी बार आपने बिना किसी काम के एक-दूसरे के साथ कब समय बिताया था, तो यह रुककर सोचने का समय हो सकता है.

छोटी बातों में दिलचस्पी खत्म होना

रिश्ते की शुरुआत में पार्टनर को छोटी-सी पसंद भी खास लगती है. समय बीतने के साथ यह स्वाभाविक रूप से कम हो सकती है, लेकिन अगर सामने वाले के दिन, परेशानी, खुशी या योजनाओं से आपको लगातार कोई फर्क नहीं पड़ता, तो भावनात्मक दूरी बढ़ने का संकेत हो सकता है.

इसी तरह तारीफ, प्यार भर मैसेज, गले लगना या बिना वजह पास बैठना भी कम हो जाए, तो रिश्ते में अपनापन कमजोर महसूस हो सकता है।

1 महीने में 13 पेनकिलर खाने से दोनों किडनी खराब, करवाना पड़ा ट्रांसप्लांट, कहीं आप तो नहीं कर रहे ये गलती



पेनकिलर जिसे आप दर्द से राहत दिलाने वाली दवा के रूप में जानते हैं, गलत तरीके से खाने पर आपको जीवन भर का दर्द भी दे सकती है. हाल ही में एक युवक की दोनों किडनी पेनकिलर खाने से खराब हो गयी. ऐसे में यदि आप भी अक्सर पेनकिलर खाते हैं तो इसके नुकसान के बारे में यहां जान लीजिए.

आज के समय में लोग अपनी सेहत को लेकर भले ही बहुत जागरूक नहीं हो लेकिन उन्हें अपनी छोटी-छोटी बीमारियों या तकलीफ का इलाज जरूर मालूम है. सिरदर्द हो या फिर कमर दर्द, जोड़ों में दर्द या बुखार लोग अब डॉक्टर के पास नहीं जाते पहले वो अपनी समझ से दवा खाना ज्यादा उचित समझते हैं. पेनकिलर तो लोग ऐसे खाते हैं, जैसे कोई टॉफी. शायद यही गलती 31 साल के नंदराम से भी हुई. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 1 महीने में 13 पेनकिलर खाने से युवक की दोनों किडनी खराब हो गयी जिसके बाद इंदौर में ट्रांसप्लांट किया गया.

बहुत से लोग बिना डॉक्टर की सलाह के बिना पेनकिलर ले लेते हैं. यह आदत आम लग सकती है, लेकिन जरूरत से ज्यादा या गलत तरीके से पेनकिलर का इस्तेमाल गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है. ज्यादातर लोग नहीं जानते कि पेनकिलर अस्थायी रूप से दर्द से राहत तो देती हैं, लेकिन इनका बार-बार सेवन शरीर के महत्वपूर्ण अंगों पर असर डाल सकता है. खासकर किडनी और लिवर पर इसका प्रभाव अधिक देखा जाता है।

बच्चा सोते समय अचानक मुस्कुराए, रोए या आवाज निकाले तो क्या मतलब? Newborn Sleep का रहस्य



नवजात का नींद में मुस्कुराना, होंठ हिलाना, हल्की आवाज निकालना या कुछ पल रोना कई बार सामान्य sleep pattern का हिस्सा हो सकता है. हालांकि सांस में परेशानी, नीला पड़ना या असामान्य झटके जैसे संकेत दिखें तो डॉक्टर से सलाह जरूरी है.

नवजात बच्चा सो रहा हो और अचानक उसके चेहरे पर मुस्कान आ जाए, होंठ हिलने लगें या वह एकदम से हल्की आवाज निकाल दे, तो माता-पिता का ध्यान तुरंत उसकी तरफ जाता है. कई बार बच्चा नींद में रोने जैसा चेहरा बनाता है और कुछ सेकंड बाद फिर शांत होकर सो जाता है. ऐसे पल नए माता-पिता के लिए हैरान करने वाले होते हैं. मन में सवाल आता है कि आखिर बच्चा सपने में क्या देख रहा है? क्या उसे कोई परेशानी हो रही है या यह सामान्य है? दरअसल, नवजात शिशुओं की नींद बड़ों से काफी अलग होती है.

उनके सोने का पैटर्न अभी विकसित हो रहा होता है और नींद के दौरान चेहरे के भाव, हाथ-पैरों की हलचल और छोटी आवाजें सुनाई देना आम बात हो सकती है. हर मुस्कान या आवाज किसी खास सपने का संकेत हो, यह जरूरी नहीं है.

Newborn Sleep बड़ों से

धीमी महसूस हो सकती है. चेहरे पर अलग-अलग भाव आना और छोटी आवाजें निकालना भी इसी दौरान दिखाई दे सकता है. ऐसे में हर छोटी आवाज पर बच्चे को तुरंत उठाने की जरूरत नहीं होती. अगर वह आराम से सांस ले रहा है और कुछ ही देर में फिर शांत हो जाता है, तो कुछ क्षण उसे देखकर स्थिति समझी जा सकती है.

कैसे अलग है? नवजात शिशु दिन और रात के बीच अंतर को तुरंत नहीं समझ पाते. शुरुआती हफ्तों में उनकी नींद छोटे-छोटे हिस्सों में बंटी रहती है. वे कुछ समय सोते हैं, फिर दूध के लिए जागते हैं और दोबारा सो जाते हैं.

नींद में मुस्कुराना क्यों होता है? कई माता-पिता बच्चे की नींद में मुस्कान देखकर सोचते हैं कि वह कोई प्यारा सपना देख रहा है. हालांकि, हर बार ऐसा मानना सही नहीं होगा. नवजात अवस्था में मुस्कान कई बार नींद के दौरान होने वाली सामान्य चेहरे की गतिविधियों का हिस्सा होती है. सोते समय बच्चा अचानक मुस्कुरा सकता है, भाईं सिकोड़ सकता है या होंठ हिला

सकता है. ये गतिविधियां उसके विकसित होते तंत्रिका तंत्र और नींद के अलग-अलग चरणों से जुड़ी हो सकती हैं.

बच्चा नींद में आवाज क्यों निकालता है?

नवजात बच्चे सोते हुए कई तरह की आवाजें निकाल सकते हैं. कभी हल्की-सी गुनगुनाहट जैसी आवाज आती है, कभी बच्चा कराहता हुआ लगता है तो कभी अचानक कुछ सेकंड के लिए रोने जैसी आवाज निकाल देता है.

हर आवाज का मतलब परेशानी नहीं

सोते समय बच्चे का शरीर पूरी तरह शांत नहीं रहता. उसकी सांस लेने की गति भी कभी तेज तो कभी

70 फीट की ऊंचाई से गिरता झरना, बारिश में और खूबसूरत हुआ हजारीबाग का सिकरी फॉल



बारिश के मौसम में हजारीबाग का सिकरी नाला झरना सैलानियों को आकर्षित कर रहा है. ईचाक प्रखंड के बभनी गांव में स्थित यह झरना करीब 65 से 70 फीट की ऊंचाई से गिरता है. चारों तरफ हरियाली और पहाड़ियों के बीच गिरता पानी लोगों को खूब पसंद आ रहा है. यहां लोग पिकनिक मनाने और घूमने पहुंच रहे हैं. स्थानीय लोगों का कहना है कि सुविधाएं बढ़ाई जाएं तो यह प्रमुख पर्यटन स्थल बन सकता है.

हजारीबाग: झारखंड की खूबसूरती की बात हो तो यहां के जंगल, पहाड़ और झरने सबसे पहले याद आते हैं. खासकर बारिश के मौसम में इनकी खूबसूरती और बढ़ जाती है. हर तरफ हरियाली नजर आती है. पहाड़ों से पानी की धाराएं

गिरने लगती हैं. ऐसा ही एक खूबसूरत नजारा इन दिनों हजारीबाग के ईचाक प्रखंड में देखने को मिल रहा है. ईचाक प्रखंड की ढाढ़ा पंचायत के बभनी गांव के बांका मोहल्ले में सिकरी झरना है. बारिश के बाद यह झरना पूरी तरह जीवंत हो उठा है. करीब 65 से 70 फीट की ऊंचाई से गिरता पानी लोगों को अपनी ओर खींच रहा है.

झरने के आसपास का नजारा भी बेहद खूबसूरत है. चारों तरफ हरियाली है. पहाड़ियों के बीच गिरता पानी किसी तस्वीर जैसा लगता है. झरने की आवाज और ठंडी हवा यहां आने वाले लोगों को सुकून देती है. इन दिनों यहां बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं. कई लोग परिवार और दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने आते हैं. कुछ लोग

झरने के नीचे गिरते पानी में स्नान का आनंद लेते हैं. युवा मोबाइल से फोटो और वीडियो बनाते नजर आते हैं. बारिश के मौसम में यह जगह खास तौर पर लोगों को पसंद आ रही है.

खूबसूरत नजारा सिकरी झरना हजारीबाग जिला मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर है. हालांकि यहां पहुंचने का रास्ता थोड़ा चुनौतीपूर्ण है. सड़क की स्थिति बेहतर होने की जरूरत है. लेकिन रास्ते की परेशानी झेलकर जब लोग झरने तक पहुंचते हैं, तो वहां का खूबसूरत नजारा उनकी सारी थकान दूर कर देता है.स्थानीय लोगों का कहना है कि सिकरी झरने में पर्यटन की काफी संभावनाएं हैं. अगर प्रशासन यहां सड़क, बैठने की जगह और दूसरी जरूरी सुविधाएं विकसित करे, तो यह हजारीबाग का प्रमुख पर्यटन स्थल बन सकता है.

बारिश की बूंदों के बीच... ग्रामीणों को उम्मीद है कि प्रशासन इस प्राकृतिक जगह के विकास पर ध्यान देगा. इससे यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी. स्थानीय लोगों को भी रोजगार के नए अवसर मिल सकते हैं. फिलहाल सिकरी झरना प्रकृति प्रेमियों के लिए किसी खूबसूरत तोहफे से कम नहीं है. बारिश की बूंदों के बीच पहाड़ से गिरता पानी और चारों तरफ फैली हरियाली इस जगह को खास बना देती है।

बारिश में साइकिल को नहीं लगेगी जंग, सुल्तानपुर के मैकेनिक ने बताए 8 तरीके

बारिश में साइकिल को जंग से बचाना आसान नहीं. जंग लगने से साइकिल की रफ्तार धीमी पड़ जाती है और कई बार पुर्जे तक खराब हो जाते हैं, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा. आज हम आपको ऐसा तरीका बताएंगे, जो जंग को साइकिल के आसपास फटकने नहीं देगा. लोकल 18 से सुल्तानपुर में साइकिल बनाने वाले राजकुमार विश्वकर्मा बताते हैं कि बारिश के बाद समय पर सफाई करना जंग से बचाव का सबसे आसान उपाय है.



आने के बाद चेन पूरी तरह सूखने पर लुब्रिकेंट लगाएं. बहुत ज्यादा तेल डालने से बचें, क्योंकि अतिरिक्त तेल पर धूल और मिट्टी जल्दी चिपकती है.

बारिश में साइकिल चलाने से चेन पर पानी के साथ मिट्टी और गंदगी भी चिपक जाती है. अगर इसे साफ किए बिना छोड़ दिया जाए तो चेन में जंग लगने के साथ उसकी चाल भी भारी हो सकती है. इसलिए पहले सूखे कपड़े या मुलायम ब्रश से चेन की गंदगी साफ करें. इसके बाद चेन पूरी तरह सूखने पर साइकिल के लिए इस्तेमाल होने वाला चेन लुब्रिकेंट लगाएं. बहुत ज्यादा तेल डालने से बचें, क्योंकि अतिरिक्त तेल पर धूल और मिट्टी जल्दी चिपकती है.

साइकिल को कुछ देर खुली और हवादार जगह पर रखें, ताकि अंदर मौजूद नमी भी सूख सके. लोकल 18 से सुल्तानपुर में साइकिल बनाने वाले राजकुमार विश्वकर्मा बताते हैं कि बारिश के बाद समय पर सफाई करना जंग से बचाव का सबसे आसान उपाय है. इस बात का ध्यान रखें कि जब भी बारिश के मौसम में आप साइकिल चलाकर बाहर से आ रहे हैं तो उसको साफ कर दें क्योंकि मिट्टी साइकिल में लगने की वजह से जंग लग जाता है.

चेन कवर और पैडल ऐसे हिस्से हैं जिन पर बारिश का पानी आसानी से जमा हो सकता है. खासतौर पर चेन कवर के अंदर पानी और मिट्टी पहुंच जाने पर वहां नमी लंबे समय तक बनी रह सकती है. इससे चेन और आसपास के धातु वाले हिस्सों में जंग लगने का खतरा बढ़ जाता है।

सिर्फ 2 दिन की छुट्टी में घूम आएँ भारत की ये 5 खूबसूरत जगहें, वीकेड ट्रिप होगी यादगार

अगर आपके पास वीकेड पर सिर्फ दो दिन हैं, तो आप भारत की कुछ खूबसूरत जगहों पर घूमने जा सकते हैं. सही प्लानिंग के साथ, आप कम समय में भी प्रकृति, इतिहास और एडवेंचर का मजा ले सकते हैं. आइए जानते हैं भारत की 5 ऐसी जगहों के बारे में...

हर किसी को लंबी छुट्टी नहीं मिल पाती, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप अपने घूमने-फिरने के प्लान को टाल दें. अगर आपके पास वीकेड पर सिर्फ दो दिन भी हैं, तो भी आप आसानी से दिल्ली-ह्दक और उसके आस-पास की कई खूबसूरत जगहों पर घूम सकते हैं. सही प्लानिंग के साथ, आप कम समय में भी प्रकृति, इतिहास और एडवेंचर का मजा ले सकते हैं. आइए भारत की ऐसी 5 जगहों के बारे में जानते हैं जो वीकेड ट्रिप के लिए एकदम सही हैं...

ऋषिकेश, उत्तराखंड: एडवेंचर और नेचर पसंद करने वालों के लिए ऋषिकेश एक शानदार जगह है. यहां आप गंगा किनारे टहल सकते हैं और लक्ष्मण झूला इलाका, कई आश्रम और आस-पास की खूबसूरत जगहों को देख सकते हैं. अगर मौसम और समय ठीक हो, तो आप रिवर



राफ्टिंग जैसी एक्टिविटीज भी कर सकते हैं. यहां दो दिन की छोटी लेकिन यादगार ट्रिप आसानी से प्लान की जा सकती है.

आगरा, उत्तर प्रदेश: दो दिन की ट्रिप के लिए आगरा एक और बेहतरीन ऑप्शन है. दुनिया की सबसे मशहूर इमारतों में से एक, ताजमहल, इस शहर

का सबसे बड़ा आकर्षण है. आप आगरा किला और मेहताब बाग भी जा सकते हैं. शहर के लोकल बाजारों में पेठा (एक लोकल मिठाई) और हैंडीक्राफ्ट्स की शॉपिंग करना भी इस अनुभव का हिस्सा हो सकता है.

जयपुर, राजस्थान : अगर आपको

इतिहास और शाही आर्किटेक्चर पसंद है, तो जयपुर जाएं. आमेर किला, सिटी पैलेस, हवा महल और जंतर-मंतर जैसी मुख्य जगहों को दो दिन में देखा जा सकता है. इसके अलावा, राजस्थानी खाने का मजा लेना और लोकल बाजारों में शॉपिंग करना आपकी ट्रिप को और

भी खास बना सकता है.

मसूरी, उत्तराखंड : अगर आपको पहाड़ों की हरियाली पसंद है, तो आप मसूरी जा सकते हैं. आप मॉल रोड, गन हिल, कैम्ल्स बैक रोड और आस-पास की कई खूबसूरत जगहों को देख सकते हैं. मानसून के मौसम में पहाड़ खास तौर पर खूबसूरत और हरे-भरे दिखते हैं.

लोकेल पंजाबी खाना आपकी ट्रिप का

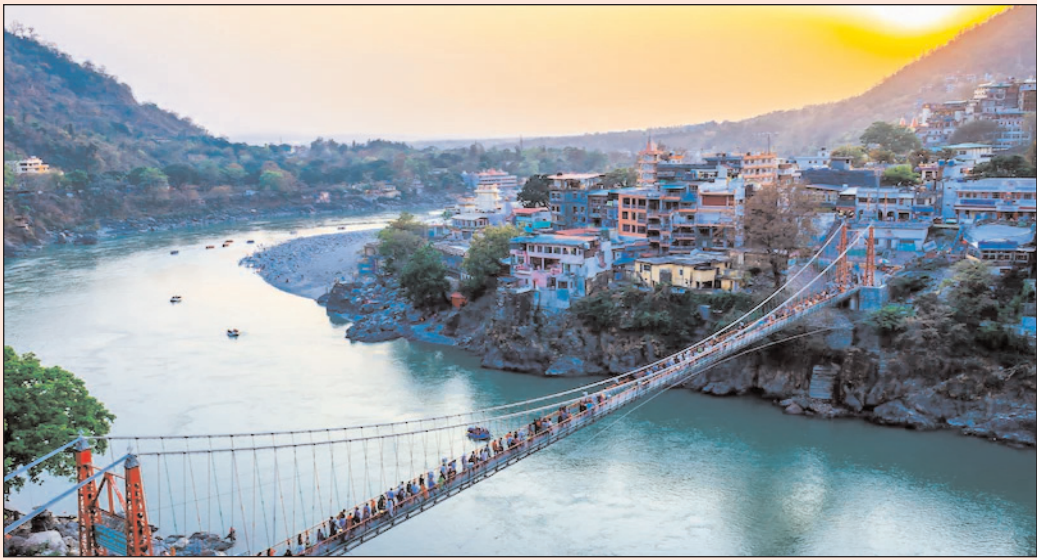
सड़क की हालत जरूर देख लें.

अमृतसर, पंजाब : अगर आप ऐसी ट्रिप चाहते हैं जिसमें आध्यात्मिकता और इतिहास दोनों हों, तो अमृतसर एक बढ़िया विकल्प है. गोल्डन टेम्पल की सुंदरता और शांत माहौल मन को शांति देते हैं. आप जलियांवाला बाग और वाघा-अटारी बॉर्डर भी जा सकते हैं.

जल्द से जल्द

मचा और बढ़ा देगा.

दो दिन की ट्रिप के लिए सबसे जरूरी बात यह है कि एक ही बार में बहुत सारी जगहों पर जाने की कोशिश न करें. अपने होटल और यात्रा के टिकट पहले से बुक कर लें, और मुख्य आकर्षणों के खुलने-बंद होने का समय जरूर देख लें. मौसम के हिसाब से अपने कपड़े और जरूरी सामान पैक करें।



‘हिप-हॉप और कमर्शियल के बीच की लाइन काफी अब धुंधली हो गई है’: एमसी स्क्वायर

मुंबई । मशहूर रैपर एमसी स्क्वायर इन दिनों रैप शो 'हसल सीजन 5' में मेंटर के तौर पर नजर आ रहे हैं। उनका मानना है कि मेनस्ट्रीम और अंडरग्राउंड म्यूजिक (मुख्यधारा से हटकर) के बीच की लाइन अब धुंधली हो गई है और अब दर्शक हर तरह के म्यूजिक को पसंद कर रहे हैं।

● **अंडरग्राउंड ही बन गया है मेनस्ट्रीम**
एमसी स्क्वायर ने बताया कि किसी गाने को उसकी लोकप्रियता या कमाई के आधार पर कमर्शियल नहीं कहा जा सकता क्योंकि अब अंडरग्राउंड म्यूजिक ही मेनस्ट्रीम बन गया है। जब एमसी स्क्वायर से पूछा गया किय क्या 'एमटीवी हसल' अभी भी एक खास वर्ग के लिए है, क्योंकि ज्यादातर लोग हिप-हॉप से ज्यादा कमर्शियल म्यूजिक सुनना पसंद करते हैं।



“कला एक ऐसी चीज है, जो अगर चार पैसे कमा ले तो उसे कमर्शियल कह दिया जाता है। मैं कमर्शियल की इस परिभाषा को नहीं मानता कि किसी खास तरह का म्यूजिक कमर्शियल है।”
— एमसी स्क्वायर

● **सभी के लिए है ये शो**
एमसी स्क्वायर ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा, “मुझे लगता है कि कला एक ऐसी चीज है, जो अगर चार पैसे कमा ले तो उसे कमर्शियल कह दिया जाता है। मैं कमर्शियल की इस परिभाषा को नहीं मानता कि किसी खास तरह का म्यूजिक कमर्शियल है।”

● **अंडरग्राउंड भी हुआ मेनस्ट्रीम**
एमसी स्क्वायर ने आगे कहा, “आजकल आपने देखा होगा कि अंडरग्राउंड म्यूजिक भी मेनस्ट्रीम म्यूजिक बन गया है। हमारे सामने ऐसे कई उदाहरण हैं। हमारे खुद के गानों में भी ऐसे कई उदाहरण हैं। तो ऐसा कुछ नहीं है कि ये किसी खास ऑडियंस के लिए है।”

● **कला सबके लिए**
उन्होंने कहा, “आपको कई बातें सुनने को मिलती हैं, कुछ अच्छी होती हैं, तो कुछ से सीखने को मिलता है और यह सभी के लिए होता है ने की किसी खास वर्ग के लिए।”

सुनिधि चौहान के करियर की हीरो निकलीं तबस्सुम, केबीसी में गायिका ने किया खुलासा

विश्व केसरी ■

मुंबई । गायिका सुनिधि चौहान आज मनोरंजन जगत का जाना-माना नाम है, लेकिन उनके करियर के शुरुआती सफर में अभिनेत्री तबस्सुम ने अहम रोल निभाया था। इस बात का खुलासा खुद सुनिधि चौहान ने क्विज रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' में किया।

क्विज रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति-18' के आगामी एपिसोड में सुनिधि चौहान मशहूर गीतकार प्रसून जोशी के साथ नजर आएंगी, जिसमें उन्होंने बताया कि तबस्सुम ही उन्हें मुंबई लेकर आई थी और दिग्गज कंजोजर कल्याणजी से मिलवाया।

गायिका ने अपने सफर की बात करते हुए बताया कि जब वह सिर्फ चार साल की थीं, तब सिंगिंग एक पैशन के तौर पर शुरू किया और धीरे-धीरे यह उनका प्रोफेशन बन गया। उन्होंने कहा, “जब मैं चार साल की थी, तब से सिंगिंग मेरे लिए सिर्फ एक पैशन था। मुझे पता भी नहीं चला कि यह कब प्रोफेशन बन गया।”

फिर सुनिधि ने उस मुलाकात को याद किया, जिसने उनकी जिंदगी का रास्ता बदल दिया। उन्होंने कहा, “एक शो में तबस्सुम जी आई थीं, तो मुझे तबस्सुम जी ने सुना। उन्होंने कहा



तुम मुंबई आओ। ‘शुरुआती मुश्किल दिनों को याद करते हुए, उन्होंने कहा कि तबस्सुम ने उन्हें घर बुलाया, उनसे गाना सुना और बाद में उन्हें कल्याणजी-आनंदजी के पास ले गई, जिनके साथ उनके बहुत करीबी रिश्ते थे। सुनिधि ने याद करते हुए कहा, ‘शुरुआत के वो बहुत ही मुश्किलों से भरे दिन हुआ करते थे।’

उन्होंने आगे बताया कि कल्याणजी ने उनके कई गाने सुने। उन्होंने कहा, ‘कल्याणजी अंकल ने एक गाना नहीं, आधा-पौना घंटा मेरे बहुत सारे गाने

सुने।’ सुनिधि ने बताया कि गाने सुनने के बाद कल्याणजी ने उनसे कहा कि अब वह दिल्ली वापस नहीं जाएंगी। इस एपिसोड में एक खास म्यूजिकल पल भी देखने को मिला, जब सुनिधि ने अमिताभ बच्चन से ‘रंग बरसे’ गाने की कुछ लाइनें गाने की रिक्वेस्ट की।

बिग बी ने उनकी बात मान ली और ये मशहूर गाना गाया और सुनिधि ने उनके साथ सुर मिलाए, जिससे पूरा स्टूडियो एक जश्न में बदल गया।

‘हमारी अधूरी कहानी’ शूट करते वक्त टूटे हुए थे इमरान, पत्नी परवीन ने बताई पीछे की कहानी

मुंबई । रोमांटिक ड्रामा फिल्म ‘हमारी अधूरी कहानी’ में अभिनेता इमरान हाशमी ने बेहतरीन अभिनय से अपनी रूढ़िवादी छवि को तोड़कर एक गंभीर, संवेदनशील और परिपक्व रोमांटिक अभिनेता के रूप में खुद को स्थापित किया है। शनिवार को अभिनेता की पत्नी परवीन ने खुलासा किया कि फिल्म की शूटिंग के दौरान अभिनेता जिंदगी के संघर्ष से गुजर रहे थे।

अभिनेता की पत्नी परवीन हाशमी ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का टाइटल ट्रेक पोस्ट किया। परवीन ने अपनी इस पोस्ट के जरिए बताया कि शूटिंग के समय ही उनके बेटे अयान का कैंसर ट्रीटमेंट चल रहा था। शूटिंग के कारण इमरान को परवीन और बेटे को छोड़कर आना पड़ा था। परवीन ने लिखा, ‘हमारी अधूरी कहानी’ का समय मुझे अच्छे से याद है, जब इमी (इमरान) को फिल्म शूटिंग के लिए जाना पड़ा था। ये उनकी सबसे

इमोशनल फिल्मों में से एक है। शूटिंग के समय हमारे बेटे अयान अपना कैंसर ट्रीटमेंट करावा रहा था और इमी को ‘हमारी अधूरी कहानी’ शूट करने के लिए जाना पड़ा। मुझे पता है कि ऑफ-स्क्रीन वो अपने दिल में क्या लेकर चल रहे थे। परवीन ने अपनी बात खत्म करते हुए बताया कि कभी कभी स्क्रीन पर जो इमोशन दिखते हैं, वे ईसान के असली भी होते हैं। उन्होंने लिखा, ‘कभी-कभी जो ऑसू आप स्क्रीन पर देखते हैं, वो एक बहुत ही सच्ची जगह से आते हैं।’

भारतीय हिंदी रोमांटिक ड्रामा फिल्म ‘हमारी अधूरी कहानी’ का निर्देशन मोहित सूरी ने किया था और निर्माण महेश भट्ट ने किया था। फिल्म निर्देशक महेश भट्ट के माता-पिता (नानाभाई भट्ट और शिरीन मोहम्मद अली) और उनकी सौतेली मां के वास्तविक जीवन के प्रेम पर आधारित है।

डिंपी के ट्रांसफॉर्मेशन पर बोलीं हर्षिता गौर, ‘अब इमोशनली समझदार और मेंटली स्ट्रॉन्ग हूं’

विश्व केसरी ■

मुंबई । अभिनेत्री हर्षिता गौर आगामी फिल्म ‘मिर्जापुर’ में फिर से डिंपी पंडित के किरदार से वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि मिर्जापुर वेब सीरीज से लेकर अब तक उनके काम में काफी ग्रोथ देखने को मिली है।

अभिनेत्री ने आगामी फिल्म ‘मिर्जापुर’ में फिर से डिंपी पंडित के किरदार के बारे में बताया कि वह अब पहले से बड़ी हो गई है। उन्होंने कहा, ‘डिंपी के किरदार में काफी ट्रांसफॉर्मेशन हुआ है, उसने अपनी जिंदगी में बहुत तरक्की की है। मिर्जापुर के हालात कुछ ऐसे हैं कि एक समय के बाद आपको खुद को चुनना होता है और डिंपी ने भी कुछ ऐसा ही किया है।’

उन्होंने आगे कहा, ‘वह इमोशनली समझदार और मेंटली मजबूत है, वह समझती है कि उसे अपनी ताकत दिखाने के लिए इस अफरा-तफरी का हिस्सा बनने की जरूरत नहीं है।’

अभिनेत्री ने आगे शो की पॉपुलैरिटी के बारे में बात की। उन्होंने कहा, ‘अगर



ये फिल्म सीधे आती तो हमें पता नहीं चलता कि दर्शक उसे कैसा रिसर्पॉन्स देंगे, लेकिन लोग पहले से ही शो के

इतने बड़े फैन हैं और इसे और ज्यादा देखना चाहते हैं। पहले सीजन वाला वही अंदाज वापस आ गया है, इसलिए मुझे

लगता है कि ये सारी चीजें इस एक्सपीरियंस को और भी बेहतर बनाएंगी।’

अभिनेत्री ने बताया कि डिंपी से उन्हें सोखने को मिला, कि चाहे कुछ भी हो जाए, अपने डायनामिक्स में नहीं फंसना चाहिए। आपको अपनी बात रखनी होगी, और आप बिना लड़ाई-झगड़े के ऐसा कर सकते हैं।

मोडिया ने अभिनेत्री से सवाल किया, ‘शो की पॉपुलैरिटी के साथ-साथ, वॉयलेंस और अब्यूसिव रिलेशन को लेकर भी कंट्रिब्यूशन हुआ है। आपके अनुसार, क्या मिर्जापुर समाज की असलियत को दिखाता है, या यह कभी-कभी वायलेंस को सेंसेशनल बनाता है?’

इस सवाल के जवाब में अभिनेत्री हर्षिता गौर ने कहा, ‘असल दुनिया फिक्शन को इंस्पायर करती है और कभी-कभी फिक्शन भी असल दुनिया को दिखाता है। इसलिए, मुझे नहीं लगता कि यह किसी चीज को सेंसेशनल बनाने के बारे में है।’

रसिका दुग्गल ने शेयर किया मेलबर्न का अनुभव, कहा- रेखा के साथ ‘उमराव जान’ देखना रहा यादगार

विश्व केसरी ■

मुंबई । अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने भारतीय फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न 2026 में ‘बेस्ट एक्ट्रेस (सीरीज)’ का पुरस्कार जीतकर नया कीर्तिनाम हासिल किया है। शनिवार को अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी मेलबर्न जर्नी के बारे में बताया।

अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने इंस्टाग्राम पर मेलबर्न फिल्म फेस्टिवल की कुछ झलकियां शेयर कीं। इसमें उनके साथ अभिनेत्री रेखा, रानी मुखर्जी और अभिनेता विजय शामिल हैं। इसके साथ ही स्ट्रेज पर पुरस्कार लेते हुए भी तस्वीर नजर आ रही है।

अभिनेत्री ने अपनी इस पोस्ट के जरिए फिल्म फेस्टिवल में यादगार पलों के बारे में बताया। साथ ही, क्लासिक उमराव जान देखने के अनुभव को याद किया और रानी मुखर्जी के बारे में एक इमोशनल किस्सा शेयर किया। लिखा, ‘लंबी फ्लाइट्स, एक के



बाद एक इवेंट्स जल्दी-जल्दी में किया गया मेकअप, मेरा कैमरा खुद कहता है कि अपना लेंस साफ करो और हेडफोन कभी मिलता ही नहीं। इन सबके एक शकुंतला वाली कहानी सुनाते हुए सुनना – जिससे मैं पूरी तरह से जुड़ पाई। पता चला हम सबकी आईएफएफएम से इंस्पायर्ड होकर लौटती हूं। मुझे एहसास होता है कि पागलपन भरी जिंदगी वाकई में

जीने लायक है। अभिनेत्री ने आगे फिल्म प्रोड्यूसर मिटू भौमिक लांगे और स्टायलिश नताशा समेत पूरी टीम का शुक्रिया अदा किया। साथ ही, बताया कि अभिनेत्री रेखा कि फिल्म उमराव का असर आज भी बरकरार है। उन्होंने लिखा, ‘रेखा जी और ऐसी ऑडियंस के साथ फिल्म उमराव जान देखना, जो फिल्म के डायलॉग पूरे कर रही थी और गानों के साथ गा रही थी। एक फिल्म का 45 साल बाद भी ऐसा असर हो सकता है। अभिनेत्री ने आगे रानी मुखर्जी की कहानी के बारे में बताते हुए लिखा, ‘रानी मुखर्जी को स्कूल के एक नाटक में शकुंतला के रोल के लिए कास्ट न होने की एक खूबसूरत कहानी सुनाते हुए सुनना – जिससे मैं पूरी तरह से जुड़ पाई। पता चला हम सबकी आईएफएफएम से इंस्पायर्ड होकर लौटती हूं। मुझे एहसास होता है कि पागलपन भरी जिंदगी वाकई में

प्यार के एक नजरिए को दिखाता है ‘रात कालिया’ सांग: शहजान पद्मसी

मुंबई । दक्षिण भारतीय अभिनेत्री शहजान पद्मसी ने गाना ‘रात कालिया’ से गायिकी में डेब्यू किया है। अभिनेत्री ने आईएनएस के साथ बातचीत में बताया कि गायन को लेकर वे पहले से पैशनेट थीं, लेकिन एक्टिंग के लिए फिल्मों के ऑफर आने लगे, जिससे ये सपना पीछे रह गया।

● **एक्टिंग का सफर अचानक शुरू हुआ**

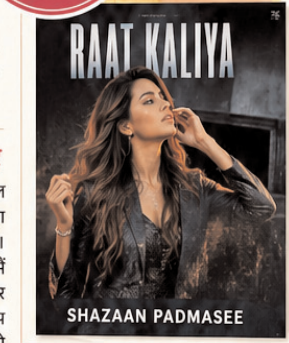
अभिनेत्री ने बताया, “एक्टिंग का सफर अनिश्चित शुरू हुआ और मुझे काम करते वक्त काफी मजा भी आ रहा था। फिर, एक के बाद बहुत सारे प्रोजेक्ट हाथ में आने लगे। ऐसा लग रहा था जैसे मैं लहर पर सर्फिंग कर रही हूँ।”

● **मां के साथ शुरू किया म्यूजिक का सफर**

शहजान पद्मसी कॉमेडी फिल्म ‘हाउसफुल 2’ में पारुल नाम के किरदार में नजर आई थीं। इसके बाद उन्हें लगा कि अब उन्हें थोड़ी क्वालिटी की ओर बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा, “मेरे अंदर एक दूसरा पहलू भी था, जिसे मैं देखना चाहती थी, तो मैंने सोचा कि चलो उस रास्ते पर चलते हैं। मेरी मां, शोरोन प्रभाकर, इंडिया की पहली पॉप स्टार्स में से एक हैं। तो मैंने मां के साथ म्यूजिक में आगे बढ़ने का फैसला किया। हम दोनों घंटों तक साथ में

अभिनेत्री ने बताया, “एक्टिंग का सफर अचानक से शुरू हुआ और मुझे काम करते वक्त काफी मजा भी आ रहा था। फिर, एक के बाद बहुत सारे प्रोजेक्ट हाथ में आने लगे। ऐसा लग रहा था जैसे मैं लहर पर सर्फिंग कर रही हूँ।”

शहजान पद्मसी कॉमेडी फिल्म ‘हाउसफुल 2’ में पारुल नाम के किरदार में नजर आई थीं। अभिनेत्री का मानना है कि इस फिल्म में काम करने के बाद ही उन्हें एहसास हुआ कि अब उन्हें थोड़ी क्वालिटी की ओर बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा, “मेरे अंदर एक दूसरा पहलू भी था, जिसे मैं देखना चाहती थी, तो मैंने सोचा कि चलो उस रास्ते पर चलते हैं। मेरी मां, शोरोन प्रभाकर, इंडिया की पहली



साँग की खास बातें
★ यह एक लव साँग है, जो प्यार के नजरिए को दिखाता है।
★ किसी रिश्ते की शुरुआत में ईसान एक दूसरे पर डिपेंडेंट होता है, कुछ वैसा ही।
★ एक परिपक्व और बदले हुए प्यार के सफर को दर्शाता है यह गाना।

पॉप स्टार्स में से एक हैं। तो मैंने मां के साथ म्यूजिक में आगे बढ़ने का फैसला किया। हम दोनों घंटों तक साथ में रियाज करते थे। अभिनेत्री ने अपनी मां का शुक्रिया अदा करते हुए बताया कि वे उनकी वजह से शहजान पद्मसी को बाहर क्लास लेने की जरूरत नहीं पड़ी। उन्होंने कहा, “मां की शिक्षिका बनना मुझे काफी अच्छा इंटरेस्टिंग है। जब भी मैं अपने दोस्तों से काम करते हैं, लेकिन मैंने सच में समय लिया और खुद से कहा कि अगर मुझे इस प्रोफेशन को सीरियसली लेना है, तो अपने हुनर पर काम करना होगा। पहले अपना पक्का करना होगा। प्रैक्टिस करना बहुत जरूरी है, और मुझे प्रैक्टिस की इस

पूरी प्रोसेस से प्यार हो गया।’

अभिनेत्री ने आगे गाना ‘रात कालिया’ के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा, “मेरा मानना है कि यह एक लव साँग है, जो प्यार के नजरिए को दिखाता है। जैसे किसी भी रिश्ते के शुरुआत में ईसान एक दूसरे पर डिपेंडेंट होता है, कुछ वैसा ही। इसमें मेरे बहुत सारे ख्याल हैं, जिसमें मैं घंटों बात कर सकती हूँ क्योंकि ये बहुत लगा। क्योंकि बेशक हम सब दिल से ही इस बारे में बात करती हूँ, तो वो भी कहते हैं कि उन्होंने भी ऐसा ही महसूस किया है। वो कहते हैं, ‘हां, मेरे साथ भी ऐसा हुआ है, मैं पहले बहुत डिपेंडेंट थी। मैं एक ईसान पर झुक जाती थी और अब मैं बहुत बदल गई हूँ।’

विदेश मंत्री एस जयशंकर आईआरआईजीसी-टीईसी के 27वें सत्र की करेंगे सह-अध्यक्षता

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर 23 और 24 अगस्त को रूस के आधिकारिक दौरे पर होंगे। इस दौरान आईआरआईजीसी-टीईसी के 27वें सत्र की सह-अध्यक्षता करेंगे और अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव के साथ मुलाकात भी प्रस्तावित है।

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने शनिवार को एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। इसके अनुसार, विदेश मंत्री 23-24 अगस्त को रूसी संघ के प्रथम उप-प्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव के निमंत्रण पर रूस की आधिकारिक यात्रा करेंगे। वे व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग पर भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग (आईआरआईजीसी-टीईसी) के 27वें सत्र की सह-अध्यक्षता करेंगे।



इसमें आगे कहा गया है कि इस यात्रा के दौरान, जयशंकर रूसी संघ के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से भी मिलेंगे और क्षेत्रीय तथा वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने जुलाई 2026 में फ्लोपींस की राजधानी मनीला में आयोजित बैठकों के दौरान रूसी विदेश मंत्री

सर्गेई लावरोव से मुलाकात की थी। बैठक का विवरण साझा करते हुए जयशंकर ने एक्स पोस्ट में कहा, 'रूस के विदेश मंत्री सर्गेई

लावरोव के साथ हमारे द्विपक्षीय संबंधों की गहन समीक्षा की गई। क्षेत्र में भारतीय नाविकों की सुरक्षा के संबंध में हमने अपनी गहरी चिंता दोहराई।'।

चर्चा में भारत-रूस साझेदारी के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया, जिनमें व्यापार और निवेश, ऊर्जा और कनेक्टिविटी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और गतिशीलता शामिल हैं। जयशंकर ने आगे कहा, 'हमने व्यापार और निवेश, ऊर्जा और कनेक्टिविटी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा गतिशीलता सहित हमारी साझेदारी के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। साथ ही यूक्रेन संघर्ष और खाड़ी देशों की स्थिति पर भी चर्चा की।'।

एमईए के अनुसार, इंटर-गवर्नमेंटल कमीशन एक ऐसा सिस्टम है जो दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक सहयोग के क्षेत्रों में हुई प्रगति पर नियमित रूप से नजर रखता है। इसे मई 1992 में व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक और तकनीकी सहयोग पर इंटर-गवर्नमेंटल कमीशन के समझौते के तहत बनाया गया था।

ट्रंप ने अपनी वैश्विक टैरिफ नीति को बताया अमेरिका की खुशहाली

विश्व केसरी■

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी वैश्विक टैरिफ नीति को अमेरिका की खुशहाली का कारण बताया। उन्होंने कहा दावा किया है कि इन शुल्कों की वजह से अमेरिका समृद्ध हुआ है और विदेशी कंपनियां अपना मैनुफैक्चरिंग कारोबार अमेरिका में स्थानांतरित करने के लिए मजबूर हुई हैं।

साउथ कैरोलिना के मर्टल बीच में आयोजित एक रिपब्लिकन रैली को संबोधित करते हुए ट्रंप ने टैरिफ को अपनी पसंदीदा नीतियों में से एक बताया। उन्होंने कहा कि इससे सरकार को राजस्व मिल रहा है और अमेरिकी लोगों के लिए नौकरियां पैदा हो रही हैं।

ट्रंप ने कहा कि यह मेरा सबसे पसंदीदा शब्द है। मुझे टैरिफ बहुत पसंद हैं। मुझे यह शब्द पसंद है। इसने हमें बेहद अमीर बना दिया है। राष्ट्रपति ने कहा कि टैरिफ की वजह से विदेशी कंपनियों के सामने



साफ विकल्प होता है। या तो वे अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले सामान पर अतिरिक्त शुल्क चुकाएं या फिर उन उत्पादों का निर्माण अमेरिका के भीतर करें। विदेशी वाहन निर्माताओं के साथ अपनी बातचीत का उदाहरण देते हुए ट्रंप ने कहा कि मैं उनसे कहता हूं, 'आपको 25 प्रतिशत टैरिफ देना होगा।' वे कहते हैं, 'हम ऐसा नहीं कर सकते।' तब मैं कहता हूं, 'ठीक है, जरूरी नहीं है। अमेरिका आइए और अपनी कारें यहीं बनाइए।' ट्रंप के अनुसार, इस नीति की वजह से साउथ कैरोलिना

और देश के अन्य हिस्सों में मैनुफैक्चरिंग और ऑटोमोबाइल क्षेत्र में रिकॉर्ड स्तर का निवेश आ रहा है।

उन्होंने दावा किया कि हमने 40 साल तक कोई नया कार कारखाना नहीं बनाया था। और अब हम अपने इतिहास में पहले से कहीं ज्यादा कार प्लांट और फैक्ट्रियां बना रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि इस समय अमेरिका में कुल 19.2 ट्रिलियन डॉलर का निवेश आ रहा है। हालांकि, उपलब्ध विवरणों के अनुसार, इस आंकड़े का पूरा ब्योरा, निवेश करने वाली कंपनियों के नाम या समय अवधि की जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि अभी अमेरिका में 19.2 ट्रिलियन डॉलर का निवेश हो रहा है। किसी भी देश में किसी भी समय इतना निवेश नहीं हुआ है। ट्रंप ने इस निवेश को निर्माण क्षेत्र में बढ़ती नौकरियों से भी जोड़ा। उन्होंने कहा कि पूरे देश में सैकड़ों, और संभवतः हजारों, फैक्ट्रियां बनाई जा रही हैं।

संक्षिप्त खबर

अमेरिकी अदालत ने ट्रंप प्रशासन को 1.7 करोड़ कर्मशियल ड्राइवों के संवेदनशील डेटा हासिल करने से रोका

विश्व केसरी■

वॉशिंगटन। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने ट्रंप प्रशासन को 1.7 करोड़ से ज्यादा कर्मशियल ड्राइवों की निजी जानकारी वाला डेटाबेस हासिल करने से रोक दिया है। जज ने इस पर अस्थायी रोक लगाई है। डेटाबेस में ड्राइवों के सोशल सिन्क्रोटी नंबर और ड्राइविंग लाइसेंस नंबर जैसी संवेदनशील जानकारी शामिल है। अदालत ने प्रशासन को अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ मोटर व्हीकल एडमिनिस्ट्रेटर्स की 10 मिलियन डॉलर से ज्यादा की फेडरल फंडिंग रोकने से भी मना किया है। वर्जीनिया के अटॉर्नी जनरल जय जोन्स और कई राज्यों के अटॉर्नी जनरल के एक समूह ने अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ ट्रांसपोर्टेशन, फेडरल मोटर कैरियर सेफ्टी एडमिनिस्ट्रेशन और डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिन्क्रोटी की मांगों को चुनौती दी थी। वर्जीनिया के अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने बताया कि कोर्ट के आदेश से ट्रांसपोर्टेशन डिपार्टमेंट को रिकॉर्ड हासिल करने से अस्थायी रूप से रोक दिया गया है और कानूनी कार्यवाही चलने तक होमलैंड सिन्क्रोटी के समन पर भी रोक लगा दी गई है। जोन्स ने कहा, 'लाखों कर्मशियल ड्राइवों की प्राइवैसी को सुरक्षा के लिए फेडरल कोर्ट का अस्थायी रोक का आदेश एक बड़ी जीत है।'।



युद्ध के बीच ईरान ने बढ़ाई हथियार बनाने की रफ्तार, उत्पादन दोगुना करने का दावा

नई दिल्ली। ईरान के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल रजा तलाइ-निक ने दावा किया है कि देश की रक्षा उत्पादन क्षमता मजबूत बनी हुई है। पिछले एक साल में हथियारों और सैन्य उपकरणों का उत्पादन दोगुना हुआ है। इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) की रिपोर्ट के अनुसार, डिफेंस और आर्म्ड फोर्सेज लॉजिस्टिक्स मंत्रालय के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल रजा तलाइ-निक ने कहा कि देश की ताकत को मजबूत करना उन विदेशी शक्तियों का मुकाबला करने के लिए जरूरी है जो ईरान की स्वतंत्रता को कमजोर करना चाहती हैं।



आईआरएनए के अनुसार, शुक्रवार देर रात एक साक्षात्कार में रक्षा मंत्रालय और सशस्त्र बल लॉजिस्टिक्स के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल रजा तलाइ-निक ने कहा कि ईरान का रक्षा उद्योग राष्ट्रीय सुरक्षा और सैन्य तैयारी का एक महत्वपूर्ण आधार बन गया है। उन्होंने बताया कि देश में बने हथियारों और गोला-बारूद का तेजी से उत्पादन और जरूरत पड़ने पर उनकी तुरंत भरपाई करने की क्षमता इस उद्योग की सबसे बड़ी ताकतों में से एक है। उन्होंने बताया कि ईरान की रक्षा उत्पादन क्षमता मैदान में हथियारों और सैन्य उपकरणों के इस्तेमाल के साथ-साथ लगातार काम करती रही है, जिससे जरूरत पड़ने पर आपूर्ति जल्दी बहाल की जा सकती है। आईआरएनए के अनुसार, तलाइ-निक ने कहा कि 12 दिन के युद्ध के दौरान ईरान के रक्षा उद्योग के कुछ सीमित हिस्सों पर हमले हुए थे, इसके बावजूद पिछले एक वर्ष में रक्षा हथियारों और उपकरणों का उत्पादन दोगुना हो गया।

उत्तर कोरिया ने जापान के रिकॉर्ड रक्षा बजट को बताया 'युद्ध की तैयारी'

विश्व केसरी■

सोल। उत्तर कोरिया ने शनिवार को जापान के अगले वित्त वर्ष के लिए प्रस्तावित रिकॉर्ड रक्षा बजट की कड़ी आलोचना की। उन्होंने इसे "युद्ध की तैयारी" करार दिया। प्योंगयांग ने चेतावनी दी कि वह जापान के सैन्य विस्तार का "पूरी ताकत से मुकाबला" करेगा।



योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, जापान के मंत्रालय ने बुधवार को अगले वित्त वर्ष के लिए 8.9 ट्रिलियन येन (लगभग 60 अरब डॉलर यानी 5.74 लाख करोड़ रुपये) के रिकॉर्ड रक्षा बजट का अनुरोध किया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वर्ष के अंत में अंतिम बजट करीब 10 ट्रिलियन येन तक पहुंच सकता है।

उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए ने रोडोंग सिनमुन में प्रकाशित एक टिप्पणी के हवाले से कहा कि जापान के सैन्य बजट में यह भारी

वृद्धि क्षेत्र और दुनिया में "नए तनाव" को जन्म देने वाला खतरनाक कदम है। उत्तर कोरिया ने आरोप लगाया कि जापान का बढ़ता सैन्य खर्च केवल रक्षा के लिए नहीं, बल्कि "आक्रामक अंदाज" में युद्ध की तैयारियों" को पूरा करने के लिए हथियारों के जमावड़े का हिस्सा है। प्योंगयांग ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय जापान के सैन्य विस्तार को स्वीकार नहीं करेगा और इसका मिलकर मुकाबला किया जाएगा। केसीएनए की टिप्पणी में जापान द्वारा अमेरिका निर्मित टॉमहॉक

मिसाइलों को शामिल किए जाने की भी निंदा की गई। उत्तर कोरिया ने जापान के बढ़ते सैन्य खर्च पर सवाल उठाते हुए उसके राष्ट्रीय कर्ज का भी उल्लेख किया, जो पिछले साल के अंत में रिकॉर्ड 1,343 ट्रिलियन येन बताया गया था।

प्योंगयांग ने जापान के इस तर्क को भी खारिज किया कि सैन्य क्षमता का विस्तार "रक्षा" और "आत्मरक्षा" के लिए है। उत्तर कोरिया के अनुसार, भारी मात्रा में सरकारी धन खर्च करने का उद्देश्य शांतिपूर्ण राष्ट्र का निर्माण करना नहीं हो सकता। जापान का रक्षा बजट बढ़ाने का कदम ऐसे समय आया है जब पूर्वी एशिया में सुरक्षा चिंताएं लगातार बढ़ रही हैं। जापान अपनी लंबी दूरी की मिसाइल क्षमता और अन्य सैन्य क्षमताओं को मजबूत कर रहा है। इसी क्रम में मार्च 2026 में कुमामोटो में लंबी दूरी की मिसाइलों की तैनाती से जुड़े कदम भी उठाए गए थे।

जेडी वेंस ने ओहियो में स्टील के लिए की एक बिलियन डॉलर के निवेश की घोषणा

विश्व केसरी■

वॉशिंगटन। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने घोषणा की है कि क्लिवलैंड-क्लिफ्स कंपनी ओहियो के मिडलटाउन स्थित अपने स्टील उत्पादन केंद्र में एक अरब डॉलर का निवेश करेगी। उन्होंने इस परियोजना को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिकी मैनुफैक्चरिंग क्षेत्र में हो रहे व्यापक सुधार का उदाहरण बताया।



अपने गृह नगर के मिडलटाउन वर्क्स संयंत्र में बोलते हुए वेंस ने कहा कि यह निवेश प्लांट को आधुनिक बनाएगा, मौजूदा नौकरियों की सुरक्षा करेगा और नए रोजगार के अवसर भी पैदा करेगा।

वेंस ने कहा, 'हम आज यह घोषणा करने के लिए यहां हैं कि क्लिवलैंड-क्लिफ्स मिडलटाउन, ओहियो में हमारे अपने शहर में बदलाव लाने वाली मैनुफैक्चरिंग के लिए एक अरब डॉलर का निवेश

कर रही है।' उन्होंने कहा कि कंपनी अपने आयनर बनाने वाले फर्नेस को अपग्रेड करेगी और संचालन को बेहतर बनाने के साथ-साथ क्षेत्र में हवा की गुणवत्ता सुधारने के लिए नई तकनीक लाएगी। वेंस ने कहा, 'हम फर्नेस के संचालन को बेहतर बनाने और मिडलटाउन की हवा की गुणवत्ता सुधारने के लिए अत्याधुनिक नई तकनीक लागू करने जा रहे हैं।'। उपराष्ट्रपति ने इस परियोजना को ट्रंप प्रशासन की व्यापार, ऊर्जा

और आब्रजन नीतियों से जोड़ा। उनका कहना था कि कई दशकों तक अमेरिका ने विनिर्माण उद्योग को ऐसे देशों में जाने दिया जहां सस्ता श्रम उपलब्ध था और श्रमिकों को कम सुविधाएं मिलती थीं।

वेंस ने कहा कि मिडलटाउन ने भी इसका असर देखा, जब कारखाने बंद हुए या उनका उत्पादन चीन और मेक्सिको जैसे देशों में स्थानांतरित कर दिया गया।

वेंस ने कहा कि टैरिफ और अपग्रेड करेगी और संचालन को बेहतर बनाने के साथ-साथ क्षेत्र में हवा की गुणवत्ता सुधारने के लिए नई तकनीक लाएगी। वेंस ने कहा, 'हम फर्नेस के संचालन को बेहतर बनाने और मिडलटाउन की हवा की गुणवत्ता सुधारने के लिए अत्याधुनिक नई तकनीक लागू करने जा रहे हैं।'।

उपराष्ट्रपति ने इस परियोजना को ट्रंप प्रशासन की व्यापार, ऊर्जा और आब्रजन नीतियों से जोड़ा। उनका कहना था कि कई दशकों तक अमेरिका ने विनिर्माण उद्योग को ऐसे देशों में जाने दिया जहां सस्ता श्रम उपलब्ध था और श्रमिकों को कम सुविधाएं मिलती थीं।

अमेरिका की बाकी नीतियों की तरह ही नाकाम रहेगा 'आर्थिक दबाव' अभियान : अराघची

विश्व केसरी■

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा है कि अमेरिका की ओर से ईरान के खिलाफ शुरू किया गया आर्थिक दबाव अभियान भी उसकी बाकी नाकाम रहेगा।

अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, '14 साल पहले: 'इतिहास के सबसे कड़े प्रतिबंध' नाकाम रहे। आठ साल पहले: 'अधिकतम दबाव' नाकाम रहा। पांच महीने पहले: 'विना शर्त आत्मसमर्पण' नाकाम रहा। आज: 'अब तक का सबसे कठोर आर्थिक अभियान' यह भी नाकाम रहेगा।'

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को घोषणा की कि ईरान को सहयोग करने वाले किसी भी



देश के खिलाफ 'अब तक का सबसे कठोर आर्थिक अभियान' चलाया जाएगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'सुथ सोशल' पर लिखा, 'यह अभूतपूर्व स्तर का आर्थिक युद्ध और अलगाव होगा।' उन्होंने इस कदम को 'इकोनॉमिक डी-डे' भी बताया।

इससे पहले ईरान के कानूनी और अंतरराष्ट्रीय मामलों के उपविदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा था कि अमेरिका ने 'आर्थिक युद्ध' के नाम पर ईरान पर और दबाव बना रहा है। उनके

मुताबिक, यह वॉशिंगटन की पिछली नाकामियों को छिपाने की कोशिश है। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए के अनुसार, गरीबाबादी ने सोशल मीडिया का दावा कि एक तरफ अमेरिका दावा कर रहा है कि ईरान 'गिरने की कगार पर है', लेकिन दूसरी तरफ वह अपने सभी सहयोगी देशों से मदद मांग रहा है। उन्होंने कहा कि अपनी नाकामी छिपाने के लिए अमेरिका को उससे भी बड़ी नाकामी पैदा करनी पड़ेगी। उनका कहना था कि सैन्य कार्रवाई से कोई नतीजा नहीं निकला, इसलिए अब वॉशिंगटन अगली हार को 'आर्थिक युद्ध' का नाम दे रहा है।

18 जून को अमेरिका और ईरान ने क्षेत्र में चल रहे संघर्ष को सभी मोर्चों पर खत्म करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे। इसमें लेबनान से जुड़ा मोर्चा भी शामिल था।

ईरान अब मजबूत स्थिति में है, युद्ध खत्म करना बेहतर : ईरानी राष्ट्रपति पेजेरिकयन

विश्व केसरी■

तेहरान। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेरिकयन ने शुक्रवार को कहा कि अब युद्ध को समाप्त करना बेहतर है क्योंकि ईरान मजबूत और सम्मान की स्थिति में है। ईरानी राष्ट्रपति की तरफ से ये बयान हाल ही में अमेरिका और ईरान के बीच 60 दिनों की डेडलाइन पूरी होने के बाद सामने आया है। वहीं, दूसरी तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ सख्ती से प्रतिबंधों को लागू करने की बात कर रहे हैं।



राष्ट्रपति पेजेरिकयन ने राजधानी तेहरान में ईरानी मेडिकल सोसाइटी के इस्लामिक एसोसिएशन की 31वीं महासभा में ताजा बयान दिया है। उनके

कार्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित एक बयान के अनुसार, ईरानी राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ युद्ध किसी न किसी मोड़ पर खत्म होना ही चाहिए। उन्होंने कहा, 'बेहतर है कि हम आज ही युद्ध समाप्त कर दें जब हम शक्ति और सम्मान की स्थिति

में हैं और पूरी दुनिया हमारी जीत को स्वीकार कर रही है और इस बात पर जोर दे रही है कि संयुक्त राज्य अमेरिका की काफी आलोचना कर रही है।' न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, पेजेरिकयन ने जून में ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच हस्ताक्षरित ज्ञापन समझौते को सम्मानजनक और मूल्यवान बताया और इस बात पर जोर दिया कि समझौते का एक भी प्रावधान आत्मसमर्पण को सुझाव नहीं देता है और सभी दायित्व दूसरे पक्ष पर हैं।

कनाडा के गुरुद्वारे में दो लोगों पर चाकू से हमला, पुलिस ने शुरु की जांच

विश्व केसरी■

एडमोंटन। कनाडा के अल्बर्टा प्रांत में एक गुरुद्वारे के अंदर एक शख्स ने दो लोगों पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस और समुदाय के प्रतिनिधियों के अनुसार, घटना के समय गुरुद्वारे के अंदर शादी समारोह से पहले सुबह की प्रार्थना चल रही थी।

यह हमला एडमोंटन शहर के उत्तर-पूर्वी बाहरी इलाके में स्थित नानकसर गुरुसिख मंदिर गुरुद्वारे में सुबह करीब पांच बजे हुआ। एडमोंटन पुलिस सेवा ने बताया कि 14 स्ट्रीट और हॉर्सहिल रोड के पास हुई इस घटना की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मौके से व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। मौके पर पहुंचे मेडिकल स्टाफ ने दोनों घायलों का इलाज किया। उनके अनुसार दोनों को गंभीर चोट आई है।

हमला किस वजह से किया गया इसकी जानकारी अभी पुलिस को नहीं मिली है।



पुलिस ने रॉजश के चलते हमले के आरोप में बाबा दर्ज कर जांच शुरू की है। मंदिर के प्रतिनिधि हरमोक सहगल ने बताया कि एक व्यक्ति गुरुद्वारे में दाखिल हुआ और सुबह की उस अरदास में बाधा डाली जो दिन में बाद में होने वाली शादी से

बताया कि एक व्यक्ति गुरुद्वारे में दाखिल हुआ और सुबह की उस अरदास में बाधा डाली जो दिन में बाद में होने वाली शादी से

पहले की जा रही थी। ग्लोबल न्यूज के मुताबिक, सहगल ने कहा, 'वह अंदर आया और उसने हमला किया। हमारी सुबह की अरदास रुक गई। जो लोग अरदास कर रहे थे, उन्होंने उस व्यक्ति को देखा। वह किसी सामान्य आगंतुक जैसा नहीं लग रहा था।'

सहगल के अनुसार, अरदास कर रहे लोगों ने शुरुआत में उस व्यक्ति से बात करने की कोशिश की, लेकिन उसने सहयोग नहीं किया। वह किसी की बात नहीं सुन रहा था। इसलिए लोगों ने उसे शांत करने और काबू में करने की कोशिश की, लेकिन उसने विरोध शुरू कर दिया। उसी समय पुलिस को बुलाया गया। इसी झड़प के दौरान उसने दो लोगों को चाकू मार दिया।

सहगल ने कहा कि समुदाय के लोग अब जांच एजेंसियों की रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं ताकि पता चल सके कि यह घटना क्यों और किन परिस्थितियों में हुई।

पूरे शहर के मुख्य मार्ग और सार्वजनिक स्थानों पर जानवरों का जमावड़ा दुर्घटना की आशंका

विश्व केसरी ■

बेमेतरा (अर्निन त्रिपाठी)। शहर की सड़कों पर खुले में विचरण करने वाले मवेशी अब यातायात व्यवस्था और सड़क सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं। नगर के प्रमुख बाजार, सार्वजनिक स्थान और मुख्य मार्गों पर दिनभर मवेशियों का जमावड़ा रहता है। सदर बाजार रोड, सब्जी मार्केट, गौरवपथ, दुर्गा रोड, रायपुर रोड, कवर्धा रोड, कचहरी पारा, कलेक्ट्रेट कार्यालय के सामने मुख्य मार्ग सहित कॉलेज क्षेत्र में सड़क पर बैठे और घूमते मवेशी आसानी से नजर आ जाते हैं। इसके बावजूद स्थानीय निकाय प्रशासन की ओर से इनके स्थायी व्यवस्थापन को लेकर अब तक ठोस पहल नजर नहीं आ रही है।

सड़क सुरक्षा बैठकें हो रही, लेकिन मवेशियों की समस्या जस की तस

जिला प्रशासन की ओर से सड़क सुरक्षा को लेकर नियमित रूप से बैठकें आयोजित की जाती हैं।



दुर्घटनाओं को रोकने, यातायात व्यवस्था सुधारने और सड़क पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देश भी दिए जाते हैं। लेकिन शहर की सड़कों पर खुले में घूमने वाले मवेशियों की समस्या पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से सड़क सुरक्षा के दावों पर सवाल उठ रहे हैं। सड़क पर बैठे मवेशियों के कारण वाहन चालकों को अचानक ब्रेक लगाना पड़ता है। कई बार वाहन चालक मवेशियों को बचाने के प्रयास में अपना संतुलन खो देते हैं।

सिग्नल चौक से कलेक्ट्रेट मार्ग तक खतरा

सिग्नल चौक से कलेक्ट्रेट कार्यालय की ओर जाने वाले मार्ग समेत शहर के करीब दर्जनभर स्थान ऐसे हैं, जहां सड़क पर मवेशियों का बैठना आम हो गया है। सबसे गंभीर स्थिति सिग्नल चौक के आसपास दिखाई देती है। चौक के बीच में ही मवेशियों के बैठ जाने से वाहन चालकों को उनके बीच से रास्ता निकालना पड़ता है। व्यस्त समय में यहां यातायात का दबाव बढ़ने पर दुर्घटना की आशंका और बढ़ जाती है।

नो एनिमल जोन में भी मवेशियों का जमावड़ा

शहर के प्रमुख हिस्सों को यातायात की दृष्टि से व्यवस्थित रखने के लिए नो एनिमल जोन जैसी व्यवस्थाओं की जरूरत को देखते हुए कलेक्टर बंगला और सिग्नल चौक में नो एनिमल जोन का बोर्ड लगाया है, लेकिन व्यवहार में मुख्य मार्गों पर मवेशियों का जमावड़ा बना हुआ है। बाजार क्षेत्रों में दुकानों के बाहर खाद सामग्री और सब्जियों के कारण भी मवेशी आकर्षित होते हैं। दिन में बाजार के बीच और रात में मुख्य सड़कों पर इनके झुंड नजर आते हैं।

वाहन चालकों के लिए अचानक बनता है खतरा

सड़क पर बैठे मवेशी दूर से स्थिर नजर आते हैं, लेकिन वाहन नजदीक पहुंचने पर अचानक उठकर सड़क के बीच आ जाते हैं। खासकर दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह स्थिति खतरनाक साबित हो सकती है। रात के समय अंधेरे में सड़क पर बैठे काले

या गहरे रंग के मवेशी दिखाई नहीं देने से दुर्घटना का खतरा और बढ़ जाता है। मुख्य मार्गों पर भारी वाहनों की आवाजाही के बीच मवेशियों का बैठे रहना भी गंभीर जोखिम पैदा करता है।

कांजी हाउस भेजने के बाद फिर लौट रहे मवेशी

नगर पालिका का कहना है कि सड़क पर घूमने वाले मवेशियों को पकड़ने के लिए पहले भी अभियान चलाए गए हैं। काउ कैचर के माध्यम से मवेशियों को पकड़कर कांजी हाउस में रखा गया है। इसके बावजूद कुछ समय बाद सड़कों पर फिर बड़ी संख्या में मवेशी नजर आने लगते हैं। इससे स्पष्ट है कि केवल अभियान चलाकर मवेशियों को पकड़ना समस्या का स्थायी समाधान नहीं है।

● नगर पालिका सीएमओ नरेश वर्मा ने बताया कि सड़क पर घूमने वाले मवेशियों को लगातार काउ कैचर के माध्यम से पकड़कर कांजी हाउस में रखा गया है। इसके बावजूद इनकी संख्या फिर बढ़ जाती है। आने वाले दिनों में विशेष अभियान चलाकर सड़क पर घूमने वाले मवेशियों को पकड़ा जाएगा और कांजी हाउस भेजा जाएगा।

शक्कर-प्याज के दामों में भारी उछाल, रसोई का बिगड़ा बजट

विश्व केसरी ■

कांकेर (रोहित शर्मा)। खाद्य सामग्री की लगातार बढ़ती कीमतों ने आम आदमी की परेशानी एक बार फिर बढ़ा दी है। पिछले करीब महिन भर के दौरान प्याज और शक्कर के दामों में तेजी से बढ़ोतरी होने से कमजोर और मध्यम वर्ग के परिवारों का रसोई बजट प्रभावित हुआ है। लोगों का कहना है कि प्याज की कीमत करीब 30 रुपये से बढ़कर 60 रुपये तथा शक्कर की कीमत 40 रुपये से बढ़कर करीब 65-70, 80 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है। हालांकि, अलग-अलग क्षेत्रों में कीमतों में अंतर देखा जा सकता है।

कम समय में कीमतों में हुई इस बढ़ोतरी से उपभोक्ताओं में नाराजगी है। लोगों का कहना है कि रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ने से घरेलू खर्च संभालना मुश्किल होता जा रहा है। प्याज की बढ़ी कीमतों को लेकर लोगों में चर्चा है कि पहले प्याज काटने पर आंखों से आंसू निकलते थे, अब किराने की दुकान पर उसका भाव सुनकर ही आंखों में आंसू आ जाते हैं। वहीं शक्कर के बढ़ते दामों ने उसकी मिठास को भी कड़वाहट में



बदल दिया है।

एथेनॉल उत्पादन को लेकर भी लोगों के बीच कई सवाल

शक्कर की कीमतों में तेजी के बीच एथेनॉल उत्पादन को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं। कुछ जानकारों का कहना है कि पेट्रोलियम पदार्थों में एथेनॉल मिश्रण को बढ़ावा देने के लिए गन्ने का इस्तेमाल बढ़ा है, जिससे गन्ने की उपलब्धता का एक बड़ा हिस्सा एथेनॉल उत्पादन में जा रहा है। उनका तर्क है कि यदि खाद्य उपयोग और औद्योगिक उपयोग के बीच संतुलन नहीं रखा गया तो चीनी की उपलब्धता और कीमतों पर प्याज की बढ़ी कीमतों को लेकर लोगो में चर्चा है कि पहले प्याज काटने पर आंखों से आंसू निकलते थे, अब किराने की दुकान पर उसका भाव सुनकर ही आंखों में आंसू आ जाते हैं। वहीं शक्कर के बढ़ते दामों ने उसकी मिठास को भी कड़वाहट में

मोपालपट्टनम में कमिश्नर डोमन सिंह ने कार्यालयों का किया निरीक्षण

विश्व केसरी ■

बीजापुर (के. संतोष)। कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह ने संभाग के दूरस्थ क्षेत्र भोपालपट्टनम पहुंचकर एसडीएम, तहसील सहित विभिन्न शासकीय कार्यालयों का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यालयीन व्यवस्थाओं, राजस्व प्रकरणों के निराकरण और अभिलेखों के संधारण की स्थिति की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को राजस्व प्रकरणों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। तहसील के रिकॉर्ड रूम का अवलोकन करते हुए उन्होंने अभिलेखों के सुरक्षित और व्यवस्थित रख-रखाव पर विशेष जोर दिया। उन्होंने रिकॉर्ड रूम को निर्वाचन के स्टूंग रूम की तर्ज पर सुरक्षित एवं व्यवस्थित रूप से तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि भू-स्वामियों के रिकॉर्ड सहित महत्वपूर्ण राजस्व दस्तावेज सुरक्षित रह सकें। कमिश्नर ने प्रस्तावित भू-अर्जन क्षेत्र में भूमि के क्रय-विक्रय पर नियमानुसार प्रतिबंध की कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। अवार्ड पारित हो चुके भू-अर्जन प्रकरणों में राजस्व अभिलेखों का आवश्यक दुरुस्तीकरण समय पर करने तथा राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के प्रकरणों का संवेदनशीलता के साथ त्वरित निराकरण कर पात्र परिवारों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

इसके बाद कमिश्नर ने जनपद पंचायत भोपालपट्टनम का निरीक्षण



रह सकें। कमिश्नर ने प्रस्तावित भू-अर्जन क्षेत्र में भूमि के क्रय-विक्रय पर नियमानुसार प्रतिबंध की कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। अवार्ड पारित हो चुके भू-अर्जन प्रकरणों में राजस्व अभिलेखों का आवश्यक दुरुस्तीकरण समय पर करने तथा राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के प्रकरणों का संवेदनशीलता के साथ त्वरित निराकरण कर पात्र परिवारों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

इसके बाद कमिश्नर ने जनपद पंचायत भोपालपट्टनम का निरीक्षण

कुर्रा-सोनसिल्ली मार्ग पर स्थित रेलवे अंडरब्रिज में 3 फीट पानी, कांग्रेस-छात्रों और ग्रामीणों का हल्लाबोल

विश्व केसरी ■

राजिम (शेखर मिश्रा)। कुर्रा-सोनसिल्ली मार्ग पर स्थित गोबरा रेलवे अंडरब्रिज में करीब 3 फीट पानी भरने से ग्रामीणों का आक्रोश अब सड़क पर उतर आया है। शुक्रवार को जिला पंचायत सदस्य यशवंत साहू के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं, छात्र-छात्राओं, किसानों और ग्रामीणों ने अंडरब्रिज के भीतर पानी में उतरकर अनोखा धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने रेलवे प्रशासन और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए जल्द पानी निकासी की मांग की।

तीन फीट पानी में उतरे प्रदर्शनकारी, व्यवस्था पर उठाए सवाल

अंडरब्रिज में घुसते ही प्रदर्शनकारियों ने करीब तीन फीट गहरे पानी के बीच खड़े होकर विरोध दर्ज कराया। जिला पंचायत सदस्य यशवंत साहू भी स्वयं पानी में उतरे और ग्रामीणों की समस्या



को लेकर जिम्मेदारों के खिलाफ आवाज बुलंद की। प्रदर्शन के दौरान रेलवे और प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर जलभराव की समस्या दूर करने की मांग की गई, बिजली बिल बकाया है।

पंप हाउस बंद होने से बना जलभराव का संकट

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि रेलवे द्वारा वर्ष 2024 से बिजली का लाखों रुपये का बिल बकाया रखा गया है। इसी वजह से विद्युत विभाग ने बिजली कनेक्शन काट दिया, जिसके बाद अंडरब्रिज से



पानी निकालने वाला पंप हाउस बंद पड़ा है। ग्रामीणों का कहना है कि रेलवे को इस संबंध में विद्युत विभाग द्वारा पत्र भी दिया जा चुका है, लेकिन अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है।

छात्रों, किसानों और मरीजों की राह हुई मुश्किल

अंडरब्रिज में लगातार पानी भरे रहने से आसपास के दर्जनों गांवों के लोगों की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों के अनुसार छात्र-छात्राओं को स्कूल पहुंचने, किसानों को मंडी जाने और

आम लोगों को गोबरा नवापाय तथा राजिम आने-जाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गंभीर मरीजों को अस्पताल ले जाना भी मुश्किल हो गया है।

5-6 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाने को मजबूर ग्रामीण

जलभराव के कारण लोगों को वैकल्पिक रास्तों से करीब 5 से 6 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है। इससे समय और ईंधन दोनों की बर्बादी हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि रोजमर्रा की आवाजाही के लिए महत्वपूर्ण

थाना सीतापुर के एक करोड़ के उठाईगिरी के मामले में शामिल आरोपी गंजाम उड़ीसा से किया गया गिरफ्तार

विश्व केसरी ■

सरगुजा। प्रार्थी अरूणदेव सोनी थाना सीतापुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि हाईस्कूल सीतापुर के पास इनकी कांशी विश्वनाथ ज्वेलर्स दुकान संचालित है। 26 जुलाई 2026 के करीबन 11:30 बजे सुबह अपनी स्कूटी में ज्वेलर्स का बैग लेकर अपनी दुकान खोलने गया था। (भा.पु.से.) के मार्गदर्शन में एवं दुकान के पास स्कूटी में ज्वेलर्स बैग को रखकर दुकान का शटर खोल रहा था, इसी दौरान अज्ञात व्यक्ति के द्वारा स्कूटी के सामने रखे बैग को लेकर भाग गये। चोरी किये गये सोने-चांदी की ज्वेलर्स की कीमत अनुमानित करीब एक करोड़ है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना सीतापुर में अपराध क्रमांक 296/2026 धारा 303(2) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

मामले कों संज्ञान में लेकर पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रंज दीपक कुमार झा



के मार्गदर्शन में एवं दुकान के पास स्कूटी में ज्वेलर्स बैग को रखकर दुकान का शटर खोल रहा था, इसी दौरान अज्ञात व्यक्ति के द्वारा स्कूटी के सामने रखे बैग को लेकर भाग गये। चोरी किये गये सोने-चांदी की ज्वेलर्स की कीमत अनुमानित करीब एक करोड़ है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना सीतापुर में अपराध क्रमांक 296/2026 धारा 303(2) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

मामले कों संज्ञान में लेकर पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रंज दीपक कुमार झा

अंतागढ़-नारायणपुर बढहाल सड़क पर सांसद ने ली बैठक

विश्व केसरी ■

अंतागढ़ (डम्पी खान)। अंतागढ़-नारायणपुर निर्माणाधीन सड़क की बढहाली और भारी वाहनों के लगातार आवागमन से पैदा हुई समस्या को लेकर शनिवार को फॉरेस्ट रेस्ट हाउस में सांसद भोजराज नाग ने सड़क ठेकेदार एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ आवश्यक बैठक की। बैठक में अंतागढ़ एसडीएम राहुल रजक, एडिशनल एसपी आशीष बंछोर सहित पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारी और सड़क निर्माण एजेंसी से जुड़े प्रतिनिधि मौजूद रहे।

सांसद भोजराज नाग ने कहा कि सड़क की स्थिति बेहद खराब हो चुकी है और इसका सीधा असर आम लोगों, ग्रामीणों, स्कूली बच्चों तथा यात्री बसों के संचालन पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जब तक



सड़क का निर्माण पूरा नहीं हो जाता, तब तक माईस से माल परिवहन करने वाले भारी वाहनों के आवागमन को रोकना आवश्यक है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से इस दिशा में तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने को कहा सांसद ने स्पष्ट रूप से कहा कि सड़क का निर्माण जल्द से जल्द पूरा किया जाए और निर्माण होने तक माईस की भारी मात्रा में काटकर सड़क पर पड़ने से अधिक खराब न हो तथा आम

लोगों को राहत मिल सके।

ठेकेदार की मनमानी का आरोप

बैठक के दौरान सड़क निर्माण कार्य को लेकर ठेकेदार की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए गए। पीडब्ल्यूडी के एसडीओ मिलिंद ने ठेकेदार पर मनमानी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि विभाग की ओर से ठेकेदार के साथ समन्वय बनाकर कार्य कराने का त्वरित निराकरण पर जोर बैठक में कमिश्नर ने मुख्यमंत्री हेल्थलाइन से प्राप्त शिकायतों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए।

बस्तर मुन्ने ने शत-प्रतिशत सैचुरेशन पर जोर कमिश्नर ने अधिकारियों को दिए निर्देश

विश्व केसरी ■

बीजापुर (के. संतोष)। बस्तर संभाग के कमिश्नर डोमन सिंह ने बीजापुर प्रवास के दौरान इंद्रावती सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने जिले में संचालित शासकीय योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए 'बस्तर मुन्ने' के तहत शत-प्रतिशत सैचुरेशन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतितम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने सभी पात्र हितग्राहियों की पोर्टल में एंटी पूर्ण करने के साथ राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, बीबीजी रायजी कार्ड, श्रम कार्ड, प्रधानमंत्री आवास सहित 'बस्तर मुन्ने' के अंतर्गत चिह्नित सभी 31 सेवाओं का पात्र हितग्राहियों को शत-प्रतिशत लाभ दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से सैचुरेशन में आ रही समस्याओं की जानकारी ली और उनके निराकरण के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया। राजस्व मामलों के त्वरित निराकरण पर जोर बैठक में कमिश्नर ने मुख्यमंत्री हेल्थलाइन से प्राप्त शिकायतों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए।



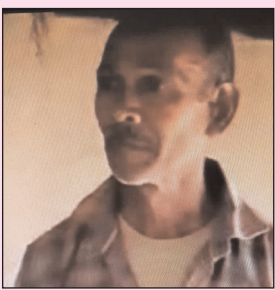
थाना लुण्ड्रा अंतर्गत हत्या के प्रयास के मामले में अदालत का बड़ा फैसला, आरोपी 10 वर्ष के कठोर कारावास से दण्डित

विश्व केसरी ■

सरगुजा। थाना लुण्ड्रा क्षेत्र के ग्राम गेरसा में गत वर्ष हुए हत्या के प्रयास के मामले में माननीय द्वितीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, अंबिकापुर के न्यायालय ने 21 अगस्त 2026 को महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए मामले के आरोपी 01 परेवा राम उर्फ प्रेम राम आत्मज स्व बागर साय उम्र 60 वर्ष साकिन गेरसा महुआपारा थाना लुण्ड्रा जिला सरगुजा (छ.ग.) को हत्या के प्रयास के अपराध में 10 वर्ष के कठोर कारावास एवं 1000/- रुपये अर्थदंड की सजा से दंडित किया है।

पुलिस की विवेचना, महत्वपूर्ण साक्ष्यों और अभियोजन की प्रभावी पैरवी के आधार पर न्यायालय ने अभियोजन के पक्ष में निर्णय दिया।

मामला थाना लुण्ड्रा के अपराध क्रमांक 140/2025 से संबंधित है। घटना 14 जुलाई 2025 के दिन दोपहर 12 बजे ग्राम गेरसा महुआपारा में हुई थी। आहत अनिता कुजूर को उसका ससुर खेती बाड़ी की बात को लेकर फावड़ा से मारकर चोट पहुंचाया था, आहत अनिता कुजूर के सिर में पीछे तफ गंभीर चोट लगकर खून निकल रहा था व जमीन पर बेहोश



पड़ी थी बातचीत नहीं कर रही थी, मामले की गंभीरता को संज्ञान में लेकर डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल (भा.पु.से.) द्वारा थाना लुण्ड्रा पुलिस टीम कों मामले में बारिकी से साध्य एकत्रित करने के दिशा

निर्देश दिए गए थे, डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा के दिशा निर्देशन में पुलिस टीम ने आरोपी की गहनता से पता तलाश तलाश शुरू की थी।

विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी परेवा राम उर्फ प्रेम राम कों पकड़कर पूछताछ किया गया जो आरोपी के मेमोरेण्डम कथनों के आधार पर घटना में प्रयुक्त फावड़ा (कोड़ी) बरामद किया था, इसके साथ ही घटनास्थल से आहत के पास पड़ी खून आलुदा मिट्टी और साधारण मिट्टी के नमूने संरक्षित किये गए साथ ही अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्यों को विधिवत

जब्त किया गया। जब सामग्री को परीक्षण के लिए एफएसएल भेजा गया तथा विवेचना के दौरान घटना में प्रयुक्त हथियार का वयूरी परीक्षण भी कराया गया।

मामले की विवेचना थाना लुण्ड्रा के तात्कालीन विवेचक सहायक उप निरीक्षक एस. आर. साहू द्वारा की गई थी। विवेचना पूर्ण होने के बाद पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अभियोग पत्र दिनांक 07 अक्टूबर 2025 को न्यायालय में प्रस्तुत किया। आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 109(1) के तहत आरोप लगाए गए थे।

50 पर्यवेक्षक पदों पर सीधी भर्ती के बीच आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने पदोन्नति की उठाई मांग

विश्व केसरी ■

कवर्धा (प्रवीण गुप्ता)। महिला एवं बाल विकास विभाग में पर्यवेक्षक (सुपरवाइजर) के 50 रिक्त पदों पर सीधी भर्ती को शासन से मंजूरी मिलने के बाद अब आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने अपने अनुभव और योग्यता के आधार पर पदोन्नति दिए जाने की मांग तेज कर दी है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका संघ की कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष सोनिया मरावी ने शासन से मांग की है कि पर्यवेक्षक के पदों पर भर्ती प्रक्रिया में लंबे समय से विभाग में सेवाएं दे रही आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को उनकी शैक्षणिक योग्यता, अनुभव और सेवा अवधि के आधार पर पदोन्नति का अवसर दिया जाए। शासन ने 50



पर्यवेक्षक पदों पर सीधी भर्ती के लिए वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है। सोनिया मरावी ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता वर्षों से महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं को जमीनी स्तर पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन से लेकर बच्चों के पोषण, गर्भवती

एवं धात्री महिलाओं की देखभाल, पोषण अभियान, सर्वेक्षण और शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी हितग्राहियों तक पहुंचाने का काम कार्यकर्ताओं द्वारा लगातार किया जा रहा है। ऐसे में विभाग में पर्यवेक्षक जैसे पदों पर कार्यरत अनुभवी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार ने पर्यवेक्षकों के 50 रिक्त पदों पर सीधी भर्ती को मंजूरी दी है। लंबे समय से पर्यवेक्षक के पद रिक्त होने के कारण मैदानी स्तर पर कार्य का दबाव बना हुआ था। शासन का तर्क है कि नए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति से विभागीय योजनाओं की निगरानी और आंगनबाड़ी व्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

नीरज चोपड़ा को दूधनी होगी श्रीलंकाई रुमेश पथिरागे की काट, लगातार तीसरी बार पिछड़े

नई दिल्ली। शुक्रवार की रात भारतीय खेल प्रेमियों की नजरें स्विट्जरलैंड के लॉजेन में हुए जैवलिन इवेंट पर लगी थी। भारतीय फैंस को उम्मीद थी कि ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा का शो इस बार उन्हें पहले स्थान पर लाएगा। नीरज का प्रदर्शन अच्छा था, लेकिन वह पहला स्थान प्राप्त नहीं कर सके। पहला स्थान हासिल किया श्रीलंका के रुमेश थरंगा पथिरागे ने, जो हाल के दिनों में नीरज के सबसे तगड़े प्रतिद्वंद्वी के रूप में उभरे हैं।



तीन मुकाबले, तीन बार पीछे

● **जून 2026 - दोहा डायमंड लीग:** पथिरागे ने नीरज को हराकर पहला स्थान हासिल किया।

● **जुलाई 2026 - ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स:** पथिरागे ने स्वर्ण जीता, नीरज रहे दूसरे स्थान पर।

● **अगस्त 2026 - लॉजेन डायमंड लीग:** पथिरागे 88.14 मीटर के शो के साथ पहले, नीरज 88.05 मीटर के शो के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

लॉजेन डायमंड लीग में शुक्रवार रात 28 साल के नीरज ने 88.05 मीटर का शो फेंका। माना जा रहा था कि यह इवेंट का बेस्ट शो हो सकता है और नीरज आसानी से पहले स्थान प्राप्त कर रहे हैं, लेकिन श्रीलंका के रुमेश थरंगा पथिरागे का इरादा कुछ और था। 23 साल के इस जैवलिन श्रोअर ने 88.14 मीटर का शो किया। रुमेश पथिरागे का शो नीरज के शो से 9 सेंटीमीटर अधिक था, लेकिन इसका जवाब नीरज के पास नहीं था। नीरज अपने आगे के प्रयासों में पथिरागे को पीछे नहीं छोड़ सके और परिणस्वरूप उन्हें दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। ग्रैनाडा के एंडरसन पीटर्स 86.69 मीटर के शो के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

लॉजेन डायमंड लीग 2026 (जैवलिन श्रो) - फाइनल परिणाम			
1		रुमेश थरंगा पथिरागे (श्रीलंका)	88.14 मीटर
2		नीरज चोपड़ा (भारत)	88.05 मीटर
3		एंडरसन पीटर्स (ग्रैनाडा)	86.69 मीटर

नेक्सो चैंपियनशिप में शानदार ऐस के बाद शुभंकर ने कट बनाया, युवराज संघू चूके



विश्व केसरी ■

एबरडीनशायर। शुभंकर शर्मा ने नेक्सो चैंपियनशिप में वीकेंड राउंड में जगह बनाते हुए लगातार चार कट मिस करने का सिलसिला खत्म किया। उन्होंने इवन-पार दूसरे राउंड के दौरान छठे होल पर शानदार होल-इन-वन के साथ दिन का सबसे अच्छा शॉट लगाया। शर्मा ने गुरुवार को 73 के स्कोर के साथ शुरुआत की थी। इसके बाद वह 72 के स्कोर के साथ 36 होल के बाद वन-ओवर 145 पर पहुंच गए और टी-22 पर रहते हुए ट्रंप इंटरनेशनल गोल्फ लिक्स में वीकेंड राउंड में जगह बनाई। दूसरे भारतीय युवराज संघू (75-79) कट से चूक गए।

पहले टी से अपना दूसरा राउंड शुरू करते हुए, शर्मा ने पांचवें होल पर शॉट छोड़ने से पहले एक बर्डी के साथ शुरुआत की। फिर उन्होंने पार-थ्री छठे होल पर अपने राउंड का सबसे खास प्रदर्शन किया। इसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने 12वें और 13वें होल पर बर्डी बनाई, लेकिन नौवें, 11वें, 15वें और 16वें होल पर बोगी की वजह से वह रुक गए। आखिर में उन्होंने लेवल-पार 72 के लिए साइन किया।

यह ऐस शर्मा के लिए खास तौर पर अहम था, जिन्होंने डीपी वलंड दूर पर मुश्किल दौर देखा है। वीकेंड में यह अपीयरेंस दो बार के डीपी वलंड दूर विजेता को मोमेंटम

बनाने और आखिरी 36 होल में लीडबोर्ड पर चढ़ने का मौका देता है।

टॉप पर, इंग्लैंड के मैथ्यू साउथगेट ने वीकेंड में एक-स्ट्रोक की बढ़त ले ली, जब लगातार दूसरे टू-अंडर 70 ने उन्हें टूर्नामेंट के लिए फोर-अंडर पर पहुंचा दिया।

साउथगेट, जिन्होंने दिन की शुरुआत लीड से तीन शॉट पीछे रहकर की, ने एबरडीनशायर में मुश्किल और हवादार हालात का डिफिनिट राउंड के साथ सामना किया।

उन्होंने 17वें होल पर बर्डी बनाई, लेकिन छठे होल पर दिन का अपना एकमात्र शॉट गंवा दिया। सातवें होल पर एक चिप-

आरती साहा: भारत की सबसे युवा ओलंपियन, इंग्लिश चैनल पार करने वाली पहली एशियन महिला एथलीट



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय तैराकी की दुनिया में आरती साहा का नाम स्वर्णाक्षरों में अंकित है। आरती ने बहुत ही छोटी उम्र में तैराकी की दुनिया में अपनी अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाई थी।

आरती साहा का जन्म 24 सितंबर 1940 में कोलकाता में हुआ था। आरती ने महज 4 साल की उम्र में तैराकी शुरू कर दी थी और 5 साल की उम्र में अपनी पहली तैराकी प्रतियोगिता जीती थी। आरती ने एक अन्य मशहूर भारतीय तैराक सचिन नाग के मार्गदर्शन में तैराकी की बारीकियां सीखी थीं। सचिन नाग एशियन गेम्स चैंपियन और ओलंपियन थे।

साहा ने घरेलू स्तर पर कई प्रतियोगिताएं जीतीं। साल 1951 में आरती साहा ने 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में नेशनल रिकॉर्ड हासिल किया। इसके बाद उनका चयन 1952 में ओलंपिक के लिए भारतीय दल में हुआ था।

महज 11 साल 10 महीने की उम्र में उन्होंने ओलंपिक में भाग लेकर इतिहास रचा था। वह साहा ओलंपिक में हिस्सा लेने वाली सबसे युवा भारतीय हैं। साहा महिलाओं की 200 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक हीट में उतरीं। वह 3:40.8 सेकेंड के साथ हीट में छठे स्थान पर रहीं, लेकिन सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने में कामयाब नहीं हो सकीं।

सिनसिनाटी ओपन: कोको गॉफ सेमीफाइनल में पहुंची, सारा बेजलेक से होगी फाइनल में पहुंचने की जंग



विश्व केसरी ■

सिनसिनाटी। कोको गॉफ ने नंबर 10 सीड मार्ग कोस्त्युक को 6-2, 6-2 से हराकर सिनसिनाटी ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वह ओपन एरा में 23 साल की उम्र से पहले कई सिनसिनाटी ओपन सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चौथी खिलाड़ी भी बन गई हैं।

कोको गॉफ ने मार्ग कोस्त्युक को आसानी से हरा दिया। मुकाबले के दौरान गॉफ का दबदबा देखने को मिला। उन्होंने अलग-अलग तरह के शॉट चुने और दूर पर किसी से भी बेहतर कोर्ट कवर किया।

जीत के बाद गॉफ ने कहा, 'यह कमाल है, मुझे लगता है कि हम सब बहुत अच्छा कर रहे हैं। उम्मीद है, हम डबल टाइटल जीत सकते हैं। ऐसा होने के लिए और मैच खेलने होंगे। हम पक्का

कोस्त्युक को आसानी से हरा दिया। मुकाबले के दौरान गॉफ का दबदबा देखने को मिला। उन्होंने अलग-अलग तरह के शॉट चुने और दूर पर किसी से भी बेहतर कोर्ट कवर किया।

जीत के बाद गॉफ ने कहा, 'यह कमाल है, मुझे लगता है कि हम सब बहुत अच्छा कर रहे हैं। उम्मीद है, हम डबल टाइटल जीत सकते हैं। ऐसा होने के लिए और मैच खेलने होंगे। हम पक्का

एक-दूसरे का समर्थन करते हैं।' सेमीफाइनल में कोको गॉफ का सामना सारा बेजलेक से होगा। बेजलेक ने एक सेट से पिछड़ने के बाद और आखिर में तीसरे सेट के टाईब्रेक में 4-2 से पिछड़ने के बाद पूर्व ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन मैडिसन कीज को 3-6, 6-4, 7-6 (5) से हराकर सेमीफाइनल में पहुंची हैं।

बेजलेक ने फरवरी में अबू धाबी ओपन में क्वालीफायर के तौर पर अपना पहला डब्ल्यूटीए टूर टाइटल जीता था। बेजलेक की अब तक की शानदार जीत में उनकी हमवतन कैरोलिन प्लिस्कोवा और बारबोरा क्रेजसिकोवा भी शामिल हैं, जो सबालेंका और कीज के साथ पहले डब्ल्यूटीए 1000 चैंपियन बन चुकी हैं। 2009 के बाद से, बेजलेक डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल तक पहुंचने के रास्ते में ऐसी चार खिलाड़ियों को हराने वाली सिर्फ दूसरी खिलाड़ी हैं, इससे पहले प्लिस्कोवा ने आठ साल पहले मैड्रिड में ऐसा किया था।

सेमीफाइनल तक पहुंचने के रास्ते में बेजलेक ने पहले नंबर 1 कैरोलिन प्लिस्कोवा, मौजूदा नंबर 1 आर्यना सबालेंका, मैडिसन कीज और बारबोरा क्रेजसिकोवा जैसी दो और ग्रैंड स्लैम चैंपियन को हराया है। बेजलेक और गॉफ के बीच फाइनल में जगह बनाने के लिए रोमांचक मुकाबला होने की उम्मीद है।

मिचेल स्टार्क ने डेल स्टेन को पछाड़ा, टेस्ट फॉर्मेट के 10वें सफलतम गेंदबाज बने

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेटों के मामले में दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन को पीछे दिया है। स्टार्क अब स्टेन को पीछे छोड़ते हुए टेस्ट क्रिकेट इतिहास से दसवें सफलतम गेंदबाज बन गए हैं। स्टार्क ने शनिवार से साउथ मैके में ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच शुरू हुए टेस्ट मैच में यह उपलब्धि हासिल की।

साउथ मैके में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कैमरुस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था।

स्टार्क ने अपनी आग उगलती गेंदबाजी से बांग्लादेश की शीर्ष क्रम बल्लेबाजी को तहस-नहस कर दिया। स्टार्क ने 10 ओवर की

गेंदबाजी में 6 मेडन फेंकते हुए मात्र 12 रन देकर 6 विकेट लिए। इस दौरान पांचवां विकेट लेते ही उन्होंने डेल स्टेन को पीछे छोड़ दिया।

36 साल के स्टार्क के अब 107 टेस्ट मैचों की 205 पारियों में 441 विकेट हो चुके हैं। स्टार्क एक पारी में 19 बार 5 या उससे अधिक विकेट ले चुके हैं, जबकि एक मैच में 10 या उससे अधिक विकेट 3 बार ले चुके हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 58 रन देकर 7 विकेट है।

स्टार्क से आगे अब वेस्टइंडीज के दिग्गज तेज गेंदबाज कॉर्टनी वॉल्श हैं। वॉल्श के नाम 132 टेस्ट में 519 विकेट हैं।

देखना होगा कि स्टार्क इस रिकॉर्ड को तोड़ पाते हैं, या नहीं। डेल स्टेन ने 2004 से 2019 के बीच 93 टेस्ट मैचों में 439 विकेट लिए थे।

23 अगस्त

छत्तीसगढ़ के दुलरवा, छत्तीसगढ़ महतारी के स्वाभिमान किसान मन के अभिमान, हमर मुखिया

श्री भूपेश बघेल जी को

श्रीमती निशादेवन्द यादव की ढेर सारी बधाई शुभकामनाएं

देवेन्द्र यादव

पुर्व पार्षद, पुर्व अध्यक्ष, मोनक 16 नगर पालिक निगम रायपुर

पुर्व सचिव, छ.ग. प्रदेश कांग्रेस कमेटी

अंडर-20 वर्ल्ड चैंपियनशिप: मानसी लाथर ने रजत, तन्वी और कोमल ने जीता कांस्य पदक

विश्व केसरी ■

स्लोवाकिया। भारतीय महिला कुश्ती टीम ने स्लोवाकिया में अपनी अंडर-20 वर्ल्ड चैंपियनशिप की गिनती में तीन और पदक जोड़े। चैंपियनशिप के आखिरी दिन टीम ने एक रजत और दो कांस्य पदक हासिल किए।

मानसी लाथर को 68 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में चीन की चेनलिंग सोंग के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। मानसी डिफेंसिव बाउट 1-2 से हार गई। इसके बाद उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

तन्वी गुंडेश मगदुम ने 57 किग्रा भार वर्ग में कनाडा की एग्निवा क्राकोवस्का को 10-4 से हराकर कांस्य पदक जीता। वहीं, कोमल ने 59 किग्रा भार वर्ग में हंगरी की एडा बालाज को 5-2 से हराकर कांस्य पदक जीता। इससे पहले शुक्रवार को,



भारतीय महिला कुश्ती की नई सनसनी काजल ने 76 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। इसके अलावा तनु शर्मा और सविता ने रजत पदक जीते थे।

18 साल की काजल धोचक ने 76 किग्रा चैंपियनशिप बाउट में हिस्सा लिया। उन्होंने चीन की जिंगरु सुन के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया, पॉइंट्स (वीपीओ) पर 7-

0 से बिना किसी गलती के जीत हासिल की और खिताब जीता। इस जीत ने उन्हें भारत की सबसे बेहतरीन संभावनाओं के रूप में पहचान दिलाया है। काजल पूर्व में 2024 अंडर-17 वर्ल्ड चैंपियनशिप (69 किग्रा) और 2025 अंडर-20 वर्ल्ड चैंपियनशिप (72 किग्रा) जीत चुकी हैं। काजल ने इस साल की शुरुआत में अंडर-23 एशियन चैंपियनशिप और बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीज में भी स्वर्ण पदक जीता था। यह साबित करता है कि वह अंतरराष्ट्रीय कुश्ती में बड़ी ताकत हैं। तनु शर्मा ने 72 किग्रा भार वर्ग में जापान की चिसातो योशिदा के खिलाफ फाइनल खेला, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। 62 किग्रा भार वर्ग में सविता का सामना चैंपियनशिप फाइनल में जापान की सकुरा ओनिशी से हुआ।



छत्तीसगढ़ के दुलखा बेटा छत्तीसगढ़िया मन के मान बढ़इया भूपेश भैया, हमर भूपेश भैया

भूपेश बघेल जी के कार्यकाल
में हुए महत्वपूर्ण कार्य



- लगभग 18 लाख किसानों का 10000 करोड़ का कृषि ऋण माफ किया गया
- बिजली बिल हॉफ योजना
- किसानों का लगभग 350 करोड़ सिंचाई कर माफ किया गया
- 2500 रुपये से अधिक कीमत पर प्रति क्विंटल धान खरीदने वाला पहला राज्य
- किसानों का धान प्रति एकड़ 20 क्विंटल खरीदा गया
- राम वन गमन पर्यटन परिपथ का विकास
- शहीद महेंद्र कर्मा तैदूपता संग्रहाक सामाजिक सुरक्षा योजना
- राजीव गांधी किसान न्याय योजना
- गोधन न्याय योजना
- राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना
- 65 प्रकार की लघु वनोपज की समर्थन मूल्य में खरीदी
- मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक योजना
- मुख्यमंत्री सुपोषण योजना
- डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना
- छत्तीसगढ़ में 3 नए मेडिकल कॉलेज की स्थापना
- छत्तीसगढ़ के सभी घरेलू उपभोक्ताओं को बिजली बिल हाफ योजना के तहत लगभग 42 लाख घरेलू उपभोक्ताओं को लगभग 3500 करोड़ की छूट दी गई है
- मुख्यमंत्री मितान योजना, हरेली, तीजा, मां कर्मा जयंती, विश्व आदिवासी दिवस, छठ पूजा की अवकाश
- मुख्यमंत्री शहरी स्लम योजना, पढ़ई तुहर दुआर योजना
- स्वामी आत्मानंद स्कूलों की स्थापना
- 2500 रुपये युवा बेरोजगारी भत्ता

आंगनबाड़ी, मितानिन, स्कूल रसोइया,
स्कूल सफाई कर्मचारी मन के मानदेय बढ़इया
मान. भूपेश बघेल जी ला जन्मदिन के गाड़ा-गाड़ा बधाई
भूपेश भैया आय जियो हजारों साल



गिरीश देवांगन
पूर्व अध्यक्ष - छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम
(पूर्व केबिनेट मंत्री दर्जा)



सुशील सत्री अग्रवाल
पूर्व अध्यक्ष - छत्तीसगढ़ भवन एवं
अन्य सत्तिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल, BOCW
(पूर्व केबिनेट मंत्री दर्जा)